@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 10 जून 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 202 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

तीसरी बार प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 9 जून। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है। पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद यह रिकॉर्ड बनाने वाले वह देश के दूसरे राजनेता बन गए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में उन्हें पद की गोपनीयता की शपथ दिलाई। उनके बाद राजनाथ सिंह से लेकर जयशंकर तक कई पूर्व केंद्रीय मंत्री ने एक बार फिर मंत्री पद की शपथ ली। वहीं, शपथ लेने वालों में सात नेता ऐसे भी रहे, जो पहले मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं। आइए उनके बारे में जानते हैं। नरेंद्र मोदी- 23 वर्षों में अब तक सात बार शपथ ले चुके हैं। इसमें से मुख्यमंत्री के तौर पर चार बार और प्रधानमंत्री के रूप में तीन बार शपथ ले चुके हैं। केंद्र की सत्ता संभालने से पहले नरेंद्र मोदी अपने गृह राज्य गुजरात में मुख्यमंत्री रहे। शिवराज सिंह चौहान- मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को नरेंद्र मोदी के केंद्रीय मंत्रिमंडल में मंत्री बनाया गया है। उन्होंने छठे नंबर पर शपथ ली है। इससे मध्य प्रदेश की ताकत और ज्यादा बढ़ेगी। विदिशा से छठवीं बार सांसद चुने गए शिवराज सिंह चौहान प्रदेश में भाजपा के सबसे कद्दावर नेता हैं। वह मध्य प्रदेश के पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने सर्वाधिक समय तक मुख्यमंत्री पद का कार्यभार संभाला है। उनका कार्यकाल करीब 16.5 वर्ष का रहा। इससे पहले भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष व भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहे हैं। मनोहर लाल खट्टर- भाजपा के वरिष्ठ नेता मनोहर लाल खट्टर हरियाणा के 10वें मुख्यमंत्री रहे। वह दस वर्षों तक इस पद पर रहे। हालांकि, लोकसभा चुनाव से ठीक पहले उन्हें पद से हटा दिया गया था और करनाल सीट से मैदान में उतारा गया था। खट्टर पहली बार केंद्रीय मंत्री के रूप में काम करेंगे। राष्ट्रपति भवन में नरेंद्र मोदी ने रविवार की शाम लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर इतिहास रचा। इसके साथ ही लोगों में इस बात को लेकर बनी उत्सुकता भी खत्म हो गई कि नई राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार में किन सांसदों ने मंत्री पद की शपथ ग्रहण की। अभी शपथ ग्रहण जारी है। लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने मंत्री पद की शपथ ली। इससे पहले वह मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में केंद्रीय गृहमंत्री और दूसरे कार्यकाल में रक्षामंत्री पद की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। राजनाथ सिंह के बाद उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद हरदीप सिंह पुरी ने कैबिनेट मंत्री के तौर पर पद की शपथ ली। राष्ट्रीय लोक दल प्रमुख और राज्यसभा सांसद चौधरी जयंत सिंह ने राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार के रूप में मंत्री पद की शपथ ली। पीलीभीत संसदीय क्षेत्र से नवनिर्वाचित सांसद जितिन प्रसाद ने राज्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली। बता दें कि इससे पहले वह यूपी की योगी सरकार में मंत्री रहे। वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए थे। महराजगंज संसदीय क्षेत्र से नवनिर्वाचित पंकज चौधरी ने मंत्री पद की शपथ ली। बता दें पंकज चौधरी इसी सीट पर 2019 में भी चुनाव जीते और मोदी 2.0 सरकार में वित्त राज्यमंत्री भी बने। उत्तर प्रदेश की मिर्जापुर सीट से नवनिर्वाचित लोकसभा सांसद और अपना दल (सोनेलाल) की नेता अनुप्रिया पटेल ने राज्यमंत्री के रूप में मंत्री पद की शपथ ली। उन्होंने लोकसभा का लगातार तीसरी बार चुनाव जीता है। आगरा संसदीय क्षेत्र से सांसद एसपी बघेल ने राज्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली। वह मोदी 2.0 सरकार में भी मंत्री रहे। बघेल सपा से दो बार लोकसभा सांसद रहे और बसपा से राज्यसभा सांसद रहे। गोंडा संसदीय क्षेत्र से सांसद कीर्तिवर्धन सिंह ने राज्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली। उन्होंने पांचवीं बार लोकसभा चुनाव जीता है। 2014 में सपा से भाजपा में शामिल हुए। उत्तर प्रदेश के बदायूं से आने वाले राज्यसभा सांसद बीएल वर्मा ने राज्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली। वह मोदी 2.0 सरकार में भी मंत्री रहे। यूपी भाजपा के उपाध्यक्ष भी रहे। उत्तर प्रदेश की बांसगांव सीट से भाजपा सांसद कमलेश पासवान ने राज्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली। वह 2009 से लगातार सांसद है। 2024 का चुनाव जीतकर चौथी बार सांसद बने हैं। इससे पहले वह विधायक भी रहे। मनोनीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार (9 जून) को लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेने के लिए तैयार हैं, जिससे वह पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की उपलब्धि की बराबरी करेंगे। राष्ट्रपति भवन में होने वाला यह कार्यक्रम हाल के राष्ट्रीय चुनावों में शानदार जीत के बाद नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का प्रतीक होगा। इस शपथ ग्रहण समारोह का साक्षी बनने के लिए रजनीकांत और कंगना रणौत समेत कई सितारे दिल्ली पहुंच चुके हैं। आइए एक नजर डालते हैं कि दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में कौन-कौन सा सितारा शामिल हुआ है- मनोनीत पीएम नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए अभिनेता रजनीकांत भी दिल्ली पहुंच गए हैं। मीडिया से मुखातिब होते हुए थलाइवा ने कहा कि ये बहुत बड़ी उपलब्धि है और उनकी शुभकामनाएं पीएम मोदी के साथ हैं। नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर भी दिल्ली पहुंच गए हैं। एएनआई से बात करते हुए अनिल कपूर ने कहा कि वह बस यही चाहते हैं कि देश समृद्ध हो। अभिनेत्री रवीना टंडन भी इस ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनने राष्ट्रपति भवन पहुंच चुकी हैं। रवीना, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार शपथ ग्रहण करते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं।

कांग्रेस ने मोदी के शपथ ग्रहण से पहले गठबंधन पर किया करारा प्रहार: जयराम रमेश

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 9 जून। नरेंद्र मोदी आज प्रधानमंत्री पद की तीसरी बार शपथ ग्रहण करने जा रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस ने नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) को खतरनाक करार दिया। सबसे पुरानी पार्टी ने रविवार को कहा कि मोदी आज शाम नरेंद्र डेस्ट्रक्टिव एलायंस यानी एनडीए के नेता के रूप शपथ लेंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, क्या आप लोगों को 28 मई, 2023 का दिन याद है? यह वह दिन था जब नरेंद्र मोदी नए संसद भवन में उस सेंगोल के साथ आए थे, जिसके लिए 15 अगस्त 1947 का इतिहास गढ़ा गया था। यह न केवल मोदी के सम्राट होने के ढोंग को सही ठहराने के लिए बल्कि तमिल मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए किया गया था। रमेश ने आगे कहा, हमें पता है उस ड्रामे का नतीजा क्या निकला। सेंगोल तमिल इतिहास का एक सम्मानित प्रतीक है। तमिल मतदाताओं और वास्तव में भारत के मतदाताओं ने मोदी के ढोंग को सिरे से नकार दिया। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि मोदी को भारी व्यक्तिगत, राजनीतिक और नैतिक हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि मोदी को उस संविधान के सामने झुकने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिसे उन्होंने पिछले एक दशक में नष्ट कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि पूरी जयराम रमेश ने पीएम मोदी की वैधता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक तिहाई प्रधानमंत्री आज शाम नरेंद्र डेस्ट्रक्टिव गठबंधन (एनडीए) के नेता के रूप में शपथ लेंगे। वहीं, एक अन्य पोस्ट में रमेश ने पीएम मोदी के राजघाट दौरे पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि आप ट्रैक रिकॉर्ड देखिए। उनके वैचारिक सहयोगियों ने शत्रुता और घृणा का ऐसा विषाक्त वातावरण बनाया, जिसके परिणामस्वरूप 30 जून 1948 को महात्मा गांधी की हत्या कर दी गई। उन्होंने आगे कहा कि वे अपने उन साथियों को कभी नहीं टोकते जो गोडसे को एक नायक की तरह पेश करते हैं। मोदी ने संसद भवन में महात्मा गांधी की प्रतिमा को एक बार नहीं बल्कि दो बार विस्थापित किया। रमेश ने आगे कहा कि उन्होंने झूठा दावा किया कि 1982 में एटनबरो द्वारा बनाई गई फिल्म से पहले महात्मा गांधी को दुनिया जानती ही नहीं थी। सिलसिलेवार वह वाराणसी, अहमदाबाद और अन्य जगहों पर गांधीवादी संस्थाओं को ध्वस्त और नष्ट कर रहे है। एक-तिहाई प्रधानमंत्री के दोगलेपन की शायद ही विश्व में कोई और बराबरी कर सकता है ।

भाजपा को वोट न देने वाले मराठों को किया जा रहा प्रताड़ित, कार्रवाई की मांग की: जरांगे

नई दिल्ली, 9 जून। रविवार को मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र के गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस से कुछ लोगों पर कार्रवाई करने का आग्रह किया है। उन्होंने शिकायत की कि ये लोग लोकसभा चुनाव में बीड में भाजपा को वोट न देने पर मराठों पर हमला कर रहे थे। जरांगे ने शनिवार को अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया। जिसमें मसौदा अधिसूचना के क्रियान्वयन की मांग की गई। इसमें मराठा समुदाय के सभी रक्त संबंधियों को कुनबी के रूप में मान्यता दी गई है। साथ ही कुनबी को मराठा के रूप में पहचानने के लिए कानून बनाने की मांग की गई है। अंतरवाली सारथी गांव में अपने अनिश्चितकालीन अनशन के दूसरे दिन जरांगे ने दावा किया कि बीड जिले के कुछ गांवों में मराठों पर भाजपा की पंकजा मुंडे को वोट न देने पर हमला किया जा रहा है। हाल ही में हुए चुनावों में एनसीपी (एसपी) उम्मीदवार बजरंग सोनावणे से हार गई थीं। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने रविवार को महाराष्ट्र के गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस और बीड के पुलिस अधीक्षक से ऐसी हिंसा के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की। उन्होंने बताया कि भाजपा को वोट न देने पर मराठों को प्रताड़ित किया गया। साथ ही मराठा युवाओं से शांति और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने का आग्रह किया। एक कार्यकर्ता ने कहा कि मराठा हितों का विरोध करने वाले नेताओं को आगामी विधानसभा चुनावों में परिणाम भुगतने होंगे। बता दें कि कुनबी, एक कृषि समूह है। जो पिछड़ा वर्ग श्रेणी में आता है। मनोज जरांगे की मांग है कि सभी मराठों को कुनबी प्रमाण पत्र जारी किए जाएं। जिससे वे कोटा लाभ के पात्र बन सकें। कार्यकर्ता ने मराठों को खेती पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। खासतौर पर बुवाई के मौसम के दौरान और अंतरवाली सारथी में विरोध स्थल पर उनके साथ शामिल न हों। इस बीच अंतरवाली सारथी गांव की ग्राम पंचायत ने जरांगे के विरोध का समर्थन करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। हालांकि जिला प्रशासन को ग्रामीणों के एक वर्ग ने पहले ही ज्ञापन सौंप दिया था। ज्ञापन में सांप्रदायिक सद्भाव के लिए संभावित खतरे का हवाला देते हुए गांव में जरांगे के विरोध को अनुमति न देने का आग्रह किया गया था। इससे पहले कार्यकर्ता ने 10 से 26 फरवरी के बीच आरक्षण के मुद्दे पर आंदोलन किया था। 20 फरवरी को महाराष्ट्र विधानसभा ने मंगलवार को सर्वसम्मति से एक विधेयक पारित किया, जिसमें शिक्षा और सरकारी नौकरियों में मराठों के लिए एक अलग श्रेणी के तहत 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया।

पंकजा मुंडे के हारने पर जान देने की कही थी बात

लातूर (महाराष्ट्र), 9 जून। महाराष्ट्र के लातूर में एक ट्रक ड्राइवर की बस के नीचे कुलकर मौत हो गई। पुलिस को शक है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है। व्यक्ति ने एक वीडियो बनाकर दावा किया था कि अगर भाजपा नेता पंकजा मुंडे बीड से लोकसभा चुनाव हार जाती हैं तो वह अपनी जान दे देंगे। अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना शुक्रवार की रात करीब नौ बजे बोरगांव पाटी के पास अहमदपुर-अंधोरी रोड पर हुई। मृतक की पहचान लातूर के अहमदपुर के येस्तार निवासी सचिन कोंडीबा मुंडे (38 वर्षीय) के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि बस ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। जबकि इस बात का पता लगाने के लिए जांच जारी है कि यह हादसा था या आत्महत्या का मामला। सचिन बस के पीछे खड़ा था और जब बस पलटी तो कुचलकर उसकी मौत हो गई। किंगाव पुलिस थाने के सहायक निरीक्षक बहुआसाहेब खंडारे ने बताया कि जांच के तहत महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की बस जब्त कर ली गई। मृतक अविवाहित था और अपने माता-पिता और भाई के साथ रहता था। उसने एक वीडियो जारी किया था। जिसमें उसने दावा किया था कि अगर पंकजा मुंडे चुनाव हार जाती हैं तो जान दे देंगे। उस समय यह वीडियो वायरल हो गया था। पंकजा मुंडे बीड सीट पर बेहद करीबी मुकाबले में कांग्रेस के बजरंग सोनावणे से 6,553 मतों से लोकसभा चुनाव हार गईं। संयोग से चुनाव आयोग ने बीड के चुनाव के अंतिम नतीजे 5 जून को जारी किए।

'इंडी गठबंधन आज नहीं तो कल पेश करेगा सरकार बनाने का दावा': ममता बनर्जी

तेजिन्दर कौर बब्बर

कोलकाता, 9 जून। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी पार्टी केंद्र की राजनीतिक स्थिति पर देखो और इंतजार करो का रुख अपनाएगी। इंडिया गठबंधन ने भले ही अभी सरकार बनाने का दावा पेश नहीं किया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह आगे ऐसा नहीं करेगा। तृणमूल कांग्रेस के सांसदों से मुलाकात के बाद ममता ने कहा, यह बेहद खुशी की बात होती अगर कमजोर व अस्थायी एनडीए सरकार सत्ता से हटा दी जाती। आज भाजपा अलोकतांत्रिक व अवैध तरीके से सरकार बना रही है। चलिए कुछ वक्त इंतजार करते हैं, सही समय आने पर इंडिया गठबंधन जरूरी सरकार बनाएगा। तृणमूल कांग्रेस जनवरी में पश्चिम बंगाल में इंडिया गठबंधन से बाहर हो गई थी, लेकिन ममता ने कहा था कि पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी गुट का हिस्सा बनी रहेगी। शपथ ग्रहण समारोह पर बनर्जी ने कहा, उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के लिए न्योता नहीं मिला है। ममता ने कहा कि वे राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस समारोह में जाने का इरादा भी नहीं रखतीं। शुक्रवार को उन्होंने कहा कि वह अलोकतांत्रिक, असंवैधानिक और अवैध तरीकों से सत्ता में आने वाली भाजपा नेतृत्व की एनडीए सरकार को अपनी शुभकामनाएं नहीं दे सकतीं हैं। साथ ही उन्होंने गैर भाजपा सांसदों को हिदायत दी है कि भारतीय जनता पार्टी से सतर्क रहें। सभी पार्टियों से उन्होने कहा कि भाजपा सांसदों को तोड़ने की कोशिश कर सकती है। लोकसभा 2024 चुनाव में पश्चिम बंगाल में इस बार टीएमसी ने शानदार प्रदर्शन किया। कुछ राजनीतिक विश्लेषक भाजपा की छह-सात सीटें बढ़ने का अनुमान लगा रहे थे, लेकिन मतगणना में भाजपा 10 सीटों पर सिमट गई। 31 सीटों पर झंडे गाड़ कर ममता ने साबित कर दिया कि भाजपा अब भी यहां के लिए बाहरी पार्टी ही है। भाजपा इस बार कई सीट भी हार गई। इस बार ममता को एकतरफा मुस्लिम वोट मिला। ममता ने भाजपा के जवाब में साफ्ट हिंदू कार्ड चला और अपने हिंदू वोट बैंक को खिसकने नहीं दिया। नतीजों से ममता ने अपनी बंगाली पहचान और पुख्ता कर ली है। लक्ष्मी भंडार योजना, हर महीने खाते में एक हजार रुपये देने की घोषणा ने जोरदार असर किया।

नीतीश को इंडी गठबंधन ने दिया था पीएम पद का प्रस्ताव: केसी त्यागी

नई दिल्ली, 9 जून। तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे एनडीए के घटक जदयू के नेता केसी त्यागी ने शनिवार को एक चैनल से बातचीत में दावा किया कि विपक्षी इंडी गठबंधन की ओर से नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री पद का प्रस्ताव दिया गया था। हालांकि, कांग्रेस की तरफ से अतीत में हुए दुर्व्यवहार को ध्यान में रखकर नीतीश ने प्रस्ताव खारिज कर दिया था। त्यागी ने कहा, नीतीश को प्रधानमंत्री बनाने का प्रस्ताव उन लोगों की तरफ से आए, जिन्होंने नीतीश को इंडी गठबंधन का संयोजक बनाने से इन्कार कर दिया था, जबकि नीतीश इसके जन्मदाता थे। हालांकि उन्होंने नाम बताने से इन्कार कर दिया। त्यागी ने कहा कि नीतीश की वजह से ही राजनीतिक दलों के बीच कांग्रेस की अस्पृश्यता खत्म हुई, वर्ना अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी जैसे नेता किसी कीमत पर कांग्रेस के साथ मंच साझा करने के लिए तैयार नहीं थे। केसी त्यागी के बयान पर कांग्रेस नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा, वे कुछ भी कह सकते हैं, क्योंकि उनका दोबारा मन बन रहा होगा कि वे वापस आ जाएं। ऐसी राजनीति हमें नहीं चाहिए। हमारे पास और भी नेता हैं और अगर उनका मानना है तो उन्हें इंडिया गठबंधन में आना चाहिए। देशहित की बात करनी चाहिए।

पटनायक के उत्तराधिकारी वीके पांडियन ने राजनीति छोड़ी

भुवनेश्वर, 9 जून। ओडिशा में पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के उत्तराधिकारी माने जा रहे पूर्व नौकरशाह वीके पांडियन ने राजनीति छोड़ने का एलान किया है। वीके पांडियन ने एक वीडियो संदेश में कहा कि राजनीति में आने का उनका मकसद केवल पटनायक की सहायता करना था। हालांकि, अब वे सक्रिय राजनीति से अलग हो रहे हैं। पांडियन ने कहा कि अगर उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा के दौरान किसी को ठेस पहुंचाई हो तो मुझे खेद है। उन्होंने कहा कि अगर उनके खिलाफ चले अभियान के कारण बीजू जनता दल को हार का सामना करना पड़ा है तो उन्हें खेद है। पांडियन ने कहा कि वे पार्टी कार्यकर्ताओं समेत पूरे बीजद परिवार से माफी मांगते हैं। गौरतलब है कि चार जून को चुनावी नतीजों की घोषणा के बाद पांडियन सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं। पांच जून को जब सीएम पटनायक इस्तीफा देने राज्यपाल रघुवर दास के पास गए थे, पांडियन उस समय भी साथ नहीं दिखे थे। उन्हें नवीन निवास में बीजद नेताओं की बैठक में भी नहीं देखा गया। ओडिशा में भाजपा के हाथों मिली करारी हार के बाद पांडियन की आलोचना को पूर्व सीएम पटनायक ने दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया था। उन्होंने कहा था कि पांडियन ने बीजद में शामिल होने के बाद शानदार काम किया। बता दें कि विधानसभा चुनाव 2024 में करारी हार का स्वाद चखने के साथ-साथ बीजू जनता दल इस बार के लोकसभा चुनाव में एक भी लोकसभा सीट नहीं जीत सकी। कमजोर होते जनाधार के बीच बीजद के कई बड़े नेता अपने किले बचाने में भी कामयाब नहीं रहे। भाजपा ने 78 सीटें जीतकर बीजद की ढाई दशक पुरानी सरकार को उखाड़ फेंका। पटनायक के नेतृत्व वाली पार्टी को केवल 51 विधानसभा सीटें मिलीं। कांग्रेस को 14, जबकि वाम दल- सीपीआईएम को एक सीट मिली। तीन निर्दलीय उम्मीदवार भी जीतने में सफल रहे। गौरतलब है कि चुनाव से पहले ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) लगातार छठी बार सरकार बनाने के दावे कर रही थी। हालांकि, 147 सदस्यीय विधानसभा के समीकरणों में बड़ा बदलाव हुआ और पहली बार भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला। इस बार 17वीं विधानसभा का गठन होगा। 2024 के विधानसभा चुनाव से पहले किस दल के पास कितनी सीटें थीं-

स्टैन स्वामी जैसा व्यवहार हेमंत सोरेन के साथ हो रहा: कल्पना सोरेन

नरेश मल्होत्रा

रांची, 9 जून। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नेता ने दावा किया कि जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ वैसा ही व्यवहार किया जा रहा है, जैसा जेसुइट पादरी स्टैन स्वामी के साथ किया गया था। दरअसल, स्टैन स्वामी की पुलिस हिरासत में ही मौत हो गई थी। झामुमो नेता के अनुसार, पादरी स्टैन स्वामी ने आदिवासियों के अधिकार के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के फेसबुक से एक पोस्ट किया गया, जिसमें कहा गया कि यह लोकसभा चुनाव झारखंड के लिए स्वामी की हिरासत में मौत का बदला लेने की शुरुआत है। बता दें कि हेमंत सोरेन का फेसबुक अकाउंट फिलहाल उनकी पत्नी कल्पना सोरेन संचालित कर रही हैं। हेमंत सोरेन को भूमि घोटाला मामले के तहत मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा गया, जिस तरह से कमजोर वर्ग के लिए आवाज उठाने वाले फादर स्टैन की आवाज को अन्याय की संस्था ने खामोश कर दिया; आज ठीक उसी तरह का व्यवहार हेमंत सोरेन के साथ किया जा रहा है। आज सभी झारखंड वासियों को हेमंत सोरेन के समर्थन में डटकर खड़े रहने की जरूरत है, वरना झारखंड को मणिपुर में बदलने में देर नहीं लगेगा। मणिपुर में दो समुदाय मैतेई और कुकी के बीच पिछले एक साल से हिंसा जारी है, जिसमें अबतक 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। पोस्ट में आगे कहा गया, लोकसभा चुनाव 2024 फादर स्टैन की पुलिस हिरासत में हुई मौत का बदला लेने की शुरुआत है। पिछले तीन लोकसभा चुनाव में झारखंड में दबदबा बनाकर रखने वाली भाजपा को इस बार खूंटी, सिंहभूम, लोहरदगा, राजमहल और दुमका क्षेत्र में बड़ा झटका लगा। इनमें से तीन सीटों पर झामुमो ने और एक सीट पर कांग्रेस ने जीत हासिल की। जेल में बंद पूर्व सीएम की पत्नी कल्पना सोरेन ने गांडेय उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार दिलीप कुमार शर्मा के खिलाफ 27,149 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। पोस्ट में आगे कहा गया, बुढ़ापे और पर्किंसन की बीमारी से पीड़ित फादर स्टैन को जमानत नहीं दी गई थी। सरकार द्वारा लगाए गए झूठे आतंकवाद के आरोपों के कारण उनका ठीक से इलाज भी नहीं कराया गया। पानी पीने के लिए उन्हें 25 पैसे वाला स्ट्रॉ भी नहीं दिया गया था। बिगड़ती स्वास्थ्य स्थितियों के कारण फादर स्टैन की 2021 में मौत हो गई। उनकी मौत आतंकवाद के बहाने विपक्ष और आदिवासियों को दबाने की भाजपा की नीति का एक उदाहरण है। बता दें कि स्वामी को 2020 में गिरफ्तार किया गया था। भीमा कोरेगांव मामले के सिलसिले में उन्हें मुंबई ले जाया गया, जहां उनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था।

सोमाली सेना ने अल-शबाब के 47 आतंकवादियों को मार गिराया

एजेंसी
मोगादिशु । सोमालिया में सशस्त्र बलों ने देश के मध्य भाग में गलगुडुड प्रांत में कट्टरपंथी आतंकवादी संगठन अल-शबाब के 47 आतंकवादियों को मार गिराया है सोमाली समाचार पोर्टल मोगादिशु24 ने सूचना मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया कि मंत्रालय ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान पांच सोमाली सैनिक मारे गए। उल्लेखनीय है कि अल-शबाब एक सोमालिया स्थित जिहादी आतंकवादी समूह है जो अल-कायदा आतंकवादी समूह से जुड़ा हुआ है। यह समूह सोमाली सरकार के खिलाफ सशस्त्र प्रतिरोध छेड़ता है और देश में संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मिशनों में बाधा डालता है।

ईरान ने इस्लामिक देशों से इजरायल के साथ सहयोग बंद करने का आग्रह किया

तेहरा। ईरान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अली बघेरी ने कहा कि इस्लामिक देशों को इजरायल के साथ राजनीतिक एवं आर्थिक सहयोग बंद कर देना चाहिए और आयात का बहिष्कार करना चाहिए। श्री बघेरी ने सीएनएन तुर्क ब्रॉडकास्टर के साथ एक साक्षात्कार में कहा,हमारी राय में इस्लामी देशों द्वारा की जाने वाली सबसे प्रभावी पहल इजरायली शासन के साथ राजनीतिक और आर्थिक सहयोग बंद करना और इसके साथ सभी आयात और निर्यात का बहिष्कार करना होगा।

अदन की खाड़ी में फिर हुआ व्यापारिक जहाज पर हमला, हूती विद्रोहियों के मिसाइल हमले से जहाज में लगी आग

लंदन। ब्रिटिश सुरक्षा फर्म एंब्रे ने रविवार को दावा किया है कि अदन की खाड़ी में एक व्यापारिक जहाज पर मिसाइल से हमला हुआ है। हमले के चलते जहाज में आग लग गई। हमला यमन से हुआ और इसके पीछे हूती विद्रोहियों का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है।

मिसाइल हमले में जहाज पर लगी आग

ब्रिटेन के मेरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (चरूञ्झह्र)ने बताया कि जहाज के कप्तान ने उन्हें घटना के बारे में सूचित किया। जहाज पर यमन के नजदीक अदन की खाड़ी में दक्षिण पूर्व में 80 नॉटिकल मील की दूरी पर हमला हुआ। हूती विद्रोही बीते कई महीनों से लाल सागर, अदन की खाड़ी और अरब सागर में व्यापारिक जहाजों को निशाना बना रहे हैं। इस्राइल द्वारा गाजा में हमले के खिलाफ और फलस्तीनी लोगों के समर्थन में हूती विद्रोही इन हमलों को अंजाम दे रहे हैं। सुरक्षा फर्म एंब्रे का कहना है कि जहाज के अगले हिस्से पर मिसाइल का हमला हुआ, जिसके बाद जहाज में आग लग गई। हालांकि जहाज के क्रू ने ही आग पर काबू पा लिया। जहाज पर दो मिसाइलों से हमला किया गया, लेकिन दूसरी मिसाइल जहाज से नहीं टकराई। हमले में किसी के हताहत होने और बड़े नुकसान की खबर नहीं है।

किम की गंदी हरकत का दक्षिण कोरिया देगा जवाब, प्योंगयांग के विरोध में लाउडस्पीकर से करेगा प्रचार

सियोल। उत्तर कोरिया अभी तक दक्षिण कोरिया को मिसाइल और परमाणु बम की ही धमकी देता रहा है। लेकिन अब उत्तर कोरिया गंदगी भी फैलाने लगा है। उत्तर कोरिया ने हाल ही में दक्षिणी कोरिया में कूड़ा-कचरा बांधकर 150 गुब्बारे छोड़ दिए थे। इस पर दक्षिण कोरिया भड़क गया। उसने कचरे से भरे गुब्बारे उड़ाने के मामले में सख्त रुख अपनाया है। सियोल का कहना है कि एक बार फिर से व्योंगयांग के विरोध में लाउडस्पीकर के जरिए प्रचार किया जाएगा। राष्ट्रीय सुरक्षा बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक के बाद दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि लाउडस्पीकर लगाए जाएंगे और रविवार से प्रसारण शुरू हो जाएगा। इससे उत्तर कोरिया जरूर गुस्सा होगा और जवाबी सैन्य कार्रवाई कर सकता है। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि उत्तर कोरिया ने सप्ताह के अंत में एक बार फिर से सैकड़ों कचरे वाले गुब्बारे यहां भेजे। उन्होंने कहा कि मई से लेकर अब तक तीसरी बार ऐसी हरकत की गई है। सेना ने पहले कहा था कि वह इस बात की जांच कर रही है कि गुब्बारों में उत्तर कोरियाई प्रचार सामग्री तो नहीं है। हालिया घटना उत्तर कोरिया के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उसने कहा था कि वह दक्षिण में कार्यकर्ताओं की ओर से सीमावर्ती इलाकों में लगातार पर्चे और अन्य कूड़ा-कचरा फैलाने के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगा।

अमेरिकी ख़ुफ़िया डेटा ने इज़रायल को बंधकों को मुक्त कराने में मदद की

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका के खुफिया डेटा ने इजरायल को गाजा पट्टी में बंधक बनाकर रखे गए चार लोगों का पता लगाने एवं उन्हें बचाने में मदद की है।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से यह जानकारी दी है। इज़रायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने गत सात अक्टूबर को नोवा संगीत समारोह से अपहरण किए गए चार बंधकों को बचाया। आईडीएफ ने कहा कि बंधकों के स्वास्थ्य की स्थिति अच्छी है और उन्हें आगे की चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।रिपोर्ट में एक इजरायली अधिकारी का हवाला देते हुए कहा गया है कि इसके अलावा अमेरिका और ब्रिटेन के विशेषज्ञों की टीमें इजरायल को हवाई और साइबरस्पेस से खुफिया जानकारी प्रदान करती हैं।

उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर 2023 को हमास ने इज़रायल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रॉकेट हमला किया और सीमा का उल्लंघन किया एवं उसके सैन्य ठिकानों पर हमला किया। हमले के दौरान इज़रायल में लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 240 अन्य का अपहरण कर लिया गया। इज़रायल ने जवाबी हमले शुरू किए एवं गाजा की पूर्ण नाकाबंदी का आदेश दिया और हमास लड़ाकों को खत्म करने और बंधकों को बचाने के घोषित लक्ष्य के साथ फिलिस्तीनी इलाके में जमीनी घुसपैठ शुरू कर दी।स्थानीय अधिकारियों के अनुसार गाजा पट्टी में इजरायली हमलों में अब तक 36,500 से अधिक लोग मारे गए हैं। माना जाता है कि गाजा में अभी भी कुल 120 बंधक हमास के पास हैं और उनमें से लगभग एक तिहाई की मौत हो चुकी है।

द्वितीय विश्व युद्ध लड़ने वाले पूर्व सैनिक ने 100 साल की उम्र में 96 वर्षीय प्रेमिका से की शादी

एजेंसी
कैरेंटन-लेस-मरैस। द्वितीय विश्व युद्ध लड़ने वाले अमेरिका के पूर्व सैनिक हारोल्ड टेरेंस ने 100 साल की उम्र में अपनी 96 वर्षीय प्रेमिका जीन स्वेर्लिन से शादी की। टेरेंस और स्वेर्लिन ने फ्रांस में नॉरमैंडी के डी-डे समुद्र तट पर स्थित एक 'टाउन हॉल' में शादी की। यह वही स्थान है जहां छह जून, 1944 को मित्र देशों के विमानों के उतरने के बाद भीषण लड़ाई हुई थी जिससे यूरोप को एडोल्फ हिटलर के अत्याचार से मुक्ति दिलाने में मदद मिली। टेरेंस और स्वेर्लिन के विवाह समारोह में शामिल हुए कुछ लोगों ने द्वितीय विश्व युद्ध के समय की पोशाक पहनी हुई थीं। जीन स्वेर्लिन ने गुलाबी रंग की पोशाक पहनी थी। वहीं, टेरेंस ने हल्के नीले रंग के सूट पहना। टेरेंस ने इसे अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन बताया और स्वेर्लिन ने कहा, प्यार केवल युवाओं के लिए नहीं हैं।

नवविवाहित दंपती को शनिवार रात को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ राजकीय रात्रिभोज के लिए एलिसी पैलेस में आमंत्रित किया गया था।

अमेरिका ने नाइजीरिया से सैनिकों की वापसी शुरू की

एजेंसी
नियामी । अमेरिका ने नाइजीरिया से अपने सैनिकों को वापस बुलाना शुरू कर दिया है। दोनों देशों के रक्षा मंत्रालयों ने एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया अमेरिकी रक्षा विभाग और नाइजर गणराज्य के नाइजीरियाई राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि नाइजर से अमेरिकी सेना और संपत्ति की वापसी प्रारंभिक तैयारियों से लेकर पुन~ तैनाती तक बढ़ गई है। यह महत्वपूर्ण परिवर्तन अमेरिकी वायु सेना के सी-17 ग्लोबमास्टर 3 के 7 जून 2024 को नियामी में हवाई अड्डा 101 से प्रस्थान के साथ शुरू हुआ।

बयान में कहा गया है कि इसके अलावा कुछ अमेरिकी सेनाएं अपने मिशन समाप्त करने के बाद पहले ही नाइजर से अपने गृह स्टेशनों पर फिर से तैनात हो चुकी हैं। बयान में कहा गया है कि उसी समय हवाई अड्डा 101 और 201 से सैनिकों की वापसी में सहायता के लिए अमेरिकी सैन्य कर्मियों की एक छोटी टुकड़ी

अफ्रीकी देश में पहुंची। अमेरिका और नाइजर 15 सितंबर से पहले अफ्रीकी देश से अमेरिकी सैनिकों की वापसी पूरी करने पर सहमत हुए।

सैन्य वापसी मार्च में शुरू की गई थी जब एक नाइजीरियाई सैन्य प्रवक्ता ने कहा था कि देश की संक्रमणकालीन सरकार ने नाइजीरियाई लोगों के हितों का हवाला देते हुए अमेरिका के साथ सैन्य समझौते को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया था संक्रमणकालीन सरकार ने जुलाई 2023 में तख्तापलट करके सत्ता संभाली थी। नाइजर में अनुमानित 1,100 अमेरिकी कर्मी हैं।

क़तर, मिस्र ने युद्धविराम समझौता नहीं होने पर हमास को परिणाम भुगतने की धमकी दी

एजेंसी
दोहा। कतर और मिस्र ने अमेरिकी प्रशासन के निर्देश पर फिलिस्तीनी आंदोलन हमास के नेताओं को धमकी दी है कि यदि वे इजरायल के साथ युद्धविराम के लिए सहमत नहीं हुए तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है, संपत्ति जब्त की जा सकती है, प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं और दोहा में उनकी शरणस्थली से निष्कासन किया जा सकता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने सूत्रों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी है। हालाँकि रिपोर्ट में कहा गया है कि इन प्रयासों के विपरीत परिणाम सामने आए है और हमास ने कहा है कि वह ऐसे सौदे पर सहमत नहीं होगा जो उसकी शर्तों को पूरा नहीं करते है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पिछले हफ्ते कहा था कि इज़रायल ने हमास को एक रोड मैप के साथ एक नया तीन-चरण का प्रस्ताव दिया, जिससे गाजा पट्टी में शत्रुता की स्थायी समाप्ति होगी और सभी बंधकों की रिहाई होगी। प्रस्ताव के पहले चरण में पूर्ण युद्धविराम, सभी गाजा आबादी केंद्रों से इजरायली सैनिकों की वापसी और

हमास द्वारा बंधक बनाए गए कुछ लोगों की रिहाई, जिनमें घायल, बुजुर्ग और महिलाएं शामिल हैं के साथ-साथ जेलों से हिरासत में लिए गए फिलिस्तीनियों की रिहाई शामिल है। दूसरे चरण में शेष बंधकों की रिहाई के बदले में शत्रुता की अनिश्चितकालीन समाप्ति शामिल है। पहल का तीसरा चरण युद्धग्रस्त गाजा का पुनर्निर्माण शुरू करना है।

चीन से हुए सौ किलो सोने की तस्करी के मामले में कई भारतीय एजेंट गिरफ्तार

एजेंसी
काठमांडू। पिछले वर्ष चीन से नेपाल के रास्ते भारत ले जाने के लिए आए सौ किलो सोने की तस्करी के मामले में नेपाल पुलिस ने कई भारतीय एजेंटों को गिरफ्तार किया है।

नेपाल पुलिस की केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीआईबी) ने सोने की तस्करी के मामले में भारतीय एजेंटों को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी कोर्ट में दी है। हांगकांग से मोटरसाईकिल के ब्रेक शू में रख कर विमान से काठमांडू लाया गया था। बाद में पुलिस ने सूचना के आधार पर कई ठिकानों पर छापा मारकर एक क्विंटल सोना बरामद किया था। उस समय पुलिस ने बताया था कि बरामद किए गए सोने को नेपाल के रास्ते भारत में भेजने की तैयारी थी।

सीआईबी ने विशेष अदालत में इस मामले में जो पूरक चार्जशीट जमा की है, उसके मुताबिक भारत से तस्करी के सोने को लेने के लिए नेपाल आए भारतीय एजेंटों को गिरफ्तार कर सीआईबी कस्टडी में रखे जाने की जानकारी दी गई है। चार्जशीट में दी गई जानकारी के मुताबिक गिरफ्तार होने वाले में महाराष्ट्र जलगांव के 32 वर्षीय प्रशांत गणेश बजवलकर, महाराष्ट्र मुम्बई के अशोक गायकवाड, धीरज निदेश बैटे, कोलकाता के श्रीधर मजूमदार और अविनेश अग्रवाल शामिल हैं। सीआईबी ने पिछले दिनों कुछ नेपाली नागरिकों को भी गिरफ्तार करने की जानकारी दी है। चार्जशीट के मुताबिक काभ्रे के कान्छा मान लामा, बीरगंज के सुरेन्द्रमान श्रेष्ठ, धादिंग के प्रेमनाथ सेढाई, उदयपुर की उषा खत्री निरौला और तिब्बती नागरिक गंगा टासी है।

हूती विद्रोहियों ने संयुक्त राष्ट्र के नौ कर्मियों को बंदी बनाया

एजेंसी
दुबई। संयुक्त राष्ट्र के यमन में तैनात नौ कर्मियों समेत कई लोगों को हूती विद्रोहियों ने बंदी बना लिया है। बंदी बनाए गए सभी कर्मी यमन मूल के हैं। हूती विद्रोहियों ने संयुक्त राष्ट्र कर्मियों को किन परिस्थितियों में बंदी बनाया गया, उन्हें कहां रखा गया है, यह अभी स्पष्ट नहीं है। यमन के बड़े इलाके पर कब्जा किए हूती विद्रोही गाजा में इजराइली हमले के विरोध में बीते सात महीनों से लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों पर हमले कर रहे हैं।

अमेरिकी नौसेना के नेतृत्व वाला गठबंधन भी इन हमलों को रोक पाने में सफल नहीं हो पाया है लेकिन इस दौरान अमेरिका और ब्रिटेन के लड़ाकू विमानों ने यमन में हूती के कब्जे वाले इलाकों पर लगातार हमले किए हैं, उसके ठिकानों पर प्रहार किया। माना जा रहा है कि इस कारण आर्थिक तंगी महसूस कर रहे हूती ने संयुक्त राष्ट्र कर्मियों पर हमला कर दबाव बनाने की कोशिश की है।

इससे कुछ दिनों पहले ही हूती के कथित न्यायालय ने सऊदी अरब समर्थक 44 लोगों को मौत की सजा सुनाई थी। संयुक्त राष्ट्र के जो कर्मी बंदी बनाए गए हैं, उनमें मानवाधिकार परिषद, विकास कार्यक्रम और खाद्य कार्यक्रम से जुड़े थे। एक विशेष दूत को भी बंदी बनाया गया है। बंदियों में एक महिला भी शामिल है लेकिन संयुक्त राष्ट्र की तरफ से इस घटनाक्रम पर कोई बयान सामने नहीं आया है। हूती ने अपने कब्जे वाले चार प्रांतों-अमरान, होदेदा, सादा और सना में तैनात कर्मियों को बंदी बनाया है।

इजराइल ने हमास की कैद से छुड़ाए चार बंधक, अमेरिकी खुफिया डेटा ने मुक्त कराने में की मदद

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका के खुफिया डेटा ने इजराइल को गाजा पट्टी में बंधक बनाकर रखे गए चार लोगों का पता लगाने एवं उन्हें बचाने में मदद की है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से यह जानकारी दी है। इज़रायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने शनिवार को गत सात अक्टूबर को नोवा संगीत समारोह से अपहरण किए गए चार बंधकों को बचाया।

आईडीएफ ने कहा कि बंधकों के स्वास्थ्य की स्थिति अच्छी है और उन्हें आगे की चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। रिपोर्ट में शनिवार को एक इजरायली अधिकारी का हवाला देते हुए कहा गया है कि इसके अलावा अमेरिका और ब्रिटेन के विशेषज्ञों की टीमें इजरायल को हवाई और साइबरस्पेस से खुफिया जानकारी प्रदान करती हैं।

उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर 2023 को हमास ने इज़रायल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रॉकेट हमला किया और सीमा का उल्लंघन किया एवं उसके सैन्य ठिकानों पर हमला किया। हमले के दौरान इज़रायल में लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 240 अन्य का अपहरण कर लिया गया।

इज़रायल ने जवाबी हमले शुरू किए एवं गाजा की पूर्ण नाकाबंदी का आदेश दिया और हमास लड़ाकों को खत्म करने और बंधकों को बचाने के घोषित लक्ष्य के साथ फिलिस्तीनी इलाके में जमीनी घुसपैठ शुरू कर दी। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार

गाजा पट्टी में इजरायली हमलों में अब तक 36,500 से अधिक लोग मारे गए हैं। माना जाता है कि गाजा में अभी भी कुल 120 बंधक हमास के पास हैं और उनमें से लगभग एक तिहाई की मौत हो चुकी है।

पाकिस्तान में सिंध प्रांत के मुख्यमंत्री के सलाहकार का बेटा निकला डकैतों को हथियारों की आपूर्ति करने वाले गिरोह का सहयोगी

एजेंसी
इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह के वन और वन्यजीव सलाहकार बबल खान भयो के पुत्र के खिलाफ पुलिस जांच में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। इसमें दावा किया गया है कि बबल खान का बेटा अल्ताफ भयो कच्चा क्षेत्र (नदी क्षेत्र) में डकैतों को हथियारों की आपूर्ति करने वाले संदिग्धों के संपर्क में था। पाकिस्तान के समाचार चैनल एआरवाई न्यूज के इस खुलासे से सिंध की राजनीति में हलचल मच गई है। एआरवाई न्यूज ने उपलब्ध पुलिस की जेआईटी रिपोर्ट के आधार पर यह खबर प्रसारित की है। रिपोर्ट के अनुसार, यह संदिग्ध गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पुलिस ने कहा है कि अल्ताफ भयो ने संदिग्धों को खरीदने के लिए संदिग्धों को 400000 रुपये मुहैया कराए थे।

अपने पिता के सुरक्षा प्रोटोकॉल की मोबाइल वैन उपलब्ध कराई थी। साथ ही बबल खान के एक अन्य रिश्तेदार महबूब भयो ने हथियार रिपोर्ट में कहा गया है कि इश्तियाक लशारी कच्चा क्षेत्र के डकैतों को हथियारों की तस्करी करने वाले गिरोह का प्रमुख सदस्य है।

उल्लेखनीय है कि सिंध पुलिस ने कच्चा क्षेत्र के डकैतों को हथियारों की आपूर्ति के प्रयास को विफल कर दिया और 19 अप्रैल को शिकारपुर में कथित रूप से अपराध में शामिल तीन पुलिसकर्मियों सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया। इसके बाद सिंध के पुलिस महानिरीक्षक गुलाम नबी मेमन ने उप महानिरीक्षक लरकाना की अध्यक्षता में जांच के लिए एक जेआईटी का गठन किया था।

पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि गिरफ्तार किए गए संदिग्धों के कब्जे से हजारों गोलियां और दो कलाश्निकोव बरामद किए गए। प्रवक्ता ने दावा किया कि मुख्यमंत्री के वन और वन्यजीव सलाहकार की सुरक्षा में तैनात पुलिस मोबाइल में हथियारों की खेप बलूचिस्तान से शिकारपुर पहुंचाई जा रही थी

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

लेबनान में इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह के दो सदस्यों सहित चार लोगों की मौत

एजेंसी
बेरूत। दक्षिणी लेबनान के गांवों पर इजरायली हवाई हमलों में हिजबुल्लाह के दो सदस्यों सहित चार लोग मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। लेबनान के सैन्य सूत्रों यह जानकारी दी है। सूत्रों ने कहा कि एक इजरायली युद्धक विमान ने हौला गांव में एक घर को निशाना बनाया, जिसमें हिजबुल्लाह के दो सदस्य मारे गए और तीन नागरिक घायल हो गए। सूत्रों ने बताया कि एक अन्य इजरायली हवाई हमले में हवा से सतह पर मार करने वाली दो मिसाइलों के साथ एतारौन गांव के एक वाणिज्यिक बाजार को निशाना बनाया गया जिसमें दो नागरिकों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। मारे गए नागरिकों की पहचान कॉफी शॉप के मालिक अली खलील हमद और मुस्तफा इस्सा नाम के एक युवक के रूप में की गई। इस बीच हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने इजरायल के हमले का जवाब कब्जे वाले शेबा फार्म और मलिकियाह, अल-समाका, ज़ारिट और अल-राहेब सहित कई इजरायली स्थानों पर कई हमलों के साथ दिया। हिजबुल्लाह और इजरायली सेना के बीच तनाव तब बढ़ गया जब इजरायल ने उसके खिलाफ एक बड़े हमले के लिए अपनी सेना तैनाती करने की घोषणा की। यह घोषणा बुधवार को कब्जे वाले सीरियाई गोलान हाइट्स में अल-कोश बस्ती के दक्षिण में एक इजरायली सभा पर हिजबुल्लाह द्वारा ड्रोन हमले के बाद की गई।

उल्लेखनीय है कि हमास के साथ एकजुटता दिखाने के लिए हिजबुल्लाह द्वारा इजरायल की ओर लॉन्च किए गए रॉकेटों की बौछार के बाद आठ अक्टूबर 2023 से लेबनान-इजरायल सीमा पर दोनों पक्षों के बीच टकराव बढ़ गया। इसके बाद इजरायल ने जवाबी कार्रवाई करते हुए दक्षिणपूर्वी लेबनान की ओर भारी तोपखाने से गोलीबारी शुरू कर दी।

बाइडन की नई प्रतिबंध नीति लाई रंग, अमेरिका-मैक्सिको सीमा पर प्रवासियों की संख्या में आई कमी

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका प्रशासन ने अमेरिका-मैक्सिको सीमा पर शरण मांगने वाले प्रवासियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस बीच, अमेरिका-मैक्सिको सीमा को गलत तरीके से पार करते हुए पकड़े गए प्रवासियों की संख्या में कमी दर्ज की गई। एक वरिष्ठ अमेरिकी सीमा अधिकारी ने कहा कि यह इस बात का संकेत है कि बाइडन प्रशासन के नए प्रतिबंध कारगार साबित हो रहे हैं। करीब 3,100 लोग गिरफ्तार अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि अमेरिकी सीमा गश्ती ने अवैध रूप से सीमा पार करने वाले करीब 3,100 लोगों को गिरफ्तार किया, जो पहले के दिनों से लगभग 20 फीसदी कम है। उन्होंने आगे कहा कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि अब ऐसी ही स्थिति बनी रहेगी। हालांकि, हमें लगता है कि शुरुआत में ऐसे आंकड़े आना सफलता का संकेत है।

संविधान की रक्षा के लिए आगे भी इंडिया समूह के साथ मिलकर करेंगे काम : संजय सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए आगे भी इंडिया समूह के साथ मिलकर काम करेंगे। श्री सिंह ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से उनके आवास पर मुलाक़ात की और उत्तर प्रदेश में इंडिया समूह को मिली ऐतिहासिक जीत के लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए आगे भी इंडिया समूह के साथ मिलकर काम करेंगे। लोकसभा चुनाव में 'आप' ने उत्तर प्रदेश में इंडिया समूह को बिना शर्त समर्थन दिया था और सपा-कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार किया था। उन्होंने कहा कि गठबंधन के घटक दलों के संयुक्त मेहनत का नतीजा रहा है कि लोकसभा चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश से करारी हार मिली है।

देश के उत्तर पश्चिम इलाके में लू का ताजा दौर के आसार

नई दिल्ली। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि सोमवार से उत्तर पश्चिम भारत में लू का एक नया दौर शुरू होने के आसार हैं।आईएमडी के अनुसार 8-12 जून तक पूर्वोत्तर मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार, गंगीय पश्चिम बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में लू चलने की संभावना है। जबकि 9-12 जून के दौरान ओडिशा, पंजाब, हरियाणा, 10-12 जून के दौरान जम्मू, कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद व हिमाचल प्रदेश में लू की स्थिति रहेगी।

दिल्ली सरकार जल संकट पर बुलाये विधान सभा का विशेष सत्रः भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली में जल संकट गहराता जा रहा है। इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश दिल्ली सरकार पर लगातार हमलावर है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने जल मंत्री आतिशी को आड़े हाथों लेते हुए दिल्ली के जल संकट के लिए हरियाणा सरकार पर झूठे दोषारोपण की निंदा की है।उन्होंने कहा कि यह समझ से परे है कि आतिशी कब तक झूठ बोल कर दिल्ली वालों को जल समस्या पर गुमराह करेंगी। हर बात के लिए विशेष सत्र बुलाने वाली सरकार को जलसंकट पर भी विशेष सत्र बुलाना चाहिए। सचदेवा ने कहा कि दिल्ली की जल समस्या जल शुद्धिकरण की कमी से नहीं बल्कि वजीराबाद, सोनिया विहार, ओखला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के जल स्टोरेज तालाबों में भरी गाद से जल बर्बादी, सप्लाई के दौरान जल चोरी एवं लीकेज से है। दिल्ली में पेय जल का 53 प्रतिशत चोरी या लीकेज से बर्बाद होता है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने मांग की है कि जल मंत्री आतिशी अविलंब जल संकट पर सर्वदलीय बैठक बुलाएं। दिल्ली में विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए।

वेलकम में पुलिस मुठभेड़ के बाद बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के वेलकम इलाके में पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। बदमाश के पैर में पुलिस की ओर से चलाई गई गोली लगी है। उत्तर पूर्वी जिले के डीसीपी डॉक्टर जॉय टीर्की ने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि यह मुठभेड़ झील वाला पार्क के निकट आज अपराह्न 12:30 बजे के आसपास हुई थी। गिरफ्तार किए गए बदमाश की पहचान इमरान उर्फ काला के रूप में हुई है। यह पहले से सात आपराधिक मामलों में शामिल है। जिसमें हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, झपटमारी इत्यादि शामिल हैं। आरोपित के पास से पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। यह दो सप्ताह पहले हत्या के मामले में जमानत पर बाहर आया था। वह हथियार लेकर झील वाला पार्क के पास अपने दूसरे साथियों से मिलने के लिए जा रहा था। पुलिस टीम को सूचना मिली तो पुलिस ने वहां ट्रैप लगाया। इसने समर्पण करने की बजाय पुलिस टीम पर लगातार दो राउंड गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई और घायल करके उसे वहीं पर पकड़ लिया। उसके बाद तुरंत इसको नजदीक के जग प्रवेश हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

दिल्ली में चार क्लस्टर डिपो के बस चालकों और संवाहकों की हड़ताल

नई दिल्ली। दिल्ली के चार क्लस्टर बस डिपों में कर्मचारियों की हड़ताल से कई रूटों पर बस सेवा ठप हो गई है। डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन के महामंत्री मनोज शर्मा ने बताया कि परिवहन विभाग के कलस्टर के 7 डिपो बंद होने जा रहे हैं। उनके कर्मचारियों को 19 जून से नौकरी से विरत कर दिया जाएगा। इसके विरोध मे कर्मचारी आंदोलन पर उतर आये हैं।मनोज का कहना है कि अगर इसे रोका नहीं गया तो यूनियन के लोग विशाल प्रदर्शन करेंगे। सरकार के विरोध में यूनियन के सभी लोग सीमापुरी दिलशाद गार्डन डिपो के गेट पर एकत्रित हुए और प्रदर्शन किया। दिल्ली में डीटीसी की क्लस्टर बसों के संचालन की मॉनीटरिंग करने वाली कंपनी दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी-मॉडल ट्रांजिट सिस्टम (डिम्ट्स) ने 350 कर्मचारियों का अनुबंध खत्म कर दिया है।

चुनाव में जनता ने विभाजनकारी, सत्तावादी राजनीति को ठुकराया : सोनिया-खडगे

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में सर्वसम्मति से दोबारा कांग्रेस संसदीय दल का नेता बनी सोनिया गांधी तथा पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि 2024 की लोकसभा चुनाव में जनता ने विभाजनकारी और सत्तावादी ताकतों को नकारा है और इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नैतिक हार हुई है।

कांग्रेस संसदीय दल की नये सीपीपी नेता के चुनाव के लिए आज शाम यहां संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में नव निर्वाचित लोकसभा सदस्यों तथा राज्यसभा सांसदों की बैठक में श्रीमती गांधी को दोबारा सर्वसम्मति से तथा निर्विरोध संसदीय दल का नेता चुना गया। पार्टी ने संसदीय दल के नेता का चुनाव करने के लिए संसदीय दल की बैठक बुलाई थी। लगातार दूसरी बार कांग्रेस संसदीय दल-सीपीपी नेता चुनी गई श्रीमती गांधी अब लोकसभा में कांग्रेस के नेताओं को नामित करेंगी।

श्रीमती गांधी ने संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस का इस चुनाव में

पुनरुद्धार हुआ है लेकिन उसके सामने चुनौतियां भी उतनी ही बढ़ गई है। उनका कहना था कि पार्टी ने लोकतंत्र की रक्षा की है और उसके लिए लड़ते रही है इसलिए अब उसकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा ÷इस चुनाव में लोगों ने विभाजनकारी और सत्तावाद की राजनीति को खारिज करने के लिए निर्णायक रूप से मतदान किया है।

इस चुनाव में राहुल गांधी की भूमिका की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा भारत जोड़ो यात्रा से पार्टी का नैतिक बल बड़ा है और देश की जनता से सीधा संपर्क हुआ है जिसका बड़ा लाभ उसे इस आम चुनाव में मिला है। पार्टी को खत्म करने का पूरा प्रयास हुआ। यहां तक कि कांग्रेस को आर्थिक रूप से भी कमजोर करने का काम हुआ लेकिन कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने निडर होकर इन सब चुनौतियों का मुकाबला किया और उसी का परिणाम है कि पार्टी आज फिर मजबूती के साथ खड़ी हुई है। उन्होंने कहा राहुल को मैं विशेष रूप से धन्यवाद देती हूं। वह इसके पात्र भी है। उन्होंने मुद्दों की राजनीति करते हुए कांग्रेस के सिद्धांतों की लड़ाई शिद्दत के साथ और अभूतपूर्व तरीके से लड़ी। उन्होंने कांग्रेस की गारंटी और संविधान बचाने की मुहिम को मज़बूती के साथ जनता तक पहुंचाने का काम किया है।

श्रीमती गांधी ने कहा कि इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हार हुई है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री ने अपनी पार्टी और उसके सहयोगियों, दोनों को नज़रअंदाज़ कर केवल अपने नाम पर जनता से जनादेश मांगा। लोगों ने उनके आग्रह को ठुकराया है और उन्हें राजनीतिक तथा नैतिक हार का सामना करना पड़ा है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने नव निर्वाचित सांसदों का स्वागत करते हुए उन्हे बधाई दी और कहा ÷सभी नव-निर्वाचित सांसदों को जीत की बधाई देता हूं। आप सभी ने इन विपरीत हालात में चुनाव लड़ा और जीते। सत्तापक्ष ने कांग्रेस के खाते बंद कर दिये, कई नेताओं को सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग कर परेशान किया गया। ऐसे में चुनकर आने के लिए विशेष बधाई।

दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं मिला तो और गंभीर हो जायेगी पानी की समस्या : आतिशी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की जलमंत्री आतिशी ने कहा कि हरियाणा से अगर सही मात्रा में दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं मिला तो शहर में अगले कुछ दिनों में पानी की समस्या और भी गंभीर हो जाएगी। दिल्ली के लोगों को परेशान करने के लिए हरियाणा सरकार घटिया राजनीति करना बंद करे और दिल्ली को उसके हिस्से का पानी दे।

जलमंत्री ने कहा कि एक तरफ़ वज़ीराबाद में पानी का स्तर लगातार घट रहा है तो वही दूसरी तरफ़ मुनक नहर के ज़रिए आने वाले पानी की मात्रा भी हरियाणा सरकार द्वारा लगातार कम की जा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ है जब मुनक नहर से दिल्ली में 1000 क्यूसेक से कम पानी आया हो लेकिन कल ये मात्रा मात्र 840 क्यूसेक रह गई। हरियाणा पर्याप्त मात्रा में मुनक नहर में पानी नहीं छोड़ा जा रहा है।

आएगी। हरियाणा से अगर सही मात्रा में दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं मिला तो शहर में अगले कुछ दिनों में पानी की समस्या और भी गंभीर हो जाएगी। दिल्ली के लोगों को परेशान करने के लिए हरियाणा सरकार घटिया राजनीति करना बंद करे और दिल्ली को उसके हिस्से का पानी दे।

जलमंत्री ने कहा कि एक तरफ़ वज़ीराबाद में पानी का स्तर लगातार घट रहा है तो वही दूसरी तरफ़ मुनक नहर के ज़रिए आने वाले पानी की मात्रा भी हरियाणा सरकार द्वारा लगातार कम की जा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ है जब मुनक नहर से दिल्ली में 1000 क्यूसेक से कम पानी आया हो लेकिन कल ये मात्रा मात्र 840 क्यूसेक रह गई। हरियाणा पर्याप्त मात्रा में मुनक नहर में पानी नहीं छोड़ा जा रहा है।

सोनिया गांधी सर्वसम्मति से दोबारा चुनी गईं कांग्रेस संसदीय दल की नेता

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को सर्वसम्मति से कांग्रेस संसदीय दल का नेता चुना गया है। कांग्रेस संसदीय दल की शनिवार शाम को यहां संसद के केंद्रीय कक्ष में आयोजित नव निर्वाचित सांसदों तथा राज्यसभा सदस्यों की बैठक में श्रीमती गांधी को दोबारा निर्विरोध संसदीय दल का नेता चुना गया है। श्रीमती गांधी लोकसभा में कांग्रेस के नेताओं को नामित करेंगी। पार्टी ने संसदीय दल के नेता का चुनाव करने के लिए आज संसदीय दल की बैठक बुलाई थी। श्रीमती गांधी ने संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस का इस चुनाव में पुनरुद्धार हुआ है लेकिन उसके सामने चुनौतियां भी उतनी ही बढ़ गई हैं। उनका कहना था कि पार्टी ने लोकतंत्र की रक्षा की है और उसके लिए लड़ते रही है इसलिए अब उसकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि 'भारत जोड़ो

यात्रा' से पार्टी का नैतिक बल बड़ा है और देश की जनता से सीधा संपर्क हुआ है जिसका बड़ा लाभ उसे इस आम चुनाव में मिला है। उनका कहना था कि पार्टी को खत्म करने का पूरा प्रयास हुआ। यहां तक कि कांग्रेस को आर्थिक रूप से भी कमजोर करने का काम हुआ लेकिन कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने निडर होकर इसका मुकाबला किया तथा खुशी का परिणाम है कि पार्टी आज फिर मजबूती के साथ खड़ी हुई है।

नीट परीक्षा में घोटाले के लिए भाजपा की केंद्र सरकार जिम्मेदार : आप

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने नीट 2024 परीक्षा में सामने आए घोटाला के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए उच्चतम न्यायालय से इसकी जांच कराने की माँग की है। आप की वरिष्ठ नेता जस्मीन शाह ने कहा कि नीट परीक्षा के पेपर लीक होने और परिणाम में पाई गई अनियमितताएं देश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। 'आप' सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में एसआईटी से इस घोटाले की जांच कराने और दोषियों को सख्त सजा देने की मांग करती है।

उन्होंने कहा कि चौंकाने वाली बात ये है कि बिहार, गुजरात और हरियाणा समेत भाजपा व राजग शासित राज्यों में ही गड़बड़ी सामने आई है। नीट परीक्षा में पहली बार एक साथ 67 छात्रों ने टॉप किया है और सबको 720 में से 720 नंबर मिले, जबकि अभी तक दो-तीन छात्र ही टॉपर हुआ करते थे। भाजपा की केंद्र सरकार प्रतियोगी परीक्षाओं को कमजोर कर देश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं के भविष्य के साथ इतना बड़ा खिलवाड़ इससे पहले कभी नहीं हुआ। नीट परीक्षा में केवल गड़बड़ियां ही नहीं है, बल्कि एक बहुत बड़ा घोटाला हुआ है। नीट में अमूमन हर साल दो या तीन टॉपर घोषित होते थे लेकिन इस साल 67 टॉपर्स घोषित हुए हैं, जिन्हें 720 में से 720 अंक मिले हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह इतिहास रहा है कि इन्होंने लगातार प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्था को

कमजोर करने का काम किया है। गौर करने वाली बात ये भी है कि ये सारी अनियमितताएं भाजपा शासित राज्यों से ही निकल कर आ रही हैं। नीट के पेपर लीक की पहली घटना भी बिहार के पटना से निकल कर आती है जहां राजग की सरकार है। दूसरी घटना गुजरात से सामने आई जहां भाजपा की सरकार है।

वोटों के लिए महिलाओं को चूना लगा राजनीतिक नटवरलाल बने राहुल गाँधी : राजीव रंजन

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रमुख घटक दल जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कांग्रेस सांसद राहुल गाँधी पर महिलाओं के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए आज कहा है कि लोकसभा चुनाव को राहुल के झूठ और कांग्रेसियों की धोखेबाजी के लिए याद रखा जाएगा।

श्री रंजन ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि जिस तरह से कांग्रेस और राहुल ने भोली-भाली महिलाओं को 8500 रुपये प्रति महिना देने का लालच देकर उनके वोट ठगे हैं, यह दिखाता है कि वह अब पूर्ण रूप से राजनीतिक नटवरलाल बन चुके हैं। उन्हें अब न

तो सीना ठोक कर झूठे वादे करने में हिचकिचाहट होती है और न ही जनता को धोखा देने में। अपने फायदे के लिए यह लोग कुछ भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ठगी में फंसी महिलाएं रोजाना कांग्रेस दफ्तरों के चक्कर काट रही हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही। महिलाओं का कहना है कि उन्हें चुनाव के समय कांग्रेस की ओर से गारंटी कार्ड दी गई थी और 5 जून से खाते में 8500 रुपये प्रति महीने आने का वादा किया गया था। इसी वजह से पैसे न आने पर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बेंगलुरु में कई जगहों पर महिलाओं का जमावड़ा कांग्रेस दफ्तरों पर लगा जहां उन्हें इस धोखे के बारे में पता चला। कांग्रेस द्वारा झूठ बोलकर महिलाओं का वोट लूटने का यह कारनामा यह दर्शाता है कि उनके मन में जनता के लिए कोई मान-सम्मान नहीं बचा है।

सवाल पूछते हुए जदयू प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि आखिर वादा करके महिलाओं को पैसा क्यों नहीं दे रहे। वह बताएं कि इस तरह की शर्मनाक धोखाधड़ी को किसके इशारे पर अंजाम दिया गया।

उन्हें बताना चाहिए कि अपने ही देशवासियों से ऐसी चालबाजी करने वालों पर जनता को क्यों विश्वास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वास्तव में घोटाला, भ्रष्टाचार और धोखेबाजी कांग्रेस की नस-नस में बसा है। जनता को झांसा देकर ही इन्होंने इतने वर्षों तक राज किया और अब वादा घोटाला करके यह सत्ता में आना चाह रहे हैं।

शराब का सेवन 'बायपोलर डिसऑर्डर' से ग्रसित लोगों के मिज़ाज में बदलाव ला सकता है : अध्ययन

एजेंसी

नई दिल्ली। शराब का सेवन 'बायपोलर डिसऑर्डर' से ग्रसित लोगों के मिज़ाज को अस्थिर और कार्यस्थल पर उनकी क्षमता को प्रभावित कर सकता है। एक नये अध्ययन में यह पाया गया है। इस विकार से ग्रसित व्यक्ति के मिज़ाज, ऊर्जा और गतिविधि में असामान्य बदलाव देखने को मिलते हैं। साथ ही, उनमें कभी-कभी भ्रम की स्थिति भी पाई जाती है। शोधार्थियों ने अपने अध्ययन में इस विकार से ग्रसित वयस्कों की मनोदशा और काम करने के तौर तरीके पर शराब के सेवन के दीर्घकालिक प्रभाव को समझने की कोशिश की। इनमें अमेरिका के मिशिगन विश्वविद्यालय के शोधार्थी भी शामिल थे। ये निष्कर्ष 'द जर्नल ऑफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (जेएएमए) नेटवर्क ओपन' में प्रकाशित हुए हैं। अध्ययन में, शोधार्थियों ने इस विकार से पीड़ित 584 वयस्कों को शामिल किया। शोध में शामिल लोगों की शराब की लत का आकलन 'अल्कोहल यूज़ डिसऑर्डर आईडेंटिफिकेशन टेस्ट' के जरिए किया गया। इसके तहत, ऐसे लोगों की जांच के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा मंजूरी प्राप्त प्रश्नावली होती है जिन्हें शराब का सेवन करने से परेशानी होती है या नुकसान होता है। शोधार्थियों ने पाया कि सामान्य मात्रा से अधिक शराब पीने से व्यक्ति अवसादग्रस्त हो जाता है और मिज़ाज एवं भावनाओं में बदलाव आता है। साथ ही, उनका कामकाज भी प्रभावित होता है।

नीट परीक्षा विवाद- कृपांक पाने वाले विद्यार्थियों के परिणामों की पुन: जांच करेगी चार सदस्यीय समिति

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) के परीक्षा परिणाम को लेकर उठ रहे सवालों के बीच चार सदस्यीय समिति गठन है और यह समिति एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट मंत्रालय को सौंपेगी।

इस मुद्दे पर यहां राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव के. संजय मूर्ति, एनटीए के महानिदेशक सुबोध सिंह और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू उपस्थित थे। इस मौके पर श्री सिंह ने कहा, ÷ नीट-यूजी' में कृपांक पाने वाले 1,500 से अधिक अभ्यर्थियों के परिणामों की पुन- जांच करने के लिये शिक्षा मंत्रालय ने चार सदस्यीय समिति गठित की है। यह समिति एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट शिक्षा मंत्रालय को सौंपेगी।

उन्होंने बताया कि इस समिति के अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष होंगे, लेकिन उन्होंने अध्यक्ष के नाम का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा कि नीट के जिन अभ्यर्थियों को कृपांक दिये गये हैं, उनके परिणाम संशोधित किए जा सकते हैं और इससे प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित नहीं होगी।उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर हमारी समिति

की बैठक हुई और परीक्षा केंद्रों के सीसीटीवी फुटेज के विवरणों पर गौर किया। इस दौरान कुछ केंद्रों पर समय बर्बाद हुआ और छात्रों को इसकी भरपाई की जानी चाहिये। उन्होंने कहा कि समिति ने सोचा कि वे शिकायतों का समाधान कर सकते हैं और विद्यार्थियों को मुआवजा दे सकते हैं, तो कुछ छात्रों के अंक बढ़ा दिये गये, जिसको येलेकर कुछ छात्रों ने आपत्तियां जतायी हैं। उन्होंने बताया कि कुछ उम्मीदवारों को 718 और 719 अंक मिले और छह छात्र टॉपर बन गए। हमने सभी चीजों का सावधानीपूर्वक विश्लेषण किया और परिणाम जारी किये।एनटीए महानिदेशक ने बताया कि नीट-यूजी की परीक्षा देशभर में 4750 केंद्रों पर आयोजित की गयी, जिसमें से छह केंद्रों में समस्या आयी थी। उन्होंने बताया कि इन केंद्रों में एक केंद्र हरियाणा, एक केंद्र चंडीगढ़, दो केंद्र छत्तीसगढ़, एक गुजरात और एक केंद्र मेघायलय का है।उन्होंने बताया की नीट-यूजी में करीब 24 लाख छात्र शामिल हुये थे, लेकिन सिर्फ 1600 छात्रों को ही इस समस्या का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा की शुचिता से समझौता नहीं किया गया और किसी भी विद्यार्थी को मुसीबतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस दौरान उन्होंने कोई पेपर लीक होने सूचना को खारिज कर दिया और कहा कि कोई पेपर लीक नहीं हुआ था।

आम आदमी पार्टी के सभी पार्षदों की बैठक हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के नतीजों और भविष्य की रणनीति को लेकर आम आदमी पार्टी के सभी पार्षदों की बैठक हुई। चुनाव के बाद यह पहली बैठक है, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव के परिणामों को लेकर समीक्षा की।

एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने बैठक को लेकर कहा कि आम आदमी पार्टी ने अपने संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने का निर्णय लिया है। साथ ही पार्टी दिल्ली की जनता के साथ मिलकर संविधान और लोकतंत्र की लड़ाई जारी रखेगी।

पाठक ने बैठक में हुई चर्चा की जानकारी साझा करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद दिल्ली के सभी पार्षदों के साथ पहली बैठक है। बैठक में लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा हुई। देश की जनता ने जिस तरह का जनादेश दिया है। आज हर तरफ इस बात की चर्चा है कि दिल्ली के साथ पिछले 10 साल से भाजपा लगातार अन्याय कर रही है। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री को जेल में डाल दिया। सांसद संजय सिंह को भी जेल में डाल दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा दिल्ली के अधिकारों के साथ लगातार खेल खेला जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद अध्यादेश लाकर चुनी हुई सरकार के अधिकार पूरी तरह से खत्म कर दी गई। हम आशा करते हैं कि भाजपा को एक बार फिर सबक मिलेगा और इस जनादेश से सबक सीख कर दिल्ली के लोगों के अधिकार वापस देंगे।

बैठक में वार्ड स्तर पर चुनाव को लेकर आई रिपोर्ट पर भी चर्चा की गई। बैठक में तय हुआ कि पार्टी के संगठन में जमीन स्तर पर और मजबूती की जरूरत है। इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संगठन डॉ संदीप पाठक, दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय, एमसीडी की मेयर डॉ शैली ओबेरॉय, एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक समेत अन्य वरिष्ठ नेता, एमसीडी सदन के नेता, सभी उपाध्यक्ष और पार्षद मौजूद रहे।

सरिता विहार फ्लाईओवर की 15 जून से शुरू होगी मरम्मत, दो महीने तक रास्ता रहेगा बंद

एजेंसी

नई दिल्ली। सरिता विहार फ्लाईओवर पर होने वाले मरम्मत कार्य के चलते यह फ्लाईओवर 15 जून से दो महीने तक बंद रहेगा। इस मरम्मत कार्य को चार फेस में पूरा किया जाएगा। हर फेस में फ्लाईओवर के केवल आधे हिस्से को 15-15 दिनों के लिए बंद किया जाएगा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने कुछ नियम और शर्तों के साथ पीडब्ल्यूडी को इसके लिए एनओसी जारी कर दी है। इसके साथ ही ट्रैफिक पुलिस ने यह भी साफ किया की मरम्मत कार्य चार चरणों में किया जाएगा। इसके चलते एक समय पर पूरा फ्लाईओवर बंद नहीं होगा। केवल एक दिशा में फ्लाईओवर की आधी लेन बंद होंगी जबकि आधी लेन पर गाड़ियां चलती रहेंगी।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अनुसार मथुरा रोड से रोजाना लाखों गाड़ियां दिल्ली फरीदाबाद के बीच का सफर तय करती है। व्यस्त समय पर यहां पर गाड़ियों की संख्या का दबाव भी काफी ज्यादा रहता है। ऐसे में पीडब्ल्यूडी द्वारा सरिता विहार फ्लाईओवर की मरम्मत का काम 15 जून से शुरू किया जाएगा। पहले यह कार्य एक जून में से शुरू होना था लेकिन लोकसभा चुनाव के चलते से टाल दिया गया था। ट्रैफिक पुलिस ने

आगामी 15 जून से इस कार्य के लिए अपनी तरफ से मंजूरी दे दी है। बताया गया है कि आश्रम से फरीदाबाद जाने की दिशा में पहले चरण में मरम्मत का कार्य होगा जबकि दूसरे चरण में इस दिशा के बचे हुए आधे फ्लाई ओवर की मरम्मत होगी। तीसरे और चौथे चरण में फरीदाबाद से आश्रम की दिशा यानी आश्रम की तरफ मरम्मत कर किया जाएगा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अनुसार इन इलाकों में यातायात प्रभावित होने की आशंका है। सरिता विहार, बदरपुर, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, कालिंदी कुंज, ओखला फरीदाबाद आदि जगह आने जाने वाले लोगों को परेशानी हो सकती है। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों को सलाह दी है कि वह कुछ दिन इस ओर जाने वाले रास्तों से बच सकते हैं। इसके साथ ही बताया गया कि आश्रम चौक से बदरपुर से फरीदाबाद जाने वाले सरिता विहार स्लिप रोड से रोड संख्या 13 ए रोड का इस्तेमाल कर आगे से यू टर्न लेकर मथुरा रोड के रास्ते जा सकेंगे और नोएडा की तरफ जाने वाले वाहन चालक डीएनडी फ्लाईओवर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

एबीवीपी की जेएनयू इकाई करेगी भाषा संगम 2.0 का आयोजन, छात्र सिखाएंगे 22 भाषाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) इकाई द्वारा भाषा संगम 2.0 का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का ध्येय है भाषा अनेक, भाव एक, जो अंतरराष्ट्रीय और भारतीय भाषाओं के विविधता और एकता को समर्पित है। भाषा संगम 2.0 के अंतर्गत 22 भाषाएं सिखाई जाएंगी, जिनमें संस्कृत,तमिल और असमी समेत 9 भारतीय और जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश समेत 13 विदेशी भाषाएं हैं। इसमें देश के 80 सुप्रसिद्ध शिक्षक और जानकार अपनी विशेषज्ञता प्रदान करेंगे, जिससे प्रतिभागियों को वैश्विक भाषा कौशल में भी महारत हासिल हो सके। यह कार्यशाला किसी भी उम्र के छात्र/छात्राओं और लोगों के लिए खुली है। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों को कार्यशाला के प्रमाणपत्र से पुरस्कृत किया जाएगा, जिससे उनके भाषा ज्ञान को औपचारिक मान्यता मिलेगी।

एबीवीपी जेएनयू के अध्यक्ष राजेश्वर कांत दूबे ने कहा, भाषा संगम अपने-आप में एक अनूठी पहल है, जो पूर्ण रूप से विद्यार्थियों द्वारा चलाया जाता है, इस पहल से कई सारे छात्र जुड़ते हैं और नई भाषा सीख कर अपने कौशल का विकास करते हैं। भाषा संगम में जेएनयू के स्कूल ऑफ़ लैंग्वेज के छात्रों का विशेष योगदान होता है, जिसके लिए मैं अध्यक्ष होने के नाते उनका आभार व्यक्त करता हूं। एबीवीपी जेएनयू की इकाई मंत्री शिखा स्वराज ने कहा, भाषा संगम से देश और विदेश के अनेक छात्र/छात्राएं हमसे जुड़ते हैं। इससे पूर्व हुए भाषा संगम में हमने हजारों छात्र/छात्राओं को कई भाषाएं सिखाई और आज वो कई विख्यात कंपनियों में कार्यरत हैं। इस कार्यशाला में केवल भाषा का नहीं अपितु आचार, विचार और व्यवहार का भी आदान प्रदान होता है।

सीएम के ओएसडी अभिमन्यु का इस्तीफा मंजूर

एजेंसी

चंडीगढ। हरियाणा सरकार ने मुख्यमंत्री नायब सैनी के ओएसडी अभिमन्यु यादव का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। अभिमन्यु ने कुछ दिन पहले ही इस्तीफा दिया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया। अभिमन्यु के कोसली विधानसभा हलके से चुनाव लड़ने की चर्चा है। अभिमन्यु यादव वर्ष 2014 में मनोहर लाल के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही उनके निजी सचिव के पद पर तैनात हुए थे। करीब साढ़े नौ साल तक मनोहर लाल के साथ रहने के बाद 12 मार्च को जब नायब सैनी प्रदेश के मुख्यमंत्री बने तो अभिमन्यु को उनके ओएसडी के रूप में तैनाती मिली। इस पद पर रहते हुए भी अभिमन्यु ने करनाल लोकसभा चुनाव में अपनी सेवाएं दीं। अब अभिमन्यु कोसली से विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं, जिसके चलते उन्होंने इस पद से हाल ही में इस्तीफा दिया था।

प्रवासी मजदूर ने ईंट भट्ठे पर फांसी लगाकर जान दी

हिसार। निकटवर्ती गांव मंगाली के पास ईंट भट्टे पर काम करने वाले एक मजदूर ने फांसी लगाकर जीवनलीला समाप्त कर ली। लगभग 32 वर्षीय प्रवासी मजदूर ने अपनी झोंपडी में ही फांसी लगाई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतक का नाम किसुन चंद्र है। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बांदा का रहने वाला था। वह शादीशुदा था, उसके दो लड़के व एक लड़की है। मृतक के परिजन श्रीपाल ने बताया कि किसुन चंद्र अपने परिवार के साथ आठ महीने पहले मंगाली स्थित ईंट भट्ठे पर काम करने के लिए आया था। सुबह भट्ठे पर ईंट बना रहा था, इस दौरान वह अपनी झोपड़ी में चला गया। कुछ देर बाद उसकी पत्नी सुमति पति को देखने के लिए जब झोंपड़ी में गई तो किसुन चंद्र ने झोपड़ी में पाइप से खाट की रस्सी से फांसी लगाई हुई थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लिस ने कंटेनर में ठूंस ठूंस कर भरी गई भेड़ों को छुड़ाया

हिसार। हांसी सदर पुलिस ने कंटेनर में ठूंस ठूंस कर भरी गई 70 भेड़ों को मुक्त कराया है। पुलिस ने इस संदर्भ में कैंटर चालक सहित तीन लोगों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। मुख्य सिपाही प्रदीप कुमार ने शनिवार बताया कि वह क्राइम जांच पड़ताल के लिए लालपुरा गांव में मौजूद था। इस दौरान सूचना मिली कि रामायण टोल प्लाजा पर टोल कर्मचारियों ने पशुओं भरी एक गाड़ी रुकवा रखी है। सूचना के बाद मौके पर पहुंच टोल प्लाजा कर्मियों द्वारा रुकवाई गई कंटेनर को चैक किया तो उसमें 70 भेड़े ठूंस ठूंस कर भरी हुई थी। प्रदीप ने बताया कि जब कंटेनर में भरी भेड़ों को कंटेनर से निकाल कर गौशाला भिजवाया गया। पुलिस ने कंटेनर चालक सिरसा जिले के गांव खाई शेरगढ़ निवासी रामनिवास व परिचालक सिरसा जिले के गांव दौलतपुर खेड़ा निवासी सुनील, सिरसा जिले के गोदिका गांव निवासी भंवर राम व गाडी में पीछे बैठे फतेहाबाद जिले के भूना निवासी गुलाब व फतेहाबाद निवासी महेंद्र, रणजीत, ईश्वर व शेर सिंह से पूछताछ की। पूछताछ में वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। इसके बाद सभी आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर हिरासत में लेकर कोर्ट में पेश किया गया।

कारों के दो शोरूमों से चोरों ने तीन लाख 47 हजार रूपये चुराए

यमुनानगर। कारों के अलग-अलग दो शोरूमों में घुसे चोर लगभग तीन लाख 47 हजार रुपये की चोरी कर फरार हो गए। दोनों ही शोरूमों में लगे सीसीटीवी कैमरे में दो चोरों की तस्वीर कैद हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। सेक्टर 17 निवासी कुनाल गोयल महेंद्रा मोटर्स शोरूम के मैनेजर ने बताया कि वह शुक्रवार की रात को शोरूम बंद कर घर चले गए थे। बाहर सिक्योरिटी गार्ड तैनात रहता है। शनिवार सुबह वह जब पहुंचे तो शोरूम व केबिन में सामान उथल पुथल पड़ा था। केबिन से तीन लाख 43 हजार रुपये गायब थे। जब सीसीटीवी देखा तो उसमें दो चोर नजर आ रहे हैं। सिक्योरिटी गार्ड से भी इस बारे में पूछा, लेकिन वह कुछ नहीं बता सका,जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने जांच की तो सामने आया कि पीछे के रास्ते से दीवार फांदकर चोर शोरूम के अंदर घुसे हैं।

झील में डूबने से हुई युवक की मौत

फरीदाबाद। फरीदाबाद की बडखल झील में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। वह अपने ऑफिस दिल्ली पटेल नगर के लिए निकला था। रास्ते में मेट्रो स्टेशन पर किसी परिचित को छोड़ना था। शाम को परिजनों के पास उसके झील में डूबने की खबर पहुंची। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। परिजन हत्या का संदेह जता रहे हैं। पुलिस चौकी इंचार्ज विनोद ने बताया कि मृतक की पहचान फरीदाबाद के फतेहपुर बिल्लौच के रहने वाले गुंजन के तौर पर हुई है। वह पिछले कई सालों से बल्लभगढ़ में रह रहा था। वह कल घर से अपने ऑफिस दिल्ली पटेल नगर के लिए निकला था और रास्ते में उसने मेट्रो स्टेशन पर अपने किसी परिचित को छोड़ना था। लेकिन देर शाम को लगभग 5 बजे बडखल झील से एक फोन गुंजन के परिजनों के पास आया।

हरियाणा के लोगों को 12 दिन और झेलनी पड़ेगी हीट वेव

वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण दो दिन प्रदेश में हुई बूंदाबांदी और चली आंधी

एजेंसी

कैथल। हरियाणा के लोगों को अभी 12 दिन और गर्म हवाओं को झेलना होगा। मौसम विभाग के अनुसार 20 जून से पहले हरियाणा में बारिश आने का कोई असर नहीं है। इसके बाद ही लोगों को गर्मी और धूप से राहत मिल पाएगी। इससे पहले भी मौसम विभाग ने 9 जून को एक बार भीषण गर्मी का अलर्ट जारी किया था।

पिछले 2 दिन वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने की वजह से कई जिलों में आंधी और बूंदाबांदी देखने को मिली। इसकी वजह से गर्मी से थोड़ी राहत मिली। कई जिलों के अधिकतम तापमान में गिरावट देखी आई। अब तक अधिकतम 11 डिग्री

सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के हीटवेव बुलेटिन के मुताबिक 24 घंटे के दौरान फरीदाबाद सबसे गर्म रहा। यहां का अधिकतम तापमान 44.1 डिग्री दर्ज किया गया। कैथल में अधिकतम तापमान 42 डिग्री और न्यूनतम 29 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। जो रविवार को बढ़ाकर 43 डिग्री हो सकता है।

हरियाणा से मानसून 2हजार किलोमीटर दूर

हिसार कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ मदन खीचड़ का कहना है कि हरियाणा से मानसून अभी 2 हजार किलोमीटर दूर है। अभी वह कर्नाटक के आसपास है। इस बार उसकी स्पीड काफी अच्छी है। फिर भी प्रदेश में मानसून 28 जून से जुलाई के पहले सप्ताह में कभी भी दस्तक दे सकता है। उससे पहले प्री-मानसून की बारिश होगी। उन्होंने संभावना जताई कि 20 जून के करीब मौसम में जबरदस्त बदलाव देखने को मिल सकता है।

प्री मानसून के कारण मौसम में बदलाव

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा में मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। फिलहाल पूर्वी पाकिस्तान, उत्तरी राजस्थान व दक्षिणी पंजाब पर एक कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है, जिसके कारण बादलों का निर्माण हो रहा है। इसके कारण हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, करनाल, यमुनानगर, सोनीपत, जींद, पानीपत, कैथल, कुरुक्षेत्र, अंबाला व पंचकूला में कहीं-कहीं तेज हवा व गरज चमक के साथ बूंदाबांदी या हल्की बारिश हो सकती है।

बाल मजदूरी करवाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी : गणेश

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा बाल संरक्षण आयोग के सदस्य गणेश ने बाल संरक्षण से जुड़े सभी एनजीओ के पदाधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक में जिले में बाल मजदूरी को रोकने के लिए सभी संभव प्रयासों की बात की गई। गणेश ने कहा कि बाल मजदूरी करवाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।बाल संरक्षण के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रहे एनजीओ की सराहना करते हुए उन्होंने आश्वस्त किया कि ये संस्थाएं आगे भी इसी तरह कार्य करती रहेंगी। बैठक में उन्होंने लोगों को आह्वान किया कि अगर कहीं भी बाल मजदूरी का मामला सामने आता है, तो तुरंत लेबर कमिश्नर या जिला बाल संरक्षण अधिकारी को सूचित किया जाए।

गणेश ने बाल विवाह संबंधित केसों के लिए सख्ती से कार्रवाई का आदेश दिया और चाइल्ड फ्रेंडली व्हाट्सएप ग्रुप बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों के माता-पिता के लिए आर्थिक सहायता के लिए भी प्राथमिकता दी। महिला एवं बाल विकास विभाग की पीओ प्रवीण कुमारी, जिला बाल संरक्षण अधिकारी रितु गिल व कार्यालय के स्टॉफ के अलावा बाल संरक्षण के लिए कार्य कर रहे एनजीओ के पदाधिकारी मौजूद रहे।

हिम्मत सिंह बने एचएसएससी के चेयरमैन, मुख्यमंत्री ने दिलाई शपथ

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने हरियाणा निवास में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में हिम्मत सिंह को हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) के नये चेयरमैन के पद की शपथ दिलवाई। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में हिम्मत सिंह ने निष्ठा, पद एवं गोपनीयता की शपथ ली और कहा कि वे आयोग की गरिमा को बनाए रखते हुए यह सुनिश्चित करेंगे कि सरकारी नौकरियों में पारदर्शी और योग्यता के आधार पर चयन हो और यही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। हिम्मत सिंह एचएसएससी के चेयरमैन नियुक्त होने से पहले हरियाणा महा अधिवक्ता कार्यालय में अतिरिक्त महा अधिवक्ता के रूप में कार्यरत थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने हिम्मत सिंह को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि वे अपनी नई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे और राज्य के युवाओं की आकांक्षाओं पर खरा उतरेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े नौ वर्ष के कार्यकाल में युवाओं ने वर्तमान राज्य सरकार की पारदर्शी एवं योग्यता आधारित भर्ती प्रक्रिया तथा अन्य कल्याणकारी नीतियों के प्रति पूर्ण विश्वास व्यक्त किया है। सरकार ने

यहां युवाओं को बिना खर्ची-पर्ची के नौकरियां दी हैं।

बैठक में मुख्य सचिव टी.वी.एस.एन. प्रसाद, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ए.के. सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी. उमाशंकर, पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर, मानव संसाधन विभाग के प्रधान सचिव डी. सुरेश, हरियाणा विद्युत उत्पादन निगम के प्रबंध निदेशक मोहम्मद शाइन, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक मंदीप सिंह बराड़, परिवहन विभाग के प्रधान सचिव नवदीप सिंह विर्क, हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) के अध्यक्ष आलोक वर्मा, एचएसएससी के पूर्व चेयरमैन भोपाल सिंह खदरी सहित राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

सीएम नायब सैनी होंगे गुरुग्राम जिला परिवेदना समिति के अध्यक्ष

हरियाणा सरकार ने नए सिरे से मंत्रियों को अलाट किए जिले

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी एनसीआर में जनसमस्याओं के निवारण का जिम्मा संभालेंगे। उन्हें गुरुग्राम जिले का जिला लोक संपर्क एवं परिवाद समिति का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। आठ मंत्रियों को दो-दो जिलों का जिम्मा सौंपा गया है।

मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से सभी 14 मंत्रियों को जिला लोकसंपर्क एवं परिवाद समिति के बतौर चेयरमैन जिले अलाट कर दिए गए हैं। इस बार कई मंत्रियों में बदलाव किया गया है। मनोहर सरकार और नायब सरकार में पुराने मंत्रियों के जिलों में भी फेरबदल किया गया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी गुरुग्राम के चेयरमैन होंगे जबकि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल फरीदाबाद के चेयरमैन थे।

कृषि मंत्री कंवरपाल गुर्जर मनोहर सरकार के कार्यकाल के दौरान पानीपत जिले के चेयरमैन थे, अब उन्हें पानीपत के अलावा पंचकूला का जिम्मा सौंपा गया है। इसके साथ ही उद्योग मंत्री मूलचंद शर्मा के पास पहले सोनीपत जिला था, अब उनकी पावर बढ़ाई गई है और उन्हें नूंह व चरखी-दादरी का चेयरमैन बनाया गया है। ऊर्जा मंत्री रणजीत चौटाला के पास पहले की तरह महेंद्रगढ़ जिला यथावत है। इसके साथ ही उन्हें सोनीपत कीअतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। वित्त मंत्री जयप्रकाश दलाल के पास पहले गुरुग्राम और हिसार जिले थे, अब उन्हें रोहतक और फरीदाबाद का चेयरमैन बनाया गया है। पीडब्ल्यूडी और जनस्वास्थ्य मंत्री बनवारी लाल पुराने जिले पलवल के चेयरमैन रहेंगे, साथ ही उन्हें हिसार का भी जिम्मा सौंपा गया है।

स्वास्थ्य मंत्री कमल गुप्ता पहले करनाल व कुरुक्षेत्र के चेयरमैन थे, अब उन्हें कैथल व फतेहाबाद जिले का चेयरमैन बनाया गया है। शिक्षा राज्यमंत्री सीमा त्रिखा को जींद, परिवहन राज्यमंत्री असीम गोयल को यमुनानगर व कुरुक्षेत्र, सिंचाई राज्यमंत्री अभय यादव को झज्जर, शहरी निकाय राज्यमंत्री सुभाष सुधा को करनाल व अंबाला, सामाजिक न्याय राज्यमंत्री बिशंभर वाल्मीकि को सिरसा और खेल राज्यमंत्री संजय सिंह को भिवानी जिले का जिला लोक संपर्क एवं परिवाद समिति का चेयरमैन नियुक्त किया गया है।

पेड़ से टकराई कार, ट्रांसपोर्टर समेत दो की मौत, छह जख्मी

एजेंसी

फरीदाबाद। सोहना रोड पर गांव घुघेरा के समीप कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई, जिससे वृन्दावन से दर्शन कर घर लौट रहे कार सवार ट्रांसपोर्टर और उसकी एक वर्षीय धेवती की मौत हो गई। हादसे में कार सवार छह सवारियां भी गंभीर रूप से घायल हो गईं। गदपुरी थाना पुलिस ने मामले में शवों के पोस्टमार्टम करवाकर स्वजन को सौंप दिए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार सोहना के रहने वाले ट्रांसपोर्टर बुद्धन अपने परिवार के साथ वृन्दावन दर्शन के लिए गए थे। उनके साथ उनकी पुत्री रिंकी, रिंकी की पुत्री वीरा, उनके भाई कृष्ण की पुत्री चंचल, मोनू, पुत्र निखिल, पुत्री अंजलि, अंजलि की एक वर्षीय पुत्री लव्या भी मौजूद थी। कार को खुद बुद्धन चला रहे थे। वृन्दावन से शनिवार सुबह वापसी में गांव घुघेरा के समीप सोहना रोड पर कार अचानक अनियंत्रित हो गई और पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार सभी सवारियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद सडक़ पर चीख पुकार मच गए। आनन-फानन में राहगीरों और ग्रामीणों ने सभी घायलों को कार से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने बुद्धन और लव्या को मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। घायलों का उपचार शहर के निजी अस्पतालों में चल रहा है। इसके बाद पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर मृतकों और घायलों के स्वजन को सूचित किया और शवों का पोस्टमार्टम कराया गया।

पानी की निकासी का उचित प्रबंधन करने के लिए जिम्मेदारी सौंपी है : निगमायुक्त

एजेंसी

सोनीपत। बरसाती सीजन को देखते हुए नगर निगम क्षेत्र में नालों की सफाई करने और बरसात के पानी की उचित निकासी के प्रबंधन के लिए विभिन्न अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। सोनीपत के नगर निगम आयुक्त विश्राम मीणा ने बताया कि शनि मंदिर के नजदीक व गीता भवन चौक क्षेत्र में सहायक अभियंता सुरेश कुमार, कनिष्ठ अभियंता सचिन व सफाई निरीक्षक कृष्ण की ड्यूटी लगाई गई है।

निगमायुक्त ने बताया कि सूरी पैट्रोल पंप वाली गली, गोहाना रोड़ स्थित चंद्र गार्डन व ककरोई चौंक क्षेत्र में सहायक अभियंता नरेन्द्र कुमार, कनिष्ठ अभियंता परविन्द्र व सफाई निरीक्षक जोगिन्द्र की ड्यूटी रहेगी। अग्रसेन चौक, सेक्टर-14 व 15 क्षेत्र में सहायक अभियंता देवेन्द्र, कनिष्ठ अभियंता विकास व सफाई निरीक्षक कृष्ण की ड्यूटी लगाई गई है। इसी प्रकार गांव लिवान व राई क्षेत्र में सहायक अभियंता मंजीत दहिया, कनिष्ठ अभियंता रामकरण व मुख्य सफाई निरीक्षक सुन्दर तथा गांव राठधना व आईटीआई चौंक क्षेत्र में सहायक अभियंता देवेन्द्र, कनिष्ठ अभियंता अमित व मुख्य सफाई निरीक्षक सुन्दर की ड्यूटी रहेगी। गांव देवडू, देवडू रोड़ तथा चावला कॉलोनी क्षेत्र में सहायक अभियंता देवेन्द्र, कनिष्ठ अभियंता सचिन तथा सफाई निरीक्षक कृष्ण की ड्यूटी लगाई गई है। निगमायुक्त ने बताया कि नगर निगम के सभी सफाई निरीक्षकों को निर्देश दिए गए है कि वे 15 जून तक अपने क्षेत्र से संबंधित नालों की सफाई कर उसका प्रमाण पत्र जमा करवाएं और प्रत्येक सप्ताह सभी नालों की समयबद्ध सफाई करवाना सुनिश्चित करें।

ऑडिट का उद्देश्य शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों की गुणवत्ता को बढ़ाना : डॉ. रमेश आर्य

एजेंसी

हिसार। यहां के राजकीय महिला महाविद्यालय में उच्चत्तर शिक्षा निदेशालय के निर्देशानुसार गठित अंकन टीम की ओर से शैक्षणिक व प्रशासनिक लेखा प्रशिक्षण किया गया। ऑडिट कमेटी की अध्यक्षता गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय से डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रोफेसर एनके बिश्नोई ने की। प्रशासनिक विशेषज्ञ एवं प्राचार्य दयानंद महाविद्यालय डॉ. विक्रमजीत, सेवानिवृत्त प्राचार्य पीएस रोहिल्ला, पूर्व छात्र संघ से मीनू कालीरामण व कुमारी राधिका कमेटी के सदस्य के रूप में उपस्थित रहे।

प्राचार्य डॉ. रमेश आर्य की अध्यक्षता में व आई क्यू एससी कॉर्डीनेटर डॉ. हर्षा के निरीक्षण में आई क्यू एससी सदस्य सेल की ओर से महाविद्यालय की वार्षिक शैक्षणिक व प्रशासनिक ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। टीम ने महाविद्यालय के समस्त प्रशासनिक गतिविधियों और शैक्षणिक गतिविधियों से संबंधित रिकॉर्ड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर डॉ? एनके बिश्नोई व समस्त कमेटी ने लाइब्रेरी, भौतिकी लैब, कंप्यूटर लैब, महिला प्रकोष्ठ तथा अन्य प्रकोष्ठों का निरीक्षण किया। टीम ने आईक्यूएसी द्वारा की जा रही सूचीबद्ध कार्यप्रणाली का विशेष रूप से उल्लेख किया।

प्राचार्य डॉ. रमेश आर्य ने बताया कि ऑडिट टीम का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक व प्रशासनिक कार्यों की

गुणवत्ता को बढ़ाना है। प्रोफेसर एनके बिश्नोई ने कहा कि प्राध्यापकों को तकनीक की जानकारी होनी चाहिए और शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए नए-नए कौशलों को शामिल करना चाहिए। टीम के सदस्यों ने सुझाव दिया कि महाविद्यालय को अपनी प्राथमिकता में रिसर्च और पीएचडी के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करना चाहिए तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति आधारित प्रौद्योगिकी को शिक्षा में सम्मिलित किया जाए तथा वर्तमान कार्य प्रणाली में किस प्रकार सुधार किया जा सकता है, उससे संबंधित सुझाव दिए।महाविद्यालय की मीडिया प्रभारी प्रो. वसुंधरा ने बताया कि कमेटी ने महाविद्यालय के शैक्षणिक सदस्यों के साथ छायाचित्र करवाया तथा महाविद्यालय की वार्षिक उपलब्धियां के लिए प्राचार्य तथा आई क्यू एससी सदस्य कोऑर्डिनेटर की सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली की प्रशंसा की। इस अवसर पर महाविद्यालय काउंसिल सदस्य उप-प्राचार्या डॉ. एलिजा कुंडू, डॉ. नीलम दहिया तथा महाविद्यालय के सभी शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक सदस्य उपस्थित रहे।

झज्जर के विपुल कुमार सोलंकी बने सेना में लेफ्टिनेंट

एजेंसी

झज्जर। विपुल कुमार ने ऑफिसर अकादमी गया से अपनी ट्रेनिंग पूरी कर सेना में लेफ्टिनेंट बन क्षेत्र का नाम रोशन किया है। गांव उनके पिता अशोक सोलंकी और माँ सुनीता देवी विशेष रूप से गया में ऑफिसर अकादमी पहुंचे। उन्होंने अपने युवा होनहार बेटे विपुल कुमार की ड्रेस पर भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट

अच्छेज निवासी विपुल कुमार ने अपनी पूरी पढ़ाई बहादुरगढ़ शहर के बाल भारती स्कूल से पूरी की। फिलहाल उनका परिवार बहादुरगढ़ के एचएल सिटी में रह रहा है। विपुल कुमार के पिता अशोक सोलंकी दिल्ली पुलिस में सेवारत हैं और उनकी माँ सुनीता देवी अध्यापिका रही हैं। विपुल कुमार के चाचा प्रमोद सोलंकी फिलहाल भारतीय वायु सेना में बतौर विंग कमांडर सेवारत हैं। सेना की उच्च परंपरा के अनुसार विपुल की मिलिट्री ट्रेनिंग पूरी होने पर आयोजित होने वाली पासिंग आउट परेड में रैंक के स्टार लगाकर आशीर्वाद दिया। उल्लेखनीय है कि विपुल कुमार के मामा रोहित जून भी भारतीय सेना में मेजर हैं। विपुल कुमार को सेना में भर्ती होकर देश सेवा की प्रेरणा अपने चाचा विंग कमांडर प्रमोद सोंलकी और अपने मामा मेजर रोहित जून से मिली। आर्मी में लेफ्टिनेंट बनने पर उनके दादा महेंद्र सोलंकी, सरपंच राजेंद्र सोलंकी, चाचा अजय सोंलकी, प्रमोद सहवाग, जोगिंद्र सहवाग भाई यशु सहित सभी ने लेफ्टिनेंट विपुल कुमार को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

एयरपोर्ट पर 10 हजार फीट लंबा रनवे तैयार, 20 को आएंगे मुख्यमंत्री

नागरिक उड्डयन मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने किया एयरपोर्ट की व्यवस्थाओं का निरीक्षण

एजेंसी

हिसार। राज्य के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 20 जून को विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करने के लिए हिसार एयरपोर्ट पर आएंगे। मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों के मद्देनजर स्वास्थ्य व उड्डयन मंत्री एवं हिसार के विधायक डॉ. कमल गुप्ता ने एयरपोर्ट की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

डॉ. कमल गुप्ता ने बताया कि आगामी 20 जून को विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हिसार एयरपोर्ट पर आ रहे हैं। हिसार एयरपोर्ट से जुड़े जिन प्रोजेक्ट का कार्य पूरा हो चुका है, उन कार्यों का मुख्यमंत्री उद्घाटन करेंगे। हरियाणा एयरपोर्ट डेवलपमेंट कारपोरेशन (एचएडीसी) चेयरमैन का कार्यालय एटीसी टावर की

बिल्डिंग में बनकर तैयार हो गया है। प्रदेश के नागरिक उड्डयन मंत्री डॉ. कमल गुप्ता इस कॉर्पोरेशन के चेयरमैन हैं। महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट पर रनवे, कैट आई, एटीसी, जीएससी एरिया, पीटीटी, लिंक टैक्सी, एप्रेन, फ्यूल रूम, बेसिक स्पिट पैरामीटर रोड और बरसाती ड्रोन बनाने का कार्य लगभग पूरा हो गया है। हवाई जहाजों के ट्रैफिक कंट्रोल के लिए बनी एटीसी टावर की बिल्डिंग का निरीक्षण भी उड्डयन मंत्री द्वारा किया गया। उपायुक्त प्रदीप दहिया द्वारा सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को कार्य निर्धारित अवधि में पुरा करने संबंधित आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर हांसी विधायक विनोद भयाना, भाजपा के प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पुनिया सहित अन्य संबंधित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।फिर 17000 वोटों से कैसे हार गए इसका जवाब तलाशना पड़ेगा। हमारे कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के साथ मिलकर सभी सीटों पर जमकर मेहनत की, जिसकी वजह से कांग्रेस 5 सीटों पर जीती।

भाजपा राज में पेपर लीक, भ्रष्टाचार बनते जा रहे हैं परीक्षाओं के अंग : कुमारी सैलजा

एजेंसी

सिरसा। सिरसा से कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा राज में पेपर लीक, धांधली और भ्रष्टाचार परीक्षाओं के अंग बनते जा रहे हैं, नीट के परिणाम से भाजपा सरकार की एक और असफलता उजागर हुई है। जारी बयान में उन्होंने कहा कि भाजपा की मोदी सरकार देश के युवाओं को धोखा देकर उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। कुमारी सैजला ने कहा कि एक ही सेंटर के 7 परीक्षार्थियों ने 720-720 अंक प्राप्त करना ही परीक्षा परिणाम पर उंगली उठाता है। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में उच्च स्तरीय जांच कमेटी का गठन कर इस मामले की निष्पक्ष जांच शुरू करवाई जाए ताकि मेधावी-प्रतिभावान युवाओं को न्याय मिल सके। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि भाजपा राज में पेपर लीक, धांधली और भ्रष्टाचार परीक्षाओं के अंग बनकर रह गए है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के नतीजे में हुए धांधली के आरोपों को देखते हुए इसकी तत्काल सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। पार्टी ने नीट परीक्षा का पेपर लीक होने की शिकायतों की अनदेखी करने पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि भाजपा की मोदी सरकार देश के युवाओं को धोखा देकर उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने सरकार ही नहीं परीक्षा का आयोजन करने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को पेपर लीक और नतीजों में गड़बड़ी को लेकर आड़े हाथों लेते हुए यह आशंका भी जताई है कि कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए आम परिवारों के बच्चों को धोखा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभ्यार्थियों के लिए भर्ती परीक्षाओं में भाग लेना, फिर अनेक अनियमितताओं से जूझना, पेपर लीक के चक्रव्यूह में फसना, उनके भविष्य से खिलवाड़ है। भाजपा ने देश के युवाओं को ठगा है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में जारी गिरावट के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.23 प्रतिशत गिरकर 75.38 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 0.69 प्रतिशत की गिरावट लेकर 79.47 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

पीजीआई इंडिया और सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स ने 'प्लेटिनम इवारा नोवा कलेक्शन' किया लॉंच

नई दिल्ली । प्लेटिनम गिल्ड इंटरनेशनल (पीजीआई) इंडिया ने सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स के साथ मिलकर भारतीय महिलाओं को समर्पित, प्लेटिनम इवारा नोवा कलेक्शन पेश किया है। कंपनी ने यहां कहा कि अपनी आठ दशक से ज्यादा पुरानी विरासत के साथ, सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स इंडिया अपनी उच्च गुणवत्ता की ज्वेलरी के लिए मशहूर है, जो बेहतरीन कारीगरी, असाधारण डिज़ाईन, और कालातीत सौंदर्य का प्रतिनिधित्व करती है। रचनात्मकता और कलात्मकता पर जोर देते हुए इस नए प्लेटिनम ज्वेलरी कलेक्शन में स्टेटमेंट ज्वेलरी की विशाल श्रृंखला है, जो विभिन्न अवसरों पर अनेक तरह के परिधानों के साथ पहनी जा सकती है।

जीएसटीएन ने तंबाकू निर्माताओं के लिए कच्चे माल, तैयार माल का ब्यौरा देने वाला फार्म किया जारी

नई दिल्ली। जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) ने कर चोरी रोकने के लिए पान मसाला और तंबाकू उत्पादों के निर्माताओं के लिए एक नया फार्म जारी किया है। इस फार्म के जरिए निर्माता कच्चे माल और तैयार माल का ब्यौरा कर अधिकारियों को देंगे। यह नया फॉर्म जीएसटी एसआरएम-2 है।जीएसटीएन ने इससे पहले ऐसे निर्माताओं की मशीनों के पंजीकरण के लिए जीएसटी एसआरएम-1 फॉर्म जारी किया था। जीएसटीएन ने सात जून को अपने करदाताओं को सूचित किया, 'फॉर्म जीएसटी एसआरएम-2 नामक दूसरा फॉर्म भी पोर्टल पर उपलब्ध है।पान मसाला और तंबाकू उत्पादों के निर्माण में शामिल करदाता अब संबंधित महीने के लिए खरीदे गए और खपत किए गए कच्चे माल और तैयार माल का विवरण बता सकते हैं।' मूर सिंघी के कार्यकारी निदेशक रजत मोहन ने कहा कि नए फॉर्म जीएसटी एसआरएम-2 में कच्चे माल और तैयार माल का विस्तृत मासिक विवरण देना होगा। उन्होंने कहा कि इस फॉर्म का उद्देश्य पान मसाला और तम्बाकू उत्पादों की विनिर्माण प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना है।

हिमाचल मत्स्य विभाग ने केंद्रीय मीठाजल जलकृषि अनुसंधान के साथ समझौता किया

बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश मत्स्य विभाग ने केंद्रीय मीठाजल जलकृषि अनुसंधान, भुवनेश्वर के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत राज्य के किसानों को मछली आहार तकनीक और जयंती रोहू तथा उन्नत कतला प्रजाति के बीज उपलब्ध कराए जाएंगे। एमओयू के तहत, सीफोम ब्रूड मछली आहार तकनीक, जयंती रोहू और मछली की उन्नत कतला प्रजाति के बीज केंद्रीय मीठाजल जलकृषि अनुसंधान द्वारा हिमाचल प्रदेश मत्स्य विभाग को उपलब्ध कराए जाएंगे। मत्स्य विशेषज्ञों ने कहा कि अमूर कार्प, जयंती रोहू और उन्नत कतला प्रजातियों जैसी उन्नत मछली किस्मों की वृद्धि दर पारंपरिक प्रजातियों की तुलना में 15 से 20 प्रतिशत अधिक है और इन प्रजातियों का पालन करके अधिक आय हासिल की जा सकती है। मत्स्य विभाग के निदेशक विवेक चंदेल ने कहा कि विभाग किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस समझौता ज्ञापन का लाभ निकट भविष्य में दिखाई देगा और किसानों की आर्थिक स्थिति में निश्चित रूप से सुधार होगा।

सरसों और मूंगफली तेल महंगा; दालों में मिलाजुला रुख, चावल चढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में गिरावट आने के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग निकलने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में सरसों तेल और मूंगफली तेल में तेजी रही जबकि उठाव सुस्त रहने से दालों में मिलाजुला रुख रहा वहीं चावल के भाव चढ़ गए।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा सप्ताहांत पर 127 रिंगिट गिरकर 3943 रिंगिट प्रति टन रह गया। इसी तरह जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 2.16 सेंट की गिरावट के साथ 43.95 सेंट प्रति पौंड बोला गया। सप्ताहांत पर सरसों तेल 73 रुपये और मूंगफली तेल 146 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया। वहीं, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले कारोबारी सप्ताह के स्तर पर टिके रहे। सप्ताहांत पर सरसों तेल 13003 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 19413 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 12088 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 12234 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 9000 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 11233 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

4.84 अरब डॉलर बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा विदेशी मुद्रा भंडार

एजेंसी

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में बढ़ोतरी होने से 31 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.84 अरब डॉलर बढ़कर अबतक के रिकॉर्ड 651.5 अरब डॉलर हो गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.03 अरब डॉलर गिरकर 646.7 अरब डॉलर पर रहा था।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 31 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 5.1 अरब डॉलर की जबरदस्त बढ़त के साथ 572.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 21.2 करोड़ डॉलर घटकर 56.5 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 1.7 करोड़ डॉलर की कमी हुई और यह घटकर 18.12 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि 10 लाख डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 4.33 अरब डॉलर हो गया।

मोदी सरकार में सुधार नीतियां जारी रहने की उम्मीद में चढ़ेगा बाजार

एजेंसी

मुंबई । देश में नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दर को लगातार आठवीं बार स्थिर रखने से हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह साढ़े तीन प्रतिशत से अधिक उछलकर ऊंचाई का नया रिकॉर्ड बना चुके घरेलू शेयर बाजार मोदी सरकार 3.0 में भी पहले से चल रही बाजार समर्थित नीतियों की निरंतरता कायम रहने की उम्मीद में अगले सप्ताह भी गुलजार रहेगा।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 2732.05 अंक अर्थात 3.7 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर पहली बार 76693.36 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 759.45 अंक यानी 3.4 प्रतिशत उछलकर 23290.15 अंक के सार्वकालिक उच्चतम स्तर पर रहा समीक्षाधीन सप्ताह में निवेशकों ने बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयर में भी जमकर निवेश किया। इससे मिडकैप 1258.75 अंक अर्थात 2.9 प्रतिशत मजबूत होकर सप्ताहांत पर 44111.44 अंक और स्मॉलकैप 1467.89 अंक यानी 3.1 प्रतिशत चढ़कर 48731.55 अंक हो गया।

विश्लेषकों के अनुसार, लोकसभा चुनाव की 04 जून मंगलवार को हुई मतगणना के दौरान सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के रुझानों से निराश निवेशकों की भारी बिकवाली से शेयर बाजार में भूचाल आ गया और सेंसेक्स एक दिन में 4390 अंक और निफ्टी 1380 अंक टूट गया। लेकिन, सहयोगी दलों के समर्थन से केंद्र में लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनना तय होने के बाद अगले तीन दिनों में सेंसेक्स ने 4614 और निफ्टी ने 1406 अंक की रिकवरी की और दोनों सूचकांक नये शिखर पर पहुंच गये।

बाजार पर अगले सप्ताह आरबीआई के ब्याज दरों को यथावत रखने से दर-संवेदनशील समूहों में लिवाली जारी रह सकती है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्र में एक फिर राजग की सरकार बनने से बाजार समर्थित नीतियों के आगे भी जारी रहने का सेंसेक्स और निफ्टी पर असर देखा जा सकेगा।

इनके अलावा वैश्विक घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमत, डॉलर सूचकांक और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के निवेश प्रवाह का भी बाजार पर असर रहेगा। हालांकि वित्त वर्ष 2024-25 की शुरूआत से अबतक एफपीआई बाजार में लगातार बिकवाल बने हुए हैं। एफपीआई ने चालू वित्त वर्ष के अप्रैल में बाजार से 35,692.19 करोड़, मई में 42,214.28 करोड़ और जून में अबतक 13,718.42 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। आरबीआई ने भी अपनी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में इस तथ्य की पुष्टि करते हुए बताया है कि चालू वित्त वर्ष की शुरूआत से 05 जून तक एफपीआई ने घरेलू बाजार में पांच अरब डॉलर की बिकवाली की है।

बीते सप्ताह बाजार में मंगलवार की भारी गिरावट को छोड़कर चार दिन जबरदस्त तेजी रही। भारतीय अर्थव्यवस्था के दुनिया में सबसे तेज 8.2 प्रतिशत की गति से वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ने और आम चुनाव में श्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में मोदी 3.0 सरकार बनने के चुनाव बाद सर्वेक्षणों के रुझान से उत्साहित निवेशकों की लिवाली के बल पर सोमवार को सेंसेक्स 76468.78 अंक और निफ्टी भी पहली बार 23263.90 अंक पर रहा। लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा को मतगणना के दौरान स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के रुझानों से निराश निवेशकों की बिकवाली से मंगलवार को सेंसेक्स 4389.73 अंक टूटकर 72079.05 अंक और निफ्टी 1379.40 अंक उतरकर 21884.50 अंक पर रह गया।

शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में आठ का बाजार मूल्यांकन 3.28 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह 10 सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनियों में आठ ने अपने बाजार मूल्यांकन में कुल मिलाकर 3.28 लाख करोड़ रुपये जोड़े। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सर्वाधिक लाभ हुआ। उतार-चढ़ाव से भरे सप्ताह में बीएसई सेंसेक्स 2,732.05 अंक या 3.69 प्रतिशत उछल गया। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) और आईटीसी को लाभ हुआ। इन कंपनियों ने अपने बाजार मूल्यांकन में कुल 3,28,116.58 करोड़ रुपये जोड़े। शीर्ष 10 कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार मूल्यांकन में गिरावट हुई। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 80,828.08 करोड़ रुपये बढ़कर 14,08,485.29 करोड़ रुपये हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने 58,258.11 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका बाजार मूल्यांकन 6,05,407.43 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 54,024.35 करोड़ रुपये बढ़कर 19,88,741.47 करोड़ रुपये और इंफोसिस का मूल्यांकन 52,770.59 करोड़ रुपये बढ़कर 6,36,630.87 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 32,241.67 करोड़ रुपये बढ़कर 11,96,325.52 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का मूल्यांकन 32,080.61 करोड़ रुपये बढ़कर 8,10,416.01 करोड़ रुपये हो गया। दूसरी ओर एलआईसी का मूल्यांकन 12,080.75 करोड़ रुपये घटकर 6,28,451.77 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 178.5 करोड़ रुपये घटकर 7,40,653.54 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

ब्रिटेन में निवेश करने में भारत से महाराष्ट्र, कर्नाटक और दिल्ली शीर्ष पर

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रिटेन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) करने वाले भारत के शीर्ष तीन राज्य- महाराष्ट्र, उसके बाद कर्नाटक और दिल्ली हैं। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग द्वारा तैयार की गई एक नई संयुक्त रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इस सप्ताह लंदन में पेश की गई रिपोर्ट से पता चला कि महाराष्ट्र में मुख्यालय वाली कंपनियों ने 2023 में ब्रिटेन में सबसे अधिक 20 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश किया। इसके बाद कर्नाटक (12 प्रतिशत) और दिल्ली (8.6 प्रतिशत) का स्थान है।

शीर्ष 10 राज्यों में गुजरात (7.1 प्रतिशत), तमिलनाडु (6.7 प्रतिशत), तेलंगाना (6.5 प्रतिशत), उत्तर प्रदेश (5.9 प्रतिशत), हरियाणा (4.5 प्रतिशत), पश्चिम बंगाल (3.14 प्रतिशत) और केरल (3.05 प्रतिशत) शामिल हैं। यह भारत से ब्रिटेन में कुल एफडीआई का 78 प्रतिशत है। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने लंदन में रिपोर्ट जारी करते हुए कहा, भारत-ब्रिटेन गलियारे की पुनर्कल्पना के लिहाज से भारत से एफडीआई लाने वाला अग्रणी क्षेत्र आईटी और सॉफ्टवेयर है। रिपोर्ट के अन्य निष्कर्षों में एक यह भी है कि पिछले वर्ष ब्रिटेन के छात्र वीजा में पांच प्रतिशत की वृद्धि के साथ नए भारतीय छात्रों ने कुल मिलाकर ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों में अनुमानित 4.3 अरब पाउंड का योगदान दिया है।

करने वाले हमारे कारोबार सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य के लिए हमारे साझा दृष्टिकोण और आकांक्षाओं को साकार करेंगे।

विश्लेषण में पाया गया कि कंपनियों और कर्मचारियों की संख्या

आकासा एयर मुनाफे की राह पर, अधिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू होंगी : सह-संस्थापक आदित्य घोष

एजेंसी

मुंबई। आकासा एयर के सह-संस्थापक आदित्य घोष ने बताया कि एयरलाइन मुनाफे की राह पर है और वह दक्षिण एशिया तथा दक्षिण-पूर्व एशिया सहित अधिक अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए उड़ान भरेगी। आकासा एयर के पास 24 विमानों का बेड़ा है और उसके 4,000 से अधिक कर्मचारी हैं। राष्ट्रीय राजधानी में घोष ने कहा कि भारत में एयरलाइंस उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। घोष ने अन्य भूमिकाओं के अलावा, 2018 तक दस वर्ष इंडिगो के अध्यक्ष और पूर्णकालिक निदेशक के रूप में कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि आकासा को ग्राहक केंद्रित और कर्मचारी केंद्रित संगठन बनाने के साथ ही वित्तीय रूप से टिकाऊ व्यवसाय बनाना भी महत्वपूर्ण है। घोष ने इस बात पर जोर दिया कि आकासा एयर लाभप्रदता के मार्ग पर है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आकासा में हम लाभप्रदता के रास्ते पर हैं... हम इस पर दृढ़ता से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं... हमने बेहतर परिचालन भरोसा, सबसे कम ग्राहक शिकायतें, उच्चतम लोड कारक, सबसे कम रद्दीकरण देखा है। एयरलाइन के पास इस समय 24 छोटे आकार के बोइंग 737 मैक्स विमानों का बेड़ा है।

घोष ने कहा, हमने दोहा के लिए उड़ान भरना शुरू कर दिया है, जेद्दा के लिए उड़ानों की घोषणा की है, हम पश्चिम एशिया में और अधिक गंतव्यों पर जाने वाले हैं। हम दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया में भी जाएंगे। साथ ही भारत के छोटे शहरों में भी विस्तार करेंगे, क्योंकि वहां बहुत संभावनाएं हैं। एयरलाइन 15 जुलाई से जेद्दा के लिए उड़ानें शुरू करेगी। इसके पास कुवैत और रियाद के लिए यातायात अधिकार भी हैं।

यह पूछने पर कि क्या आकासा एयर अपने बेड़े में चौड़े आकार के विमान भी शामिल कर सकती है, उन्होंने कहा कि लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले व्यवसाय मॉडल एक प्रकार के बेड़े पर केंद्रित रहते हैं।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ, चीन के राष्ट्रपति चिनपिंग सीपीईसी के उन्नयन पर सहमत

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीन के राष्ट्रपति शी चिनपिंग ने अपनी बैठक में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के उन्नयन और दूसरे चरण में कई अरब डॉलर की परियोजना के उच्च-गुणवत्तापूर्ण विकास को आगे बढ़ाने पर आम सहमति की पुष्टि की है। शरीफ की पांच दिवसीय आधिकारिक चीन यात्रा चार जून से शुरू हुई थी। इस दौरान दोनों नेताओं ने बीजिंग के ऐतिहासिक ग्रेट हॉल ऑफ द पीपुल में गहन चर्चा की। दोनों नेताओं के साथ मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी थे। इस साल राष्ट्रपति पद संभालने के बाद शरीफ की राष्ट्रपति शी से यह पहली मुलाकात थी। सरकारी मीडिया के अनुसार, दोनों नेताओं ने सीपीईसी के उन्नयन और दूसरे चरण में मेगा परियोजना के विकास को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। सीपीईसी पाकिस्तान के बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह को चीन के झिंजियांग प्रांत से जोड़ता है। यह चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) की प्रमुख परियोजना है। बीआरआई को चीन द्वारा दुनिया भर में चीनी निवेश द्वारा वित्तपोषित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के माध्यम से विदेशों में अपना प्रभाव बढ़ाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री शरीफ ने 2015 में राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ऐतिहासिक पाकिस्तान यात्रा को याद किया, जब सीपीईसी को औपचारिक रूप से चालू किया गया था। उन्होंने सीपीईसी के उच्च गुणवत्ता वाले विकास के प्रति पाकिस्तान की प्रतिबद्धता तथा निकट समन्वय के माध्यम से दोनों देशों की विकास रणनीतियों के बीच तालमेल को बढ़ावा देने पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने चिर-प्रतिष्ठित सर्व-मौसम रणनीतिक सहयोग साझेदारी को दोहराया और राजनीतिक एवं सुरक्षा से लेकर आर्थिक, व्यापार और लोगों के बीच आदान-प्रदान तक के विविध क्षेत्रों में सहयोग को और अधिक गहरा करने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने अफगानिस्तान, फिलिस्तीन और कश्मीर सहित दक्षिण एशिया सहित क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचार साझा किए।

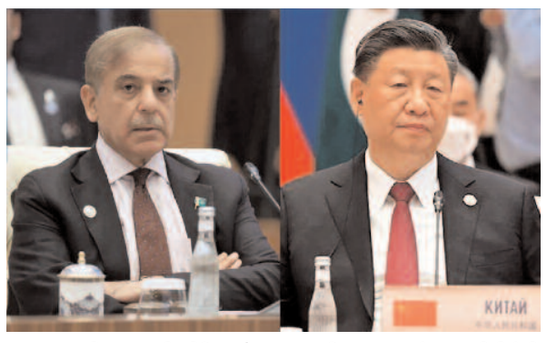

बजाज हाउसिंग फाइनेंस ने 7,000 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल किए

एजेंसी

नई दिल्ली। बजाज हाउसिंग फाइनेंस ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए 7,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास आरंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दाखिल दस्तावेजों के अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ में 4,000 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे और मूल कंपनी बजाज फाइनेंस द्वारा 3,000 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। शेयर बिक्री भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नियमों का पालन करने के लिए की जा रही है, जिसके अनुसार ऊपरी स्तर की गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों (एनबीएफसी) को सितंबर, 2025 तक शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होना आवश्यक है। नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी की पूंजी आधार को बढ़ाने के लिए किया जाएगा ताकि भविष्य की पूंजी जरूरतों को पूरा किया जा सके। बजाज हाउसिंग फाइनेंस एक गैर-जमा लेने वाली हाउसिंग फाइनेंस कंपनी है जो सितंबर, 2015 से राष्ट्रीय आवास बैंक के साथ पंजीकृत है। यह आवासीय और वाणिज्यिक संपत्तियों की खरीद और नवीनीकरण के लिए वित्तीय समाधान प्रदान करती है। बीते वित्त वर्ष (2023-24) के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ 38 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1,731 करोड़ रुपये जुटाए थे।

श्रीलंका ने ऋण पुनर्गठन के मोर्चे पर मजबूत प्रगति की : आईएमएफ

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के वृहद आर्थिक सुधारों के नतीजे सामने आने लगे हैं और देश को जल्द ही बाहरी वाणिज्यिक ऋणदाताओं के साथ समझौते पर पहुंचने की उम्मीद है। आईएमएफ ने नकदी की कमी से जूझ रहे देश के लिए अपने 2.9 अरब अमेरिकी डॉलर के राहत कार्यक्रम की दूसरी समीक्षा से पहले यह बात कही। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के संचार विभाग की निदेशक जूली कोजैक ने एक संवाददाता सम्मेलन में जोर देकर कहा कि श्रीलंका ने ऋण पुनर्गठन के मोर्चे पर मजबूत प्रगति की है। उन्होंने कहा कि श्रीलंका का प्रदर्शन मजबूत है, दूसरी समीक्षा के लिए अधिकांश मात्रात्मक और संरचनात्मक शर्तें पूरी हुई या देरी से लागू हुई हैं। उन्होंने कहा कि कुछ क्षेत्रों में सुधार अभी भी जारी हैं। श्रीलंका को 2.9 अरब अमेरिकी डॉलर के राहत के तहत आईएमएफ की विस्तारित निधि सुविधा की दूसरी समीक्षा 12 जून को होनी है। कोजैक ने पुष्टि की कि आईएमएफ का कार्यकारी बोर्ड दूसरी समीक्षा और अनुच्छेद-चार परामर्श पर चर्चा करने के लिए बैठक करेगा।

कम उम्र में पुरुषों को अपना शिकार बना सकता है Heart Attack, इन टिप्स की मदद से बनाएं अपने दिल को सेहतमंद

इन दिनों Heart Disease के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही हैं। खासकर कम उम्र में कई पुरुष हार्ट अटैक जैसी दिल से जुड़ी समस्याओं का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में अपने दिल को सेहतमंद रखने के लिए जरूरी है कि कुछ बातों का ध्यान रखा जाए। जानते हैं पुरुषों के लिए दिल को हेल्दी रखे के कुछ टिप्स-

दिल यानी Heart हमारे शरीर के सबसे अहम अंगों में से एक है, जो हमारे शरीर में कई जरूरी कार्य करता है। यही वजह है कि सेहतमंद रहने के लिए हेल्दी हार्ट बहुत जरूरी है। खासकर पुरुषों के लिए अपने दिल का ख्याल रखना बेहद जरूरी होती है। अक्सर घर-परिवार और ऑफिस की जिम्मेदारी की वजह से पुरुष अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देते हैं, जिसकी वजह से उन्हें गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। Heart Disease दुनियाभर में पुरुषों के बीच मौत का एक प्रमुख कारण है और भारत में यह विभिन्न कारकों के कारण कम उम्र में भी पुरुषों को प्रभावित करता है।

इनएक्टिव लाइफस्टाइल, खराब खान-पान और तनाव दिल से जुड़ी समस्याओं को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में हार्ट डिजीज से बचने के लिए जरूरी है कि अपनी लाइफस्टाइल में कुछ ऐसे बदलाव किए जाए, जो आपके दिल को सेहतमंद बनाने में मददगार करे। आइए जानते हैं दिल को हेल्दी बनाने वाले कुछ आसान टिप्स

स्मोकिंग छोड़ें

स्मोकिंग हमारी सेहत के लिए काफी हानिकारक होती है। यह न सिर्फ आर्टरीज और ब्लड वेसल्स में सूजन और इन्हें डैमेज पहुंचाकर दिल को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि ब्रेन और शरीर के अन्य अंगों में खून के थक्कों का खतरा भी बढ़ाता है। धूम्रपान भी कई प्रकार के कैंसर का कारण बनता है। ऐसे में इसे छोड़ना दिल के बेहतर स्वास्थ्य के लिए चुनौतीपूर्ण लेकिन महत्वपूर्ण कदम है।नियमित फिजिकल एक्सरसाइजइन दिनों लोगों की लाइफस्टाइल काफी ज्यादा बदल गई है, जिसकी वजह से शारीरिक गतिविधि की कमी होने लगी है। इन-एक्टिव लाइफस्टाइल भी हार्ट डिजीज के लिए एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक है। ऐसे में अपने दिल को सेहतमंद बनाने के लिए जरूरी है कि आप अपनी रूटीन में नियमित एक्सरसाइज जरूर शामिल करें। वॉकिंग, रनिंग, साइकलिंग या स्वीमिंग जैसी एक्टिविटी कर सकते हैं। इससे दिल मजबूत होता है, ब्लड सर्कुलेशन में सुधार होता है, बीपी कम होता है, वजन नियंत्रण में मदद मिलती है और हार्ट डिजीज का खतरा कम होता है।

स्वस्थ वजन बनाए रखें

स्वस्थ वजन बनाए रखना हार्ट हेल्थ को बेहतर बनाने के लिए जरूरी है। शरीर का अतिरिक्त वजन दिल पर दबाव डालता है और हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज जैसी स्थितियों का खतरा बढ़ाता है। ऐसे में पौष्टिक आहार और नियमित शारीरिक व्यायाम की मदद से आप अपना वजन मेंटेन कर सकते हैं।

संतुलित एवं पौष्टिक आहार

हेल्दी रहने के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार बेहद जरूरी है। भरपूर मात्रा में फल और सब्जियां, साबुत अनाज, लीन प्रोटीन और हेल्दी फैट खाने दिल को हेल्दी बनाने में मदद मिलती है। हालांकि, रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट (विशेषकर मिठाइयाँ), शुगरी ड्रिंक्स, प्रसेस्ड और फ्राइड फूड्स और अत्यधिक नमक से बचना आवश्यक है।

स्ट्रेस मैनेजमेंट और पर्याप्त नींद

लंबे समय तक तनाव में रहने की वजह से दिल पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे में दिल का ख्याल रखने के लिए तनाव कम करना बेहद जरूरी है। आप इसके लिए मेडिटेशन, डीप ब्रीथिंग जैसी एक्सरसाइज ट्राई कर सकते हैं।

पक्षियों के संरक्षण की जरूरत

पक्षी हमारे लिए कई तरह से उपयोगी हैं। उनका संरक्षण बहुत जरूरी है। मेनार गांव जैसी पहल अब और भी जगहों पर चल रही हैं। पक्षी अभयारण्य, वन्य जीव अभयारण्यों में इनके संरक्षण के प्रयास किए जा रहे हैं। पक्षियों के प्रति पर्यटकों का भी रूझान बढ़ा है। पक्षी अवलोकन भी बढ़ा है। लेकिन इस तरह की पहलों की और भी जरूरत है। पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता की आवश्यकता है।पक्षी हमारे आसपास चारों तरफ हैं। गांव, शहर, जंगल, नदी और तालाब के आसपास, सभी जगह पक्षी देखे जा सकते हैं। लेकिन कुछ सालों से देखने में आया है कि कई कारणों से पक्षी संकट में हैं, कुछ तो विलुप्ति के कगार पर हैं। आज इस कॉलम में पक्षी और मनुष्य का रिश्ता क्या है, पर्यावरण में उनका योगदान क्या है, उनके संरक्षण की जरूरत क्यों है, इस पर बातचीत करना चाहूंगा।छुटपन में हम देखते थे कि चिड़ियों की चहचहाहट से सुबह नींद खुलती थी। पेड़ों पर उनका कलरव होता था। गौरैया आंगन में दाना चुगने के लिए आती थीं। इधर-उधर उड़ती रहती थीं। कच्चे घरों में भी चिड़ियाएं घोंसला बनाया करती थीं। घर,गांव व नदियों के आसपास गिद्ध मंडराया करते थे।

हम देखते थे कि किसान अनाजों की बालियां पक्षियों के लिए पेड़ों पर टांग देते थे। सार्वजनिक स्थानों पर और पेड़ों पर पानी पीने के लिए सकोरे टांग दिए जाते थे। कुएं के मुंडेरों पर पक्षी पानी पीते दिखते थे। उनकी मौजूदगी वातावरण को खुशनुमा बनाती थी।पक्षियों के बारे में कई कहानियां व गीत हैं। लोककथाएं हैं। संस्कृति और इतिहास में पक्षियों का उल्लेख है। सिनेमा में भी पक्षियों के कारनामे दिखाए जाते रहे हैं। पक्षियों की कई मूर्तियां भी हैं। छत्तीसगढ़ में सुआ नाच व मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड में पड़की नृत्य भी प्रचलन में हैं।हमारे देश में काफी विविधता पाई जाती है, क्योंकि यह गर्म जलवायु वाला देश है। अधिक विविधता गर्म जलवायु वाले देशों में पाई जाती है। ठंडे जलवायु वाले देशों में कम विविधता पाई जाती है। इस तरह, यहां पक्षियों की सैकड़ों प्रजातियां हैं। वे रंग-बिरंगे होते हैं। इन्हें देखना रोमांचक होता है, इनका गीत बहुत मधुर होता है। कई आकार के होते हैं और इनका गान व व्यवहार भी अलग-अलग होता है।पक्षियों की दुनिया अलग है। मोटे तौर कह सकते हैं कि जो उड़ते हैं, वे पक्षी कहलाते हैं, उनके पंख होते हैं। ऐसा भी दिखाई देता है कि सभी पक्षी एक जैसे होते हैं- वे उड़ते हैं, घोंसला बनाते हैं, अंडे देते हैं। लेकिन बारीकी से देखने पर इनमें काफी भिन्नता है।इन पक्षियों के अलग-अलग आवास स्थल होते हैं। जलवायु के अनुकूल ये अपने अपने आवास स्थल बनाते हैं। कोई रेगिस्तान में पाया जाता है, तो कोई बर्फीले पहाड़ों पर, कोई नदियों के किनारे तो, कोई समंदर के आसपास आशियाना

बनाते है। रंग, रूप, और आवाज, और व्यवहार भी अलग-अलग होता है। ऐसे पक्षी भी होते हैं, जो हजारों किलोमीटर दूर देशों से आते हैं, इन्हें प्रवासी पक्षी कहा जाता है।पेड़-पौधों के पुनर्जनन में, परागीकरण में, खाद्य श्रृंखला में, फसलों के कीट नियंत्रण में पक्षियों का योगदान अहम है। जंगल को बढ़ाने के लिए भी पक्षियों का योगदान है। कई पेड़ों के बीज पक्षी खाते हैं और उनकी विष्ठा के माध्यम से ये बीज मिट्टी में मिल जाते हैं, जब नमी मिलती है, तब अंकुरित हो जाते हैं। इस तरह नया पेड़ बनता है। पक्षियों की विष्ठा खेतों को उर्वर बनाती है। कौआ, चील और गिद्ध अच्छे सफाईकर्मी की तरह काम करते हैं।

पक्षी भी हमारी तरह प्रकृति का हिस्सा हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में पक्षियों पर कई तरह से खतरा मंडरा रहा है। कई पक्षी विलुप्ति के कगार पर है। कुछ दशकों से पर्यावरण को शुद्ध करने वाले गिद्ध अब नहीं दिखते। घर-आंगन में फुदकने वाली गोरैया भी अब कम दिखती है। तोते भी कम दिखते हैं।

प्रकृति के साथ मानवीय छेड़छाड़ के कारण पक्षियों को नुकसान पहुंचता है। मध्यप्रदेश के जिस इलाके में मैं रहता हूं वहां गेहूं के डंठल खेत साफ कराने का चलन बढ़ गया है जिससे सभी तरह से नुकसान है। खेतों में ठंडलों के साथ पेड़-पौधे व छोटे-मोटे जीव जंतु जल जाते हैं। पेड़ पर ही पक्षी रहते हैं, अगर पेड़ नहीं रहेंगे तो वे कहां रहेंगे।

इसी प्रकार, रासायनिक खेती के कारण कई बार पक्षियों के मरने की खबरें आती रहती हैं। जहरीले कीटनाशकों से उनकी मौत हो जाती हैं। कई बार मोर मरने की खबरें आई हैं। मशीन आधारित खेती के कारण खेतों के आसपास दूर-दूर तक पेड़ दिखाई नहीं देते हैं, इसके कारण पक्षी भी नहीं होते हैं। जबकि खेती के लिए पक्षी बहुत उपयोगी हैं। एक तो वे कीट नियंत्रण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनके बीट से भूमि उर्वर होती है।एक कारण जलवायु बदलाव का भी है। कई बार जब मैं घूमने जाता हूं तो रास्ते में पक्षी मरे पड़े मिलते हैं। इनका एक कारण अधिक तापमान होना है। ज्यादा गर्मी सहन न करने के कारण भी पक्षी मर जाते है। हाल के दिनों में जलवायु बदलाव के कारण नदी-नाले सूखने के कारण भी पक्षियों को पीने के पानी की समस्या से जूझना पड़ता है।बढ़ते शहरीकरण और औद्योगिकीकरण ने भी पक्षियों के अस्तित्व को खतरे में डाल दिया है। इसके कारण उन्हें प्राकृतिक रूप से रहने के लिए आश्रय व घोंसले बनाने के लिए पेड़ उपलब्ध नहीं रहते हैं, इससे वे बेघर हो जाते हैं। सड़क चौड़ीकरण के कारण भी बहुत पुराने पेड़ कटते हैं, पक्षियों के आवास स्थल खत्म हो जाते हैं। इसलिए इन सबके मद्देनजर पक्षियों के संरक्षण की बहुत जरूरत है।पक्षी संरक्षण की एक पहल राजस्थान के मेनार गांव में चल रही है। कुछ समय पहले मुझे इस गांव में जाने का मौका मिला था। यह गांव उदयपुर से 40 किलोमीटर दूर चित्तौड़गढ़ मार्ग पर स्थित है। इस गांव की पहचान पक्षियों के गांव (बर्डविलेज) के नाम से पहचान बन गई है।यहां के दो तालाब पक्षियों के लिए हैं। तालाबों का नाम भरमेला और ढंड है। यहां न कोई नाव चलती है, न मछलियों का शिकार। न कोई ध्वनि प्रदूषण है और न ही कोई मानवीय गतिविधि। एकाध साल पहले तक तालाब की जलभूमि में खेती होती थी। तरबूज-खरबूज की खेती होती थी। गांव के लोगों ने सामूहिक रूप से निर्णय लेकर उसे भी बंद करवा दिया जिससे पक्षियों की गतिविधियों में कोई खलल न पड़े।पक्षियों की सुरक्षा के लिए गांव वाले सचेत हैं। इसके लिए गांव के लोग और पक्षी प्रेमी सचेत हैं। उन्होंने तालाब के किनारे लगे पेड़ों को काटने पर पाबंदी लगाई है। तालाब के ऊपर से बिजली का हाईटेंशन तार गया था, उसे हटवाया। इससे पक्षी तार से टकराकर मर जाते थे। प्रदूषित पानी को तालाब में जाने से रोकने के लिए फैसला लिया।

यहां पक्षियों को परेशान करने वाली किसी प्रकार की गतिविधियों पर गांव वालों की नजर रहती है। जैसे कोई फोटोग्राफर पक्षियों को उड़ा कर तस्वीरें लेता है तो भी उसे ऐसा करने से रोका जाता है। स्वाभाविक तरीके से तस्वीरें लेने पर कोई मनाही नहीं है।

पक्षियों के प्राकृतिक रूप से अनुकूल वातावरण बना रहे, इसकी कोशिश की जाती है। गांव के पक्षी मित्र धर्मेंद्र मनेरिया बताते हैं कि कई बार यह बात सामने आती है कि तालाब को पर्यटन की दृष्टि से कृत्रिम रूप से कांक्रीट-सीमेंट से बनाया जाए। लेकिन इससे पक्षियों को नुकसान होगा।यहां 170 से ज्यादा पक्षियों की प्रजातियां हैं। जिसमें स्थानीय व प्रवासी पक्षी दोनों शामिल हैं। यहां जलीय व स्थलीय दोनों तरह के पक्षियों की प्रजातियां हैं। प्रवासी पक्षी ज्यादातर शीत ऋतु में आते हैं और यहां रहते हैं। अधिकांश चिड़ियाएं यहां जाड़े के समय आती हैं, वे ज्यादा ठंडे वालों इलाके से अपेक्षाकृत कम ठंडे इलाकों में रहना पसंद करती हैं।अब यही शिवा डुबडुबी यहां की शान है। तालाब किनारे हम शिवा डुबडुबी को बहुत देर तक देखते रहे। सिर पर कलगी,लम्बी चोंच और पानी में खेलते इसे देखना आनंददायक था। वह जरा सी आहट पर पानी में डुबकी लगा लेती। तैराक जैसी चपलता और फुर्तीली। पानी में रहती है और पानी में ही तैरता हुआ घोंसला बनाती है, उसी में प्रजनन करती है।यहां साल भर सैलानियों, पक्षी प्रेमियों, पक्षी निरीक्षकों, पर्यावरण कार्यकर्ताओं और प्रकृतिप्रेमियों का तांता लगा रहता है। वे यहां आते हैं, तालाब किनारे पक्षियों को निहारते हैं, उन्हें कलरव सुनते हैं और नीले समंदर की तरह विशाल तालाब में पक्षियों की अठखेलियां और क्रीडाओं का आनंद लेते हैं।

कुल मिलाकर, पक्षी हमारे लिए कई तरह से उपयोगी हैं। उनका संरक्षण बहुत जरूरी है। मेनार गांव जैसी पहल अब और भी जगहों पर चल रही हैं। पक्षी अभयारण्य, वन्य जीव अभयारण्यों में इनके संरक्षण के प्रयास किए जा रहे हैं। पक्षियों के प्रति पर्यटकों का भी रूझान बढ़ा है। पक्षी अवलोकन भी बढ़ा है। लेकिन इस तरह की पहलों की और भी जरूरत है। पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता की आवश्यकता है।

इस दिशा में निजी स्तर पर भी पहल की जा सकती है, जैसे रासायनिक खेती की जगह प्राकृतिक खेती को अपनाना, ऐसे जहरीले पदार्थों का इस्तेमाल न करना, जिनसे पक्षियों को खतरा है। ऐसे घर बनाना जिनमें वे उनके घोंसले आसानी बना सकें।

संपादकीय

जननायक पटनायक

नवीन पटनायक कुछ दिन और सत्ता में रह पाते तो उनका मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल देश में सबसे ज्यादा होता। इसके बावजूद लगातार 24 साल तक उन्होंने एकछत्र राज किया। हालांकि, इस बार के लोकसभा चुनाव के साथ कराये गए ओडिशा विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी बीजू जनता दल को करारी हार का सामना करना पड़ा है। जिस पार्टी को नब्बे के दशक में राज्य की राजनीति में पैर रखने की जगह बीजेडी ने दी थी, उसी ने उन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया। राज्य में अब भाजपा पहली बार सरकार बनाने जा रही है। उसे विधानसभा की 78 सीटें मिली हैं। वहीं आम चुनाव में लोकसभा की कुल इक्कीस सीटों में से बीस सीटें भाजपा को मिली हैं। वक्त का पहिया कुछ ऐसा घूमा है कि लगातार पांच बार विधानसभा चुनाव जीतने और चौबीस साल तक निष्कंटक राज करने वाले नवीन पटनायक अपने एक अन्य विधानसभा क्षेत्र से चुनाव हार गए। बीजेडी को 51 विधानसभा सीटों पर सफलता जरूर मिली मगर लोकसभा की एक भी सीट बीजेडी नहीं जीत सकी। पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेडी ने 12 व भाजपा ने आठ सीटें जीती थी। हालांकि, राजनीति के पुराने खिलाड़ी नवीन पटनायक को इस बात का बखूबी अहसास था कि भाजपा उन्हें सत्ता से विस्थापित कर सकती है। फलत- उन्होंने अपने अंतिम कार्यकाल में भाजपा की काट के लिये सांस्कृतिक राजनीति का सहारा लेना शुरू कर दिया था।

वे महसूस कर रहे थे कि ओडिशा के छोटे शहरों के युवाओं का रुझान भाजपा के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की तरफ बढ़ रहा है। अब तक लोक कल्याण योजनाओं को अपनी राजनीति की धार बनाने वाले नवीन पटनायक ने अयोध्या की रणनीति के मुकाबले में श्रीजगन्नाथ मंदिर के आसपास में एक हेरिटेज कॉरिडोर को मूर्त रूप देने का प्रयास किया। राज्य के अनेक प्राचीन मंदिरों को जीर्णोद्धार के जरिये नये सिरे से निखारा गया। इसके अलावा हाल ही में पहले विश्व ओड़िया भाषा सम्मेलन आयोजित करके साहित्य व संस्कृति कर्मियों को जोड़ने का प्रयास किया गया।दरअसल, राज्य में बदलती राजनीतिक बयार के मद्देनजर नवीन पटनायक ने युवाओं पर केंद्रित कार्यक्रमों को तरजीह दी। लोकप्रिय कल्याण कार्यक्रमों से इतर पटनायक ने बीजेपी की तरफ बढ़ रहे युवाओं को साथ जोड़ने के लिये ओडिशा को देश के खेलों की राजधानी बनाने का प्रयास किया। उन्होंने उन खेलों को तरजीह दी जो क्रिकेट की सुनामी में हाशिये पर जा रहे थे। पटनायक सरकार ने हॉकी की राष्ट्रीय पुरुष व महिला हॉकी टीम को प्रायोजित किया। इसके अलावा पर्याप्त खेल संरचना के विस्तार के साथ ही राज्य में दो विश्व हॉकी कप श्रृंखला आयोजित की गई। राज्य में शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं की असंतोषजनक स्थिति के मद्देनजर अस्पतालों का आधुनिकीकरण, स्कूलों की संरचना में बदलाव, बस सेवाओं में सुधार के प्रयास पिछले कुछ समय में किए गए। लेकिन उनकी एक कमी रही कि अपनी इन सार्थक पहलों का श्रेय लेने का प्रचार करने में वे पीछे रह गए। वहीं इन योजनाओं के क्रियान्वयन का दायित्व नौकरशाहों को सौंपने की वजह से उसका लाभ पार्टी को राजनीतिक तरीके से नहीं मिल पाया। वहीं अपने राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में नौकरशाह वीके पांडियन को पार्टी व शासन में अधिक अधिकार देने का खमियाजा भी नवीन पटनायक ने भुगता। दरअसल, पांडियन तमिलनाडु मूल के हैं और ओडिशा में उनकी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका को एक बड़ा मुद्दा बना दिया गया। जिसका भाजपा ने खूब प्रचार किया। दरअसल, सत्ता में लगातार वर्चस्व बनाये रखने वाले पटनायक ने अपने आसपास किसी राजनीतिक विकल्प बनने की संभावना को कभी पनपने नहीं दिया। पांडियन प्रकरण पटनायक के लिए बेहद नुकसानदायक साबित हुआ क्योंकि ओडिशा में एक धारणा बन गई कि राज्य की बागडोर एक गैर ओड़िया व्यक्ति को सौंपी जा रही है। दरअसल, प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा देकर पांडियन जैसे बीजेडी में शामिल हुए और उन्होंने राजनीतिक अभियानों में भाग लिया, भाजपा ने इसे ओड़िया अस्मिता का अपमान बताकर इसे बड़ा मुद्दा बना दिया। बाद में पटनायक की सफाई भी काम नहीं आई।

पोल खुल गई मोदी मैजिक के मिथक की

परिणाम बताते हैं कि धन बल बहुमत पाने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकारी मशीनरी व मीडिया पर मोदी सरकार का पूरा नियंत्रण था। भाजपा ने बाद में घोषित अवैध चुनावी बॉन्ड और अन्य स्रोतों से बेशुमार धन उगाहा। इन सबके बावजूद भाजपा असफल रही। यहां वीपी सिंह की याद आती है जिन्होंने एक बार कहा था- %भारत में आप पैसों के अभाव में चुनाव हार सकते हैं लेकिन आप सिर्फ इसलिए नहीं जीत सकते कि आपके पास पैसा है।%अब यह स्पष्ट है कि भारत के लोगों ने भारतीय जनता पार्टी के मोदीकृत संस्करण को खारिज कर दिया है। नई लोकसभा में भाजपा बहुमत से काफी पीछे है। भले ही भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए केंद्र में सरकार बना ले लेकिन इस समय जिस नैरेटिव को आगे बढ़ाया जा रहा है उससे इस बात की संभावना बढ़ जाती है कि गठबंधन की राजनीति के पेंचों के सामने मजबूत दिखने वाली भाजपा झुकने के लिए मजबूर हो जाएगी। भाजपा को अपने नए साझीदारों, विशेष रूप से चंद्रबाबू नायडू (तेलुगु देशम पार्टी) और नीतीश कुमार (जनता दल-यूनाइटेड) की बात सुनने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा जिन्होंने नई ताकत हासिल कर ली है। खबरों के मुताबिक ये दोनों पहले से ही प्रमुख विभागों की मांग कर रहे हैं। यह अपने आप में भाजपा पर ब्रेक लगाता है जो अंहकारवश धर्म की अपनी खुद की धुन बजाती है जिसे कई भारतीय नापसंद करने लगे हैं।इन परिस्थितियों में हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में मोदी के नेतृत्व वाली कमान और नियंत्रण के प्रति आसक्त भाजपा के दिन शायद ढल गए हैं। अब यह एक रास्ते, एक चुनाव, एक व्यक्ति, एक सत्य की पार्टी नहीं हो सकती। भारत के लोगों, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र के मतदाताओं ने यह सुनिश्चित किया है कि भाजपा इंद्रधनुष में शामिल सभी रंगों के बारे में कुछ महत्वपूर्ण सबक सीखे जिनके संयोग से सफेद रंग का सृजन होता है।

कम से कम 2024 के चुनाव कई अन्य ट्विस्ट और टर्न की संभावनाओं के साथ खबरों में हैं जिनमें भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनने के बावजूद मोदी की शीर्ष पर बने रहने की संभावना जैसे महत्वपूर्ण प्रश्न शामिल हैं। अब तक किसी भी चुनौती को उठाने या अपने नेतृत्व के किसी भी सवाल को पूछने के लिए अभ्यस्त न होने की वजह से खोखली हुई पार्टी चुनाव परिणामों से मिले झटकों से उबरने में कुछ समय लेगी। संभवत- वह पार्टी नेतृत्व के खिलाफ आंतरिक विद्रोह करने के संकेतों के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर देखेगी। यह एक ऐसी घटना हो सकती है जिसकी कुछ समय पहले तक कोई संभावना नहीं दिखती थी।

इसके अलावा, भाजपा के साथ चुनावी गठबंधन करने वाली कुछ पार्टियों की ओर से संकेत मिले हैं कि वे अपनी मूल पार्टियों की ओर लौट सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की एनसीपी। मूल पार्टी से अलग हुए गुटों के वापस अपनी पार्टी में लौटने के कारण एनडीए के सिकुड़ने की संभावना बढ़ जाती है। कुछ अपुष्ट रिपोर्टों के अनुसार भाजपा के साथ गठबंधन करने वाले शिवसेना (शिंदे) के नवनिर्वाचित सांसद और विधायक उद्धव ठाकरे की शिवसेना के संपर्क में हैं। शिवसेना(उद्धव गुट) भाजपा के खिलाफ और आईएनडीआईए गठबंधन के साथ है।

इस बात की भी संभावना है कि चुनावी परिणामों से डरे हुए नरेंद्र मोदी अधिक नियंत्रण हासिल करने और विपक्ष को कोसने के साथ-साथ प्रतिशोध की राजनीति को दोगुना करने की कोशिश करेंगे। पिछले कई वर्षों से यह पार्टी की पहचान रही है और मोदी इस काम में सबसे अधिक निपुण हैं। विपक्ष को खत्म करने की यह प्रवृत्ति चुनाव के बाद के परिदृश्य में नए मोड़ ला सकती है। मंगलवार की शाम को भाजपा मुख्यालय में मोदी के दिये पहले भाषण से संकेत मिलता है कि चुनावी नतीजों ने उनमें कोई विशेष बदलाव नहीं लाया है। इस भाषण में सिर्फ एक बार उन्होंने %मोदी की गारंटी% शब्द का इस्तेमाल किया। प्रचार अभियान के दौरान उन्होंने बार-बार %मोदी की गारंटी% शब्द का इस्तेमाल किया था। समय बताएगा कि क्या यह एक झांसा देने वाला बड़बोलापन है या मोदी शैली की आने वाली राजनीति का संकेत है; और क्या यह आरएसएस से बैकरूम समर्थन के बाद आता है या वास्तव में पार्टी में आंतरिक रूप से उनके खिलाफ विरोध को रोकने की एक चाल है? हालांकि मोदी द्वारा कही गई इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए कि यह एक %एनडीए सरकार% होगी। यह एक स्व-घोषित कदम है और मोदी में आए एक बदलाव का संकेत भी। जिस बदलाव के अभाव में भाजपा और उसकी राजनीति अब यहां तक सिमट कर रह गई है।मोदी को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जाना जाएगा जिसने एक पार्टी की कमान संभाली और%मोदी की गारंटी कहे जाने वाले चुनावी वादों से लेकर योजनाओं, परियोजनाओं, संस्थानों और यहां तक कि क्रिकेट स्टेडियम तक को एक व्यक्ति की सेवा में लगा दिया। एक ऐसा व्यक्ति

जो एक तरफ आत्म-मुग्ध था और दूसरी तरफ राजनीतिक संवादहीनता के कारण उत्पन्न कटुता ने जिसे निम्न स्तर पर धकेल दिया। कभी नेतृत्व की व्यापकता का दावा करने वाली पार्टी पर कब्जा, मोदी का गुणगान करने वालों को तरक्की देना और लाइमलाइट में रहने के लिए सांप्रदायिकता का इस्तेमाल सत्ता के शॉर्टकट के रूप में किया जाता था, यह सब तथाकथित %मोदी जादू% के मिथक का निर्माण करने वाली कहानी का एक हिस्सा है। चूंकि यह सब मोदी और उनके भरोसेमंद नंबर दो- गृह मंत्री अमित शाह से जुड़ा था इसलिए चुनाव में जो कुछ भी गलत हुआ है उसका दोष इन दोनों के कंधों पर भी होगा, जिन्हें मजाकिया तौर पर भाजपा के %डेढ़ नेतृत्व% के रूप में जाना जाता है।

इसका भी उल्लेख करना असंगत नहीं होगा कि भाजपा के स्वघोषित लक्ष्यों से पतन का एक बड़ा हिस्सा सीधे तौर पर डेढ़ नेतृत्व के अहंकार से जुड़ा हुआ है। महाराष्ट्र इसका एक उदाहरण है। मोदी ने शरद पवार को %भटकती आत्मा% कहा क्योंकि पवार के परिवार में दरार पड़ गई थी। उन्होंने बाल ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे को %नकली वारिस% या फर्जी कहा जिसके कारण भाजपा द्वारा पैदा किए गए राजनीतिक विभाजन में जहर के नए स्तर को भर दिया। फिर भी यदि मोदी-शाह की जोड़ी ने महाराष्ट्र में पिछले विधानसभा चुनावों के बाद ठाकरे को एक और कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बने रहने दिया होता तो इस सबकी कोई जरूरत नहीं पड़ती।अंत में, परिणाम बताते हैं कि धन बल बहुमत पाने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकारी मशीनरी व मीडिया पर मोदी सरकार का पूरा नियंत्रण था। भाजपा ने बाद में घोषित अवैध चुनावी बॉन्ड और अन्य स्रोतों से बेशुमार धन उगाहा। इन सबके बावजूद भाजपा असफल रही। यहां वीपी सिंह की याद आती है जिन्होंने एक बार कहा था- %भारत में आप पैसों के अभाव में चुनाव हार सकते हैं लेकिन आप सिर्फ इसलिए नहीं जीत सकते कि आपके पास पैसा है।%(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं। पद देने से इनकार करके उन्होंने ठाकरे को कांग्रेस-एनसीपी से दोस्ती करने के लिए मजबूर किया और जब ठाकरे ने राज्य में सरकार बनाई तो भाजपा ने शिवसेना नेताओं के पीछे अपनी जांच एजेंसियों को लगा दिया। भाजपा ने अंतत- सरकार बनाने के लिए शिवसेना को विभाजित कर दिया। एक वरिष्ठ राजनीतिक साथी से अपेक्षित है कि वह शालीनता और परस्पर सम्मान के साथ पेश आए लेकिन भाजपा ने अल्पकालिक लाभ, दीर्घकालिक विस्तार तथा जमीनी स्तर के राजनीतिक कार्य की कीमत पर यह हासिल किया।इसी दृष्टिकोण के साथ अन्य भागीदारों के साथ भी भाजपा इसी तरह खेल रही है जिसके कारण भाजपा नेतृत्व पर भरोसा नहीं किया जाता है। इसे गंदी चालें खेलने वाले खिलाड़ी के रूप में देखा जाता है और भागीदारों का उपयोग केवल उन्हें निगलने के लिए करता है। यह सर्वज्ञात है कि चंद्रबाबू नायडू वास्तव में भाजपा नेतृत्व, विशेष रूप से मोदी के प्रति अच्छी भावना नहीं रखते हैं। यह सच है कि इन चुनावों में भाजपा के साथ उनका गठबंधन था लेकिन भाजपा के साथ अधिकांश गठबंधन राजनीतिक मजबूरियों में और मोदी की जांच एजेंसियों द्वारा उत्पीड़न के खतरे से बचने के लिए किए गये हैं। ओडिशा में राज्य के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के स्वास्थ्य को लेकर जबरन शुरू किया गया विवाद भी उतना ही नकारात्मक था और इसने कटुता ही पैदा की। भाजपा ने भले ही ओडिशा जीत लिया हो लेकिन वे यहां जिन तरीकों के सफल होने की उम्मीद कर रहे हैं वे वैसे ही तरीके हैं जिनके कारण उसने कहीं और सत्ता खो दी है और पार्टी का नाम बर्बाद कर दिया है। इन तरीकों को संकीर्ण, शातिर और कडुवाहट से भरा हुआ माना जा रहा है।

पर्यटन का खास मुकाम डल झील

डल झील श्रीनगर, कश्मीर में तो प्रसिद्ध है ही लेकिन दुनिया भर के सैलानियों के लिए भी यह पर्यटन का एक खास मुकाम है। कहा जाता है कि इसमें स्त्रोतों से जल आता है एवं यह झाल खुद ही कश्मीर घाटी में काफी झीलों से जुड़ी हुई है।

यह दुनिया भर में शिकारों या हाऊस बोट के लिए जानी जाती है और सैलानी खासतौर पर इनका आनंद लेने के लिए यहां आते हैं। यह 18 किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुई है। तीन दिशाओं से पहाड़ियों से घिरी डल झील जम्मू कश्मीर की दूसरी सबसे बड़ी झील मानी जाती है और भारत की सबसे सुंदर झीलों में इसे शामिल किया जाता है। पर्यटक जम्मू-कश्मीर आएं और डल झील देखने न जाएं ऐसा हो ही नहीं सकता।

डल झील के पास ही मुगलों के सुंदर एवं प्रसिद्ध पुष्प वाटिका से झील की आकृति और उभरकर सामने आती है। मुख्य रूप से इस झील में मछली का काम होता है। डल झील के मुख्य आकर्षण का केंद्र हैं यहां के हाउसबोट। सैलानी इन हाउसबोटों में रहकर इस खूबसूरत झील का आनंद उठा सकते हैं।

झील, कश्मीर की घाटियों की अन्य धाराओं के साथ मिल जाती है। झील के चार जलाशय हैं गगरीबल, लोकुट डल, बोड डल तथा नागिन। लोकट डल के मध्य में रूप लंक द्वीप स्थित है, तथा बोड डल जलधारा के मध्य में सोना लंक स्थित है। वनस्पति डल झील की खूबसूरती को और निखार देती है। कमल के फूल, पानी में बहती कुमुदनी, झील की सुंदरता को दुगुना कर देती है।

सैलानियों के लिए झील के सौंदर्य के अलावा भी विभिन्न प्रकार के मनोरंजन के साधन यहां पर उपलब्ध हैं। जैसे कि कायाकिंग, केनोइंग डोंगी पानी पर सर्फिंग करना व ऐंगलिंग मछली पकड़ना आदि से सफर और ज्यादा रोमांचक हो जाता है। कश्मीर के प्रसिद्ध विश्वविद्यालय झील के तट पर स्थित है। हाउसबोट में रहकर सैलानी इस झील के खूबसूरत वातावरण से भावविभोर हो जाते हैं।

शिकारे के माध्यम से सैलानी नेहरूपार्क, कानुटूर खाना, चारचिनारी, कुछ द्वीप जो यहां पर स्थित हैं, उन्हें देख सकते हैं। श्रद्धालुओं के लिए हजरतबल तीर्थस्थल के दर्शन करे बिना उनकी यात्रा अधूरी रह जाती है। शिकारे के माध्यम से श्रद्धालु इस तीर्थस्थल के दर्शन कर सकते हैं। एक शिकारे पर सवार होकर विभिन्न प्रकार की कश्मीरी चीजें भी खरीद सकते हैं और दुकानें भी शिकारे पर ही लगी होती हैं। यह माल खरीददार तक ही सीमित नहीं है, परन्तु एक रोमांचित कर देने वाला खेल भी होगा।

कैसे जाएं: यदि पर्यटक डल झील पहुंचना चाहते हैं, तो श्रीनगर जिले से 25 किलोमीटर की दूरी पर बडगाम जिले में स्थित एयरपोर्ट पर पहुंच सकते हैं। नजदीक रेल सेवा जम्मू में स्थित है, तथा वहां का नेशनल हाईवे एनएचए कश्मीर घाटी को देश के अन्य भागों से जाड़ता है। इन पहाड़ी इलाकों पर यात्रा करने के लिए दस से बारह घंटे लगते हैं। इस सफर के दौरान पर्यटक यहां के प्रसिद्ध जवाहर टनल को निहार सकते हैं।

धर्मशाला में उठायें बर्फली पहाड़ियों का रोमांच

पहाड़ियों में चीड़ व देवधर के घने जंगलों और बर्फ को करीब से देखने का अनुभव धर्मशाला में मिलता है। यहां सीधे-सादे और बौध धर्म के बिरले चिन्ह भी यहां आसानी से देखने को मिलते हैं। धर्मशाला में झरने व सुहाने नजारे इस जगह को सभी की पसंद बनाते हैं। हालांकि अब यहां तिब्बत के लोग ज्यादा रहते हैं, लेकिन ब्रिटिश काल का प्रभाव इस छोटे शहर पर आज भी महसूस किया जा रहा है।

खूबसूरत पहाड़ी शहर धर्मशाला को यूं तो अंग्रेजों ने बसाया था, लेकिन अब तिब्बतियों की संख्या ज्यादा होने से इस पर वहां के कल्चर का इतना प्रभाव पड़ा है कि इसे लिटल ल्हासा के नाम से जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में धौलाधर की पहाड़ियों में बसा धर्मशाला देश-विदेश के सैलानियों का पसंदीदा हिल स्टेशन है। इसे साल 1855 में अंग्रेज ने इसे बसाया था। दरअसल, यह उन 80 रिजॉर्ट्स में से था, जिन्हें अंग्रेजों ने गर्मी से बचने के लिए तैयार करवाया था।

गद्दी, तिब्बती, टेकर्स, टूरिस्ट और लोकल वेंडर्स, सब मिलकर निचले धर्मशाला यानी कोतवाली बाजार में एक अलग ही माहौल बनाते हैं। यह जगह समुद्र तल से 1250 मीटर की ऊंचाई पर है। लोगों का खूब आना-जाना होने की वजह से यहां खासी हलचल रहती है। समुद्र तल से 1768 मीटर की ऊंचाई पर बसे ऊपरी धर्मशाला यानी मैकलॉडगंज में दलाई लामा का निवास है। दोनों जगह की दूरी 10 किलोमीटर है। जहां तक घूमने की बात है, तो धर्मशाला में आपको अडवेंचरस व स्प्रिचुअल माहौल मिलेगा। ठंडी पहाड़ी हवाओं में गूंजती प्रार्थनाओं की आवाजें मन को एक ठहराव देती हैं। ऐसे में बेशक धर्मशाला जाना दलाई लामा से मुलाकात के बिना अधूरा है और यकीन मानिए इस माहौल में उनका साथ किसी भी इंसान को कुछ देर के लिए एक अलग ही दुनिया में ले जाता है। वैसे,धर्मशाला की तमाम मोनेस्ट्रीज एक बार देखने लायक जरूर है और अलग-अलग समाधियों में भगवान बुद्ध की तांबे की प्रतिमाएं भी दर्शनीय हैं। अब जब इतना कुछ एक ही जगह पर मौजूद है तो देश-विदेश के पर्यटकों का सहज ही धर्मशाला की ओर खिंचे आना हैरानी की बात नहीं है। अगर आप मेडिटेशन करते हैं तो यहां के तुशिता मेडिटेशन सेंटर में मोंक्स द्वारा दी जाने वाली क्लासेज जॉइन

धौलधार की पहाड़ियों में ट्रैकिंग व रॉक क्लाइबिंग जाने के लिए धर्मशाला शुरूआती पॉइंट है। यहां कई नदियों व झरनों में एंगलिंग व फिशिंग का मजा लिया जा सकता है। यहां का नजदीकी एयरपोर्ट गगला है, जिसकी यहां से दूरी 13 किलोमीटर है।

की जा सकती है। यहां आपको साफ-सुथरे आवास की सुविधा भी मिलेगी। मेडिटेशन सीखने के बाद नेचुंग मोनेस्ट्री में 3किलोमीटर बना म्यूजियम देख सकते हैं। नोबरलिंगा इंस्टीट्यूट में आप नए आर्टिस्ट्स को थंगका पेंटिंग्स सीखते देख सकते हैं। अगर आप दाल, चावल, रोटी और सैंडविच खाकर बोर हो गए हैं तो यहां आप बेहतरीन तिब्बती खाने का मजा ले सकते हैं।

यहां के कई रेस्तरांओं में आपको लजीज मोमोज व थुक्पा खाने को मिलेंगे। खाने का लुत्फ लेने के बाद आप लंबी वॉक, ट्रेकिंग और खूबसूरत नजारों में पिकनिक का मजा ले सकते हैं। यहां से 8 किलोमीटर आगे आपको ब्रिटिश राज का मेमोरियल चर्च ऑफ सेंट जॉन-इन-द विल्डरनेस देख सकते हैं। इसे ब्रिटिश वायसरॉय लॉर्ड एलगिन के नाम पर बनाया गया है। निचले धर्मशाला में बना कांगड़ा आर्ट म्यूजियम कांगड़ा के सालों पुराने इतिहास को दिखाता है।

म्यूजियम की एक गैलरी में आपको कांगड़ा की मशहूर पेंटिंग्स, स्कल्पचर्स, मिट्टी के बर्तन और एंथ्रोपॉलजी से जुड़ी तमाम चीजें देखने को मिलेंगी। धर्मशाला के एंट्री पॉइंट पर आपको एक वॉर मेमोरियल देखने को मिलेगा, जिसे स्वतंत्रता की लड़ाई में शहीद होने वाले जवानों की याद में बनवाया गया है। धर्मशाला में धर्मकोट व डल लेक जैसे पिकनिक स्पॉट्स भी हैं और यहां सितंबर के महीने में हर साल एक बड़ा मेला भी लगता है।

इसी के पास भगसुनाथ की श्राइन भी है। इस पुराने मंदिर के पास से बहते ताजे पानी से झरने इस जगह को एक अलौकिक नजारा बना देते हैं। देवी कुणान पथरी को समर्पित मंदिर, ततवानी के गर्म पानी के झरने और मछरैल के बड़े वॉटरफॉल भी देखने लायक जगहें हैं। अगर वुड वर्क में दिलचस्पी रखते हैं तो नॉरबुलिंका इंस्टीट्यूट जरूर जाएं। यहां हो रहे काम की आर्ट को देखकर निश्चित तौर पर आप हैरान रह जाएंगे। स्वामी चिन्मानंद द्वारा बनाया गया चिन्मय तपोवन भी एक दर्शनीय जगह है। बिंदु सारस के किनारे बसे इस आश्रम में आपको नौ मीटर ऊंची हनुमान जी की मूर्ति, राम मंदिर, मेडिटेशन हॉल वगैरह दिखेंगे।

धौलधार की पहाड़ियों में ट्रैकिंग व रॉक क्लाइबिंग जाने के लिए धर्मशाला शुरूआती पॉइंट है। यहां कई नदियों व झरनों में एंगलिंग व फिशिंग का मजा लिया जा सकता है। यहां का नजदीकी एयरपोर्ट गगला है, जिसकी यहां से दूरी 13 किलोमीटर है। यहां से नजदीकी रेलवे स्टेशन पठानकोट है, जहां से धर्मशाला 85 किलोमीटर की दूरी पर है। सड़क मार्ग से यहां चंडीगढ़, कीरतपुर और बिलासपुर होते हुए पहुंचा जा सकता है। तिब्बती नए साल यानी मार्च के आस-पास यहां बहुत टूरिस्ट आते हैं। वैसे, मई से अक्टूबर के बीच ट्रैकिंग सीजन रहता है। धर्मशाला में हैंडीक्राफ्ट मसलन तिब्बती कार्पेट, टेक्स्टाइल, ट्रडिशनल, हैट्स, बैग्स, ट्राउजर्स, मेटलवर्क, जूलरी, जैकेट व हाथ से बने कार्डिगन आदि के शौकीनों के लिए ढेर सारी जगहें हैं।

विज्ञान के आधार पर कसरत के फैक्ट

वर्जिश या एक्सरसाइज का चलन हाल के दिनों में काफी बढ़ा है। लोगों में सेहत के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है और फिट रहने की चाहत भी। कसरत के बारे में कई तरह के मिथक हैं।

एक्सरसाइज के समय संगीत सुनने का असर : बहुत से लोग वर्जिश के वक्त संगीत सुनना पसंद करते हैं। उनका मानना है कि इससे थकान कम होती है। दौड़ने वालों को वर्जिश के दौरान संगीत सुनने से ज्यादा फायदा होता है। टॉम स्टैर्फड ने इस बारे में लिखा है कि इसका कारण हमारे दिमाग में है, मांसपेशियों में नहीं। दिमाग का वो हिस्सा ''कॉर्टेक्स' है जो मांसपेशियों को सिग्नल देता है। संगीत सुनने से दिमाग से सिग्नल सप्लीमेंटरी मोटर एरिया को मिलता है और संगीत की लय-ताल उस प्रक्रिया में मदद करती है जिससे हमारा शरीर हरकत में आता है।

वर्जिश से आईक्यू बढ़ता है : ये धारणा काफी हद तक सही है कि कसरत से बौद्धिक क्षमता बेहतर होती है। स्कूल पैदल चलकर जाने वाले बच्चों की एकाग्रता बेहतर होती है और इम्तहान में उनके अच्छे नंबर भी आते हैं। इसी तरह, कई बुजुर्ग जो हल्की कसरत करते हैं और चलते-फिरते रहते हैं, उनमें दिमागी कमजोरी होने का खतरा अन्य बुजुगरे के मुकाबले आधा होता है। मतलब साफ है। जब आप वर्जिश करते हैं, तो आपके दिमाग तक खून की सप्लाई भी ज्यादा होती है। इससे दिमाग की तंत्रिकाओं का विकास होता है। ये हमारी बौद्धिक क्षमता भी बढ़ाता है और दिमाग के स्वस्थ रखने के लिए जरूरी भी होता है।

क्या वर्जिश से पहले स्ट्रेचिंग जरूरी है : अक्सर लोग कहते हैं कि भारी भरकम एक्सरसाइज से पहले थोड़ा स्ट्रेचिंग कर लें। मतलब, हाथों-पैरों की जकड़न दूर कर लें। स्ट्रेचिंग, यानी हाथ पैर फैलाकर, थोड़ा झटककर, जकड़न दूर करना, ताकि आपका शरीर भारी वर्जिश के लिए तैयार हो सके। दावा ये किया जाता है कि स्ट्रेचिंग करने से वर्जिश के दौरान चोटिल होने का खतरा कम हो जाता है।

हम नौ सेकेंड से कम समय में 100 मीटर दौड़ सकेंगे : दौड़ने की एक्सरसाइज करने वाले हर इंसान में इतना तेज दौड़ने की ताकत नहीं होती। मगर, रनिंग के शौकीन चाहते हैंकि वो ऐसा ही कोई टारगेट हासिल कर सकें। दौड़ने में आपकी रफ्तार इस बात पर टिकी होती है कि आप जमीन पर पैर रखते समय कितना जोर जमीन पर लगाते हैं। वैसे, रफ्तार का सीधा ताल्लुक हमारी पिंडलियों से होता है।

क्या दौड़ने वाले कुछ खास जूते होते हैं : स्पोर्ट्स शूज बनाने वाली कंपनियां अक्सर दावे करती हैं कि उनके जूते से आपके लिए दौड़ना आसान होगा। आज बाचार में कई तरह के स्पेशल रनिंग शूज मिलते हैं। पर तमाम रिसर्च से ये बात साफ हो चुकी है कि रनिंग एक्सरसाइज में जूतों का कोई खास रोल नहीं। आपको जो भी आरामदेह लगे, वो जूता पहनकर दौड़िए या एक्सरसाइज कीजिए। स्पोर्ट्स शूज बनाने वाली कंपनियां तो दावे करती रहेंगी।

क्या क्रैम्प शरीर में नमक की कमी की वजह से होते हैं : ज्यादा खेल-कूद करने वाले अक्सर मांशपेशियों की ऐंठन से परेशान होते हैं। इसका अंग्रेजी शब्द ''क्रैम्प' है जो काफी चलन में है। वैज्ञानिकों ने अमेरिका के फुटबॉल खिलाड़ियों में ऐसा देखा कि गर्मी में क्रैम्प ज्यादा होते हैं। पसीने के कारण शरीर में नमक की कमी हो जाने से ऐसा होता है। लेकिन, सर्द मौसम में एक्सरसाइज करने वालों को भी यही दिक्कत होती है। इसलिए ये दावा गलत साबित हुआ। मतलब साफ है। एक्सरसाइज की वजह से होने वाली ऐंठन, नमक की कमी का नतीजा नहीं है। ना ही इसका गर्मी से कोई ताल्लुक है।

क्या कसरत करके डिप्रेशन से बच सकते हैं : अक्सर लोग दावे करते हैं कि डिप्रेशन से बचना हो तो वर्जिश करो, योग करो, दौड़ो, खेलो-कूदो। सेहत के बारे में रिसर्च जमा करने वाली अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संस्था ''कॉकरेन' ने इस बारे में कई देशों से 30 ट्रायल किए हैं। पता चला है कि एक्सरसाइज आपको डिप्रेशन से बचने में बेहद मामूली तौर पर ही मददगार साबित होती है। वैसे सेहत के लिए वर्जिश अच्छी है। मगर ये सोचना कि डिप्रेशन से भी निपटने में मदद मिलेगी, ऐसा नहीं है।

हर मिनट में होती है एक तपेदिक रोगी की मौत

नई दिल्ली। देश में एक ऐसा ''खूंखार आतंकी' मौजूद है, जो यहां हर रोज लगभग 1000 लोगों की जान ले लेता है। यह हर मिनट एक व्यक्ति की मौत के बराबर है। इस हिंसक पशु को बांधकर रखने के लिए कोई जेल भी नहीं है। यह भारत की लगभग आधी जनसंख्या तक पहुंच चुका है। यह आपके शरीर की प्रतिरक्षा कम होने पर हमला करने के लिए तैयार रहता है। तपेदिक बैक्टीरिया नामक यह खौफनाक हत्यारा अपने हाथ में कोई राइफल लेकर नहीं चलता लेकिन इसका धीमा जहर हर साल लगभग पांच लाख भारतीयों को तपेदिक का शिकार बना देता है।

तपेदिक की चपेट में आ सकने वाले 50 करोड़ से ज्यादा लोगों की देखभाल के लिए सरकार ने 1640 करोड़ रूपए आवंटित किए हैं, जो इस खूंखार आतंकी पर काबू पाने के लिए समुद्र में एक बूंद के समान है। इसके विपरीत भारत सरकार 36 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के लिए 58 हजार करोड़ रूपए से ज्यादा खर्च करने की उम्मीद कर रही है। हर लड़ाकू विमान की कीमत लगभग उतनी ही राशि है, जितनी भारत वार्षिक तौर पर पांच लाख तपेदिक मरीजों के इलाज पर खर्च करता है।

तपेदिक के खिलाफ जारी जंग में सारी उम्मीदें खत्म नहीं हुई हैं। बेंगलुरू स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) ने टीबी बैक्टिरिया के उस बेहद सुरक्षित खुफिया तंत्र का तोड़ निकाल लिया है, जो धीमी गति से विकसित होने वाले इसके जीव पर हमला बोलने में इस्तेमाल की जा रही दवाओं को पहचान लेता है। यहां उम्मीद यह है कि यदि यह पता लगा लिया जाता है कि तपेदिक बैक्टीरिया उसको मारने के लिए इस्तेमाल की जा रही दवाओं का पता लगाकर कैसे उनका प्रतिरोधी हो जाता है तो इससे निपटना ज्यादा आसान हो जाएगा।

किसी आतंकी संगठन की जड़ों पर वार करने के लिए जरूरी है उसकी अंदरूनी और विश्वसनीय जानकारी हासिल करके उसके खत्म किया जाए। तपेदिक बैक्टीरिया भी तो ऐसा ही करता है। वह चुपचाप हमारे शरीर में छिप जाता है और मौका मिलते ही वार करता है। आईआईएससी, बेंगलुरू के मॉलेक्यूलर रीप्रोडक्शन, डेवलपमेंट एंड जेनेटिक्स डिपार्टमेंट के सहायक प्रोफेसर दीपक कुमार सैनी तपेदिक बैक्टीरिया की उस संकेतक प्रक्रि या को समझने की कोशिश कर रहे हैं, जिसके कारण यह अपराजेय हो जाता है। वह यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि तपेदिक बैक्टीरिया यह कैसे पता लगा लेता है कि उसे मारने के लिए कोई नयी दवा इस्तेमाल की जा रही है। वह यह भी जानने की कोशिश कर रहे हैं कि प्राचीन समय से चला आ रहा यह जीव दवा प्रतिरोधी कैसे हो जाता है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि तपेदिक बैक्टीरिया इसलिए बना रहता है क्योंकि यह शरीर के माहौल को भांप लेता है और खुद को उसके अनुकूल ढाल लेता है। सैनी की प्रयोगशाला तपेदिक बैक्टीरिया का माहौल भांपने, प्रतिक्रि या देने और इसके अनुकूल खुद को ढालने की आणविक प्रक्रिया को समझने के लिए काम कर रही है। हालिया शोध पत्र में सैनी ने कहा कि बिल्कुल शुरू से बताएं तो किसी भी संकेतक पण्राली के काम करने के लिए कम से कम दो घटक जरूरी हैं। इनमें से एक सिग्नल को प्राप्त करने के लिए होता है और फिर इसे यह सिग्नल दूसरे को स्थानांतरित करना होता है।इस संकेतक पण्राली में दो प्रोटीन अवयव होते हैं, जो सिग्नल प्राप्त करने या भेजने का काम करते हैं। पहला ''ग्राही' अणु है, जिसे सेंसर किनासे (एसके) कहते हैं। यह कोशिकाओं के चारों ओर मौजूद बाहरी झिल्ली पर मौजूद रहता है और पर्यावरण की विभिन्न परिस्थितियों से जुड़ा उद्दीपन ''प्राप्त' करता है।

टाइम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बनें। शुभांक-3-6-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचे तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-6-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्यायधिक्य का अवसर आ सकता है। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-6-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-6-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। सुविधाओं में शनै:-शनै: बाधा आएगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। शुभांक-3-5-6

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। परिवार में अशांति रहेगी। शुभांक-1-4-5

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-2-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ द दो चा ची

यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

कुत्ते का मालिक- साहब यह कुत्ता लाखों में एक है।

ग्राहक- कौन जाने यह वफादार होगा भी या नही ?

कुत्ते का मालिक- इसकी वफादारी क्या पूछते है आप। अब तक बीस बार बेच चुका हूं। हर बार वापिस आ जाता है।

□ □ □

जज- अगर तुम झूठ बोलोगे तो कहां जाओगे ?

अपराधी- जी नरक में।

जज- अगर तुम सच बोलोगे तो ?

अपराधी- जी, जेल में।

□ □ □

एक दर्जी ग्राहकों के कपडे लेकर भाग गया।

ग्राहक- अरे वह मेरी पतलून लेकर भाग गया

दूसरा- हाय, वह मेरी शर्ट ले गया।

तीसरा- अरे जनाब, वह मेरी नाप ही ले गया। अब मैं कपडे कैसे सिलवाऊंगा।

□ □ □

पिता(बेटे से)- पता है जब जवाहर लाल नेहरू तुम्हारी उम्र के थे तो क्लास के मॉनीटर थे।

बेटा- और जब वह आपकी उम्र के थे तो भारत के प्रधानमंत्री थे।

काकुरो पहेली - 4080

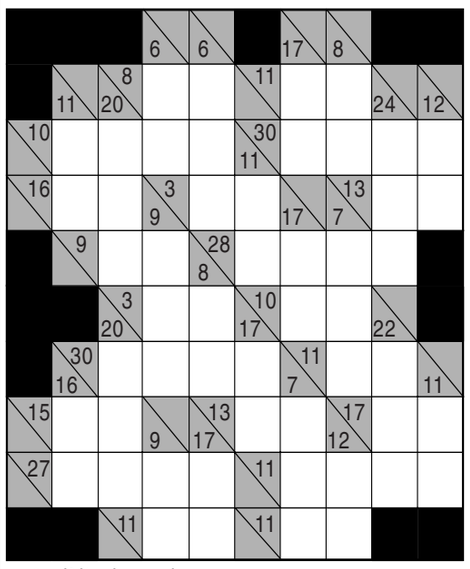

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 4079 का हल

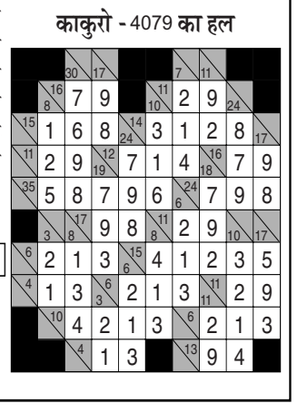

फिल्म वर्ग पहेली- 4080

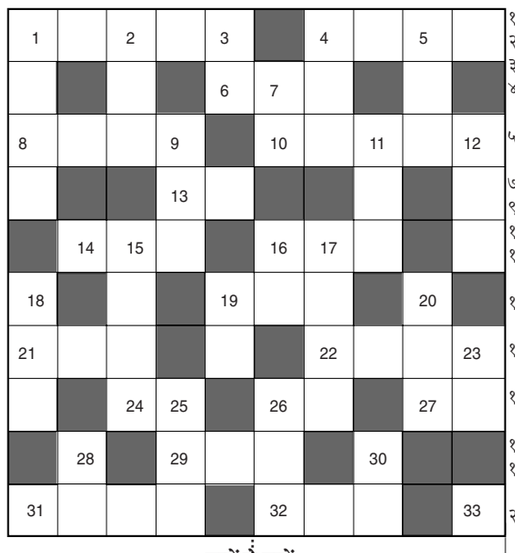

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरे गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो रह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4079

क्या	क	ह	ना		ज	ग		मि	
	सू		रा	जा	जी		हे	ल	न
अ	र	बा	ज		र	ह	मा	न	
भि		गी		अ		व			चा
मा	ला		दे	व		स	सु	रा	ल
न		डॉ		ता	ल		हा		बा
	जा	न	व	र		र	ग	बा	ज
दि	ल		र		गैं	ग		जी	
ल		अं	दा	ज			सं	ग	म
गी	त		न		कां	टे		र	

सूडोकु -4080

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4079 हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्द पहेली - 4080

बाएँ से दाएँ

1. पवनपुत्र,हनुमान-3,3
5. मजार-4
8. बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9. तहजीब,तमीज-3
10. सत्य,तेज-2
11. पतंगा-4
12. ईसाई साध्वी-2
14. इंकार करना-4
16. उत्तम,आदर्शवादी-3
18. रोमांच,उद्वेग-4
20. पागलपन,सनक-5
23. पालन-पोषण-5
26. आनंद लेना-2,2
27. बेईमानी,अमानत में खयानत-3
29. अप्रधान,गौण-4
30. ठाठ-बाट-2
32. अति काला,एक प्रकार की लकड़ी-4
33. रहस्य-2
35. गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36. कमरा,रूम-2
37. जल में रहने वाला-4
38. धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे

1. पलायन करने वाला-6
2. जंगल-2
3. दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4. जिव्हा,जीभ-3
5. घर,भवन-3
6. यात्री गाड़ी-2
7. चौबीस घंटे का समय-4
11. परीक्षण करना-4
13. भीगा हुआ-2
15. खीजना-4
17. उपस्थिती-3
18. रोमांच,उद्वेग-4
19. संपत्ति-2
21. उचित,सही-3
22. पंख,पराया-2
24. देश निर्वासन-4
25. अंगरक्षक-3,3
27. हाथी-4
28. मद,सरूर-2
29. अनुसार,समान-4
31. निगाह,दृष्टि-3
32. हथियार-3
34. पानी,नीर-2
36. सिगरेट का धुआं खींचना,सुट्टा-2

शब्द पहेली 4079 का हल

उ	प	चा	र		मि		वि	रा	स	त
	र		धु		ग	द	र		ही	न
क			व	रा	ह		ह			हा
म	हा	वी	र		बा	ल		क	मा	ई
जो		रा		ना	न		श		ख	
र	म	णी	य	ता		भा	व	ही	न	ता
	न		म		ज	ल		ट		र
अ	का	ल		शू	ल		नी	र	व	ता
प			न		प्र	ख	र			र
रा	ल		म	हु	बा		स		मी	
ध	ड़	क	न		ह		ता	र	त	म्य

भावनगर के लोको पायलट की सतर्कता से 13 शेरों की जान बची

एजेंसी

भावनगर। पश्चिम रेलवे में गुजरात के भावनगर रेलवे मंडल के लोको पायलट की सतर्कता से अप्रैल और मई दो महीनों में 13 शेरों की जान बची है। मंडल रेल प्रबंधक रवीश कुमार ने बताया कि भावनगर मंडल द्वारा सिंहों को ट्रेन की चपेट में आने से बचाने के लिये विभिन्न उपाय किये गये हैं। लोको पायलटों द्वारा सावधानी रखने की वजह से अप्रैल और मई-2024 मात्र दो महीनों में 13 शेरों को ट्रेन की चपेट में आने से बचाया गया है। लोको पायलटों को उत्कृष्ट कार्य करने के लिये प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मंडल रेल प्रबंधक द्वारा उन्हें अवार्ड भी प्रदान किया जाता है। गहलोत ने सोनिया को कांग्रेस संसदीय दल का नेता चुने जाने पर दी बधाई

गहलोत ने सोनिया को कांग्रेस संसदीय दल का नेता चुने जाने पर दी बधाई

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के कांग्रेस संसदीय दल का नेता चुने जाने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।श्री गहलोत ने रात सोशल मीडिया पर श्रीमती सोनिया गांधी को बधाई देते हुए कहा कि यह राजस्थान के लिए गर्व का विषय है कि श्रीमती सोनिया गांधी हमारे राज्य से राज्यसभा सांसद हैं। उनके नेतृत्व में कांग्रेस सांसद देशवासियों के हक की आवाज मजबूती से बुलंद करेंगे।

राजकोट में डबल ट्रैक कार्य के चलते रेल यातायात होगा प्रभावित

राजकोट। पश्चिम रेलवे में गुजरात के राजकोट मंडल में डबल ट्रैक कार्य के चलते 29 जून तक रेल यातायात होगा। मंडल रेल प्रवक्ता के अनुसार राजकोट मंडल में स्थित राजकोट-खंडेरी-पड़धरी सेक्शन में डबल ट्रैक कार्य के लिए ब्लॉक लिया जायेगा जिसके चलते नौ जून से लेकर 29 जून तक रेल यातायात प्रभावित होगा। प्रभावित होने वाली ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है।

केन-बेतवा लिंक परियोजना के शीघ्र भूमिपूजन के प्रयास जारी - मोहन यादव

भोपाल। मध्यप्रदेश और पड़ोसी राज्य उत्तरप्रदेश के विकास के लिहाज से महत्वाकांक्षी केन-बेतवा लिंक परियोजना के संदर्भ में आज मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि इस परियोजना के शीघ्र भूमिपूजन कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ यादव ने यहां अपने निवास पर पत्रकारों से चर्चा के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लगभग 45 हजार करोड़ रुपयों की लागत वाली केंद्र सरकार की इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए उत्तरप्रदेश सरकार के साथ ही केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय और मध्यप्रदेश के बीच त्रिपक्षीय सहमति ज्ञापन पर तीन वर्ष से अधिक समय पहले हस्ताक्षर हो चुके हैं। यह परियोजना बुंदेलखंड अंचल के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है और इसे अगले एक दशक के अंदर पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है।

डॉ यादव ने कहा कि इस परियोजना के संबंध में प्रयास किए जा रहे हैं कि इसका भूमिपूजन शीघ्र हो जाए, ताकि आगे का काम भी और तेज गति से हो सके। परियोजना के पहले और दूसरे चरण से मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड अंचल के दस जिलों छतरपुर, पन्ना, दमोह, टीकमगढ़, निवाड़ी, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, सागर और विदिशा जिले के कुल 1900 गांवों में आठ लाख हेक्टेयर क्षेत्र में वार्षिक सिंचाई सुविधा प्राप्त हो सकेगी। इसके साथ ही 41 लाख की आबादी को पेयजल की सुविधा मिलेगी।

नयी खेल नीति का उद्देश्य खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देना-सुक्खू

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने यहां कहा कि राज्य सरकार ने विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि ओलम्पिक, शीतकालीन ओलम्पिक तथा पैरालम्पिक प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि तीन करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये कर दी गई है। इसी प्रकार रजत पदक विजेताओं को अब दो करोड़ रुपये के स्थान पर तीन करोड़ रुपये तथा कांस्य पदक विजेताओं को एक करोड़ रुपये के स्थान पर दो करोड़ रुपये दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि एशियाई खेलों तथा पैरा एशियाई खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए स्वर्ण पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि में उल्लेखनीय वृद्धि करते हुए इसे 50 लाख रुपये से बढ़ाकर चार करोड़ रुपये कर दिया गया है। रजत पदक विजेताओं को अब 30 लाख रुपये के स्थान पर 2.50 करोड़ रुपये तथा कांस्य पदक विजेताओं को 20 लाख रुपये के स्थान पर 1.50 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त राष्ट्र मण्डल खेलों तथा पैरा राष्ट्र मण्डल खेलों में गौरव हासिल करने वाले खिलाड़ियों को भी संशोधित पुरस्कार योजना का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए 50 लाख रुपये के स्थान पर तीन करोड़ रुपये, रजत पदक विजेताओं को 30 लाख रुपये के स्थान पर दो करोड़ रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को 20 लाख रुपये की जगह एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दी है।

जम्मू-कश्मीर स्थानीय आतंकवाद से विदेशी आतंकवाद की ओर बढ़ रहा है: डीजीपी

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आर. आर स्वैन ने कहा कि इस केंद्र शासित प्रदेश में शांति का माहौल खराब न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों को कुछ असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी होगी।

स्वैन ने पुलवामा जिले में संवाददाताओं से कहा, ''जब शांति का माहौल होगा, तभी चुनाव हो सकेंगे और लोग बिना किसी भय के मतदान कर सकेंगे। हम यही माहौल बनाए रखना चाहते हैं। कभी-कभी हमें (ऐसा करते समय) आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ता है।'' उन्होंने कहा, ''यह सुनिश्चित करने के लिए कि सड़कों पर शांतिपूर्ण माहौल बना रहें, हमें कुछ लोगों के खिलाफ सख्त होना होगा। पुलिस, परिभाषा के अनुसार,

कानून लागू करने वाली संस्था है।'' स्वैन ने कहा कि हर व्यक्ति इस बात से संतुष्ट है कि हाल में जम्मू कश्मीर में लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए और मतदान का प्रतिशत काफी अधिक रहा। उन्होंने कहा, ''हम सभी इस बात से संतुष्ट हैं कि चुनाव शांतिपूर्ण रहे और मतदान प्रतिशत भी अधिक रहा। यह एक अच्छी शुरुआत है और हम चाहते हैं कि इससे एक सकारात्मक बदलाव आए।''

जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकवादियों के बारे में पूछे जाने पर पुलिस प्रमुख ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में स्थानीय आतंकवादियों की संख्या घट रही है, लेकिन 70 से 80 विदेशी आतंकवादी सक्रिय हैं। स्वैन ने कहा, ''हमारे सामने अब स्थानीय आतंकवाद की जगह विदेशी आतंकवाद आ रहे हैं। स्थानीय आतंकवाद का मतलब है कि स्थानीय लड़के इसमें शामिल हो जाते हैं। उनकी संख्या में कमी आई है। हमारा प्रयास समाज की मदद से यह सुनिश्चित करना रहा है कि कोई भी स्थानीय लड़का आतंकवादियों से न जुड़ेज़ इन प्रयासों के कारण स्थानीय आतंकवादियों की संख्या में कमी आई है, जिसके परिणामस्वरूप लोगों की जान बची है और हिंसा में कमी आई है।''पुलिस अधिकारी ने कहा, ''70 से 80 विदेशी आतंकवादी यहां आ चुके हैं। वे लगातार यहां आने की कोशिश कर रहे हैं और जब वे आते हैं, तो अपने साथ बंदूकें और आईईडी लेकर आते हैं। कुछ समय पहले उन्होंने बिजली के खंभे उड़ाने की कोशिश की थी। वे पैसे, स्कूल या अस्पताल लेकर नहीं आते।'' स्वैन ने कहा कि कुछ स्थानीय लोग हैं जो उन्हें शरण देते हैं और एक जगह से दूसरी जगह ले जाते हैं। उन्होंने कहा, ''हमें उनके खिलाफ कार्रवाई करनी होगी ताकि दूसरे लोग सुरक्षित रहें।''

महाराणा प्रताप के संदेश को पूरी दुनिया तक पहुंचाना हमारी सरकार का लक्ष्य-भजनलाल

एजेंसी

उदयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के संदेश को पूरी दुनिया तक पहुंचाना राज्य सरकार का लक्ष्य बताते हुए कहा है कि सौ करोड रूपए के बजट से महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकसित किया जाएगा। श्री शर्मा शनिवार उदयपुर के टाईगर हिल स्थित प्रताप गौरव केंद्र, राष्ट्रीय तीर्थ परिसर में आयोजित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती समारोह के उद्घाटन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप न केवल राजस्थान और भारत अपितु पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उनकी वीरता, शौर्य और देशभक्ति को काल और भौगोलिक सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता है। महाराणा प्रताप के जीवन से विषम परिस्थितियों में भी पीछे नहीं हटने तथा सदैव, सत्य, धर्म और राष्ट्रहित के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती

है। महाराणा प्रताप के संदेश को पूरी दुनिया तक पहुंचाना हमारी सरकार का लक्ष्य है और इस दिशा में 100 करोड़ रूपए की लागत से महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकसित किया जा रहा है।

मोदी नीत राजग सरकार ज्यादा दिन नहीं टिकेगी : ममता

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कहा कि 'देखो और इंतजार करो' केंद्र में श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ज्यादा दिन नहीं चल पाएगी क्योंकि देश और देश की जनता को बदलाव की जरूरत है। सुश्री बनर्जी ने कालीघाट निवास कार्यालय में पार्टी के नवनिर्वाचित सांसदों और जिला अध्यक्षों की बैठक में तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष के रूप में फिर से चुने जाने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, देश को बदलाव की जरूरत है, हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं। देखते हैं यह राजग सरकार कितने दिनों तक चलती है। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने दोहराया कि आज इंडिया समूह ने सरकार बनाने का दावा नहीं किया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कल ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जनादेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ था और 'नरेंद्र मोदी को अब प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहिए।' मुख्यमंत्री ने एग्जिट पोल को बड़ा घोटाला करार दिया और जांच की मांग की तथा भाजपा के 400 सीटें पार करने के दावे की जमकर आलोचना की। उन्होंने पूरे देश में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी), नागरिकता संशोधन अधिनियम(सीएए) और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में राज्य की कुल 42 सदस्यों में से 29 सदस्यों के साथ तृणमूल कांग्रेस अब संसद में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है।

सुश्री बनर्जी ने कहा, इतने बड़े दावे के बाद भी भाजपा बहुमत हासिल करने में विफल रही है।÷मुख्यमंत्री ने चुनाव आयोग (ईसी), चुनाव पर्यवेक्षकों को भाजपा के पक्ष में उनकी कथित

पक्षपातपूर्ण नीति के लिए दोषी ठहराया और दावा किया कि मेदिनीपुर (तमलुक और कांथी) की दो सीटों पर जमकर धांधली हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कुछ और सीटें थीं जहां भाजपा उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए चुनावों में खुलेआम धांधली की गई थी। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने दावा किया, ÷श्री मोदी का इरादा दो-तिहाई बहुमत हासिल करने का था। भाजपा हालाँकि बहुमत के आंकड़े को भी पार नहीं कर पाई। भाजपा बहुमत के लिए 272 सीटों के आसपास भी नहीं पहुंच सकी हैं। बिना दो-तिहाई बहुमत के बिना भाजपा संविधान में संशोधन कैसे करेगी। सुश्री बनर्जी ने दावा किया कि पिछली बार भाजपा ने बिना चर्चा के विधेयक पारित किए थे, लेकिन इस बार ऐसा नहीं कर पाएंगे। इससे पहले बैठक में आज सुश्री बनर्जी को तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल का अध्यक्ष फिर से चुना गया। पार्टी ने कोलकाता उत्तर से सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय को पार्टी का नेता, काकोली घोष दस्तीदार को उपनेता और कल्याण बनर्जी को संसद के निचले सदन का मुख्य सचेतक चुना। इसके साथ ही राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ%ब्रायन को राज्यसभा में पार्टी का नेता चुना गया है, सागरिका घोष को उपनेता और नदीमुल हक को उच्च सदन में मुख्य सचेतक नियुक्त किया गया है।

मुख्यमंत्री ने विजयी उम्मीदवारों विशेष रूप से युसूफ पठान, रचना बनर्जी, मिताली बाग, जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया जैसे नए उम्मीदवारों को चुनाव में जीत हासिल करने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह जीत 21 जुलाई के शहीद को समर्पित है और उन्होंने लोकसभा चुनाव 2024 में मां माटी मानुस को भारी समर्थन देने के लिए राज्य की जनता को धन्यवाद दिया।

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में राज्य की 42 संसदीय सीटों में से तृणमूल कांग्रेस ने 29 सीटों पर जीत हासिल की और भाजपा 12 सीटों पर सिमट कर रह गयी तथा कांग्रेस का एक सीट से ही संतुष्ट होना पड़ा है।

ओडिशा में पोंजी फर्म निदेशक 123 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने निवेशकों से 123 करोड़ रुपये की

धोखाधड़ी के आरोप में एक कंपनी के निदेशक तुषार भांजो को पश्चिम बंगाल के हरिदेवपुर पुलिस थाने के अंतर्गत उसके आवास से गिरफ्तार किया है। ईओडब्ल्यू सूत्रों ने कहा आरोपियों ने ओडिशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, असम, त्रिपुरा, महाराष्ट्र और यहां तक ??कि बंगलादेश के लगभग 34,000 निवेशकों के साथ धोखाधड़ी की थी।

पर्यावरण संरक्षण हेतु ट्रेनी आईएफएस अधिकारियों ने निकाली साइकिल रैली

एजेंसी

देहरादून। इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर की जा रही गतिविधियों की श्रृंखला में, 55वें आरआर के भारतीय वन सेवा परिवीक्षार्थियों (ट्रेनी आईएफएस ऑफिसर्स) द्वारा 14 किमी की साइकिलिंग का आयोजन किया गया।

इस रैली का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए पर्यावरण-अनुकूल आदतों को बढ़ावा देना था। साथ ही, इसके माध्यम से साइकल को अपनाने का संदेश भी दिया गया। जो न केवल कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने का माध्यम है, अपितु यह एक स्वाथ्यवर्धक जीवनचर्या को भी बढ़ावा देती है।

अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले इन ट्रेनी आईएफएस ने संदेश दिया कि जलवायु परिवर्तन को रोकने की दिशा में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को अपनाने, प्लास्टिक के उपयोग में

कमी जाने तथा ऊर्जा संरक्षण जैसे छोटे-छोटे कदमों से हम पृथ्वी को भविष्य की पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने के लिए बड़े बदलाव ला सकते हैं।

इसमें हर किसी का छोटे-से-छोटा प्रयास भी महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। उल्लेखनीय है कि अकादमी द्वारा जून, 2015 में ही अपने परिसर में सिंगल-यूज प्लास्टिक, प्लास्टिक कटलरी, प्लास्टिक स्टेशनरी आदि के प्रयोग को प्रतिबंधित कर दिया गया था। इस संदर्भ में कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी अमित रोहेला ने बताया कि इससे पूर्व पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर अकादमी के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता शपथ ली गई। संपूर्ण कार्यालयों एवं आवासीय परिसर में सफाई अभियान चलाया गया। जिसमें सभी अधिकारियों, कार्मिकों और प्रशिक्षु अधिकारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। अब इस श्रृंखला में पौधारोपण कार्यक्रम तथा संभाषण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर अकादमी के अपर निदेशक, राज कुमार बाजपेयी, अपर प्राध्यापक अमित कुमार, जीपी नरवणे, स्पोर्ट्स अधिकारी कुणाल अंग्रिश, 55वें आरआर के आईएफएस प्रशिक्षु और कर्मचारी उपस्थित थे।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने राहुल गांधी को कहा बच्चा

एजेंसी

इंदौर। चुनाव चुनाव के नतीजे आने के बाद आईएनडीआई गठबंधन कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष बनाने की तैयारी कर रही है। इसको लेकर मध्यप्रदेश नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने राहुल गांधी को बच्चा कहा है। विजयवर्गीय इंदौर में एक बैठक के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। दरअसल, दिल्ली में कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव रखा गया है। मीडिया ने इसे लेकर विजयवर्गीय से सवाल किया था। विजयवर्गीय ने इसका जवाब देते हुए कहा कि वे बच्चे हैं, वहां सभी को लोकसभा में बैठने का उत्साह रहेगा कि पता नहीं कब क्या बोलेंगे और कब हंसी का माहौल हो जाएगा। इस दौरान विजयवर्गीय ने मीडिया से बातचीत करते हुए अलग-अलग मुद्दों पर अपनी बात रखी उन्होंने यह भी कहा कि हमारे लिए प्रधानमंत्री का शपथ समारोह महत्वपूर्ण है। नरेन्द्र मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने जा

रहे हैं। हालांकि, विजयवर्गीय इससे पहले राहुल गांधी की तारीफ भी कर चुके हैं। तीन दिन पहले उन्होंने कहा था कि जनता का जो जनादेश हो, उसे स्वीकार करना चाहिए। राहुल जी ने भी कितनी मेहनत की है। पैदल चले बेचारे। गांव-गांव दौड़ लगाई। जिम-विम भी उन्होंने की।

मप्र के रीवा में दो ट्रकों की भिड़ंत के बाद लगी आग, चार लोग जिंदा जले

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में दुआरी बाईपास के समीप दो ट्रकों के बीच आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद दोनों ट्रकों में आग लग गई। इस हादसे में चार लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। इसके बाद कटर से ट्रक को काटकर शवों को बाहर निकाला जा सका। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना शनिवार शाम करीब 5ः30 बजे चोरहटा थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर हुई। बताया जा रहा है कि एक ट्रक उत्तरप्रदेश के प्रयागराज से सतना की तरफ आ रहा था, जबकि दूसरा ट्रक रीवा से प्रयागराज की ओर जा रहा था। इसी दौरान दुआरी बाईपास पर दोनों ट्रकों के बीच सीधी भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों ट्रक आपस में न केवल चिपक गए और उनमें आग लग गई। जिसके कारण दोनों ट्रकों में सवार चालक परिचालक जिंदा जल गए। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू चलाया।

पुलिस के अनुसार, हादसे के बाद दोनों ट्रकों के केबिन एक-दूसरे

से फंस गए और शार्ट सर्किट के कारण उनमें आग लग गई। मौके पर तीन फायर ब्रिगेड और दो क्रेन मशीन बुलवाई गईं। क्रेन की सहायता से दोनों ट्रकों को अलग कराया, वहीं फायर ब्रिगेड की सहायता से आग पर काबू पाया गया। करीब तीन घंटे चले रेस्क्यू के बाद मौके पर से चार लोगों के शव को बराबद कर लिया गया है, लेकिन शव पूरी तरह से जल गए हैं। रीवा जोन के डीआईजी साकेत पांडे ने बताया कि रीवा बायपास पर हादसा हुआ है। केबिन एक-दूसरे में फंसने के कारण दिक्कत आई। भीड़ ने ट्रक में से कुछ लोगों की चीख सुनी थी। थोड़ी देर बाद आवाज शांत हो गई। ट्रकों में से चार लोगों के शव निकाले गए हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। इनमें तीन लोगों की पहचान हो गई है, जबकि एक व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी है। उन्होंने बताया कि एक ट्रक से तीन शव निकाले गए गए, जबकि दूसरे ट्रक से एक शव रेस्क्यू किया गया है। जिनकी पहचान नहीं हो सकी है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान सविता मुंडा (40) निवासी कैथा गढ़, चेतन मुंडा (19) निवासी कैथा गढ़ और संतोष केवट (33) निवासी महसाव के रूप में हुई है।

ग्रीन कोल प्रोजेक्ट से यूपी को आत्मनिर्भर बनाएगी योगी सरकार

एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार ने भीषण गर्मी में बढ़ती बिजली डिमांड की शत प्रतिशत आपूर्ति करने एवं ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ग्रीन कोल प्रोजेक्ट की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत योगी सरकार द्वारा नोएडा में प्रतिदिन 900 टीपीडी क्षमता वाला प्लांट स्थापित किया जा रहा है, जहां पर कचरे से बिजली का उत्पादन किया जाएगा। इससे स्वच्छ भारत मिशन को भी रफ्तार मिलेगी। इस प्रोजेक्ट से प्रतिदिन 200 टन ग्रीन कोल और 1000 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। बता दें कि स्वच्छ भारत मिशन को गति देने, बिजली सप्लाई को निर्बाध बनाये रखने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने वाली इस परियोजना को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सराहना मिल चुकी है। वेस्ट टू एनर्जी के क्षेत्र में अग्रणी मैकॉबर बीके प्राइवेट लिमिटेड (एमबीएल) का यह प्रोजेक्ट भारत का सबसे बड़ा ग्रीन कोल प्रोजेक्ट है। एनटीपीसी लिमिटेड ने लगभग चार साल नगर निगम के कचरे से टॉरिफाइड चारकोल बनाने की योजना बनाई थी। फिर, इसकी सहायक कंपनी एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड ने मैकॉबर बीके को ईपीसी आधार पर परियोजना प्रदान की। ग्रीन कोल प्लांट की कुल क्षमता 900 टीपीडी कचरा प्रबंधन की होगी। यह संयंत्र 900 टीपीडी म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट (एमएसडब्ल्यू) के इनपुट के साथ 200 टन ग्रीन कोल का उत्पादन करेगा।

मैकॉबर बीके के ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर गौतम गुप्ता ने बताया कि यह परियोजना मेक इन इंडिया पहल का एक प्रमुख उदाहरण है। हम ग्रेटर नोएडा में 900 टीपीडी की क्षमता वाला सबसे बड़ा वेस्ट ग्रीन कोल प्लांट स्थापित करेंगे। कंपनी ने नगरपालिका के ठोस कचरे को पर्यावरण-अनुकूल ग्रीन कोल में परिवर्तित करने के लिए एक अग्रणी समाधान विकसित किया है। स्वदेशी रूप से विकसित तकनीक कचरे को जीवाश्म ईंधन के व्यवहार्य विकल्प में बदल देती है, जिससे अपशिष्ट से संबंधित चुनौतियों का समाधान करते हुए ऊर्जा उत्पादन में एक नई क्रांति आई है। इससे वेस्ट के प्रबंधन की चुनौतियां का समाधान मिलता है।

ऐतिहासिक भोजशाला में 79वें दिन भी जारी रहा एएसआई का सर्वे

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के आदेश पर धार की ऐतिहासिक भोजशाला में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) विभाग का सर्वे 79वें दिन भी जारी रहा। एएसआई के 18 अधिकारियों की टीम 17 श्रमिकों के साथ सुबह आठ बजे भोजशाला परिसर में पहुंची और शाम पांच बजे बाहर आई। यहां टीम ने आधुनिक उपकरणों के जरिए वैज्ञानिक पद्धति से करीब नौ घंटे काम किया। सर्वे टीम के साथ हिंदू पक्ष के गोपाल शर्मा, आशीष गोयल और मुस्लिम पक्ष के अब्दुल समद खान भी मौजूद रहे।

ज्ञानवापी की तर्ज पर जारी एएसआई सर्वे के 79वें दिन भोजशाला के पश्चिम-उत्तर दिशा में कोने में बनी ट्रेंच का नक्शा बनाया गया और इसके बाद उस ट्रेंच को मिट्टी डालकर बंद कर दिया गया। वहीं, उत्तरी भाग में मिट्टी हटाने का काम किया गया। यहां से टीम को पांच पाषाण अवशेष प्राप्त हुए हैं, जिन्हें सर्वे टीम ने अपने संरक्षण में लिया है। वहीं गर्भगृह में खंभों की चित्रकारी की गई। इसके अलावा पुराने अवशेषों की क्लीनिंग-ब्रशिंग के साथ फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी भी की गई। धार में अचानक हुई बारिश

के कारण भोजशाला के आसपास की मिट्टी अब गिली हो गई थी, इसीलिए आज मजदूरों को कम संख्या में बुलाया गया था। बारिश के कारण किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो, इसको लेकर भी व्यापक स्तर पर इंतजाम किए गए थे। सर्वे टीम के साथ मौजूद रहे हिन्दू पक्षकार गोपाल शर्मा ने बताया कि ट्रेंच में से पहले पानी साफ किया गया, फिर पश्चिम उत्तर के कोने में बनी हुई ट्रेंच का नक्शा बनाया गया। उत्तरी भाग में जो मिट्टी हटाने का काम किया गया था, उसमें पांच अवशेष प्राप्त हुए हैं। सर्वे टीम ने उन्हें अपने संरक्षण में लिया है। इसके साथ ही खम्भों और दीवारों के पत्थर पर आकृतियां बनी हुई है, जिसे एएसआई की टीम ने अपने संरक्षण में लिया। गर्भगृह में खंभों की चित्रकारी की गई है, जिसकी फाइनल टचिंग चल रही है।

इंडिया समूह लोकसभा चुनाव का असली विजेता: निरंजन

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी निरंजन ने कहा कि जनता कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व वाले इंडिया समूह को इस लोकसभा चुनाव का असली विजेता मानती है। वैसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेता नरेंद्र मोदी रविवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे।श्री निरंजन ने गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए इस बात पर जोर दिया कि श्री राहुल गांधी एक मजबूत और साहसी नेता के रूप में पहचाने जाते हैं एवं श्री मोदी के लिए एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। उन्होंने श्री मोदी की हालिया टिप्पणियों की आलोचना करते हुए सुझाव दिया कि वह अभी भी संकीर्ण सोच वाले हैं। श्री मोदी ने टिप्पणी की थी कि कांग्रेस दस साल बाद भी 100 सीटें पार नहीं कर पाएगी। श्री निरंजन ने कहा कि जहां श्री मोदी ने तेलंगाना में कांग्रेस की विफलता एवं भाजपा की सीटें बढ़ने की बात कही वहीं उन्होंने यह नहीं बताया कि भाजपा 240 सीटों तक सीमित क्यों रही और उसे पहले की तुलना में कम सीटें कैसे मिली। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा को पिछले चुनावों की तरह पूर्ण बहुमत क्यों नहीं मिला और राजग गठबंधन की सीटें 353 से गिरकर 295 क्यों हो गईं। उन्होंने उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बंगाल में भाजपा को लगे झटके की ओर इशारा किया और वाराणसी में उनके प्रदर्शन पर श्री मोदी से आत्मनिरीक्षण करने का आग्रह किया। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बावजूद फैजाबाद संसदीय क्षेत्र में भाजपा की हार पर भी प्रकाश डाला और भाजपा के भीतर श्री मोदी के नेतृत्व के प्रति बढ़ते असंतोष का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह श्री मोदी की प्रशंसा करके आंतरिक असंतोष को कम करने का प्रयास कर रहे हैं।

तेजी से आगे बढ़ रहा मंकीपॉक्स

डब्ल्यूएचओ ने बताए वायरस को रोकने उपाय

मंकीपॉक्स के अब तक कुल 257 मामले सामने आए हैं जबकि लगभग 120 संदिग्ध मामले हैं। चिंता की बात यह है कि यह अधिकतर उन देशों में फैल रहा है, जहां यह बीमारी आमतौर पर नहीं पाई जाती है। डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि मंकीपॉक्स के प्रसार को रोकने के लिए तीन बातों पर ध्यान देना चाहिए।

जानवरों से इंसानों में फैलने वाले वायरस ने रफ्तार पकड़ ली है और कुल 23 देश इसकी चपेट में आ गए हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने बताया है कि मंकीपॉक्स के अब तक कुल 257 मामले सामने आए हैं जबकि लगभग 120 संदिग्ध मामले हैं। चिंता की बात यह है कि यह अधिकतर उन देशों में फैल रहा है, जहां यह बीमारी आमतौर पर नहीं पाई जाती है। संगठन ने कहा है कि अगर मंकीपॉक्स वायरस बच्चों और इम्यूनोसप्रेस्ड व्यक्तियों जैसे गंभीर बीमारी के उच्च जोखिम वाले समूहों में फैलता है, तो आगे चलकर विकराल रूप ले सकता है। संगठन ने कहा है कि मंकीपॉक्स आपके बच्चों पर भी हमला कर सकता है और उनमें लक्षणों की पहचान करना भी मुश्किल हो सकता है क्योंकि शुरुआती लक्षण चेचक या चिकन पॉक्स के समान होते हैं।

मंकीपॉक्स रोग क्या है?

मंकीपॉक्स चेचक की तरह होने वाली एक एक दुर्लभ वायरल संक्रमण है। यह पहली बार 1958 में अनुसंधान के लिए रखे गए बंदरों में खोजा गया था और 1970 में मंकीपॉक्स का पहला मानव मामला सामने आया था। यह रोग मुख्य रूप से मध्य और पश्चिम अफ्रीका के उष्णकटिबंधीय वर्षावन क्षेत्रों में होता है। यह वायरस पॉक्सविरिडे परिवार से संबंधित है, जिसमेंचेचक रोग पैदा करने वाले वायरस भी शामिल हैं।

बच्चों में मंकीपॉक्स के लक्षण

बच्चे के शरीर में किसी भी बदलाव की निगरानी करना और किसी भी असामान्य लक्षण से सावधान रहना महत्वपूर्ण है। जैसा कि मंकीपॉक्स वायरल बच्चों में पहचाना जाना मुश्किल है। मंकीपॉक्स के कुछ सामान्य शुरुआती लक्षण दिए गए हैं, जिन पर बच्चों को ध्यान देना चाहिए।

- मध्यम से तेज बुखार
- चकते
- शरीर में दर्द
- लिम्फ नोड
- अत्यधिक थकान

मंकीपॉक्स वायरस से बचने के उपाय

- दिन में कई बार बच्चे इ हाथों को 20 सेकंड तक साबुन और पानी से धोएं या सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें
- पशु से मानव में होने संचरण की रोकथाम करें
- मांस को अच्छी तरह से पकाएं
- किसी ऐसे व्यक्ति के संपर्क में आने से बचें, जिसे रैश या बुखार हो
- बीमार रोगी के किसी भी तरल पदार्थ या वस्तु के संपर्क में आने से बचें

मंकीपॉक्स को रोकने के डब्ल्यूएचओ के उपाय

पिछले दो हफ्ते में मंकीपॉक्स 23 देशों में फैल गया है। डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि मंकीपॉक्स के प्रसार को रोकने के लिए तीन बातों पर ध्यान देना चाहिए।

- उन लोगों को सटीक जानकारी देना, जिन्हें मंकीपॉक्स का सबसे अधिक खतरा हो सकता है
- जोखिम वाले समूहों के बीच आगे प्रसार को रोकना
- फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स की सुरक्षा करना

कैसे फैलता है?

मंकीपॉक्स किसी संक्रमित व्यक्ति या जानवर के निकट संपर्क के माध्यम से या वायरस से दूषित सामग्री के माध्यम से मनुष्यों में फैलता है। यह चूहों और गिलहरियों जैसे जानवरों से भी फैलता है। मंकीपॉक्स रोग घावों, शरीर के तरल पदार्थ, श्वसन बूंदों और दूषित पदार्थों जैसे बिस्तर के माध्यम से फैलता है।

स्लो पॉइजन हो सकता है खून में ज्यादा आयरन

आयरन हमारे शरीर के लिए एक जरूरी पोषक तत्व है। बावजूद इसके अधिक मात्रा में इसका सेवन करने से स्वास्थ्य और शरीर को नुकसान हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, अन्य पोषक तत्वों की ही तरह आयरन की मात्रा को भी नियंत्रित करने की जरूरत होती है।

किसी भी चीज का ज्यादा मात्रा में सेवन करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। आयरन के लिए भी यही बात लागू होती है। आयरन एक जरूरी मिनरल है, जो आपके शरीर को ऊर्जा देने और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने के लिए जरूरी है। इसका सीधा सा मतलब है कि आपको रोजाना आयरन की जरूरत है। हालांकि, ऐसे कई लोग भी हैं, जो कम मात्रा में आयरन लेने के कारण आयरन की कमी से जूझते हैं। जहां आयरन की कमी से एनीमिया और थकान हो सकती है, वहीं इसका जरूरत से ज्यादा सेवन करना भी अच्छा नहीं है। सिर्फ इसलिए कि आयरन जरूरी है, इसका मतलब यह नहीं कि आप अधिक मात्रा में इसका सेवन कर सकते हैं। किसी भी पोषक तत्व के सेवन का नियम इसे सही मात्रा में लेना है। जबकि अन्य पोषक तत्वों की तरह इसका अधिक सेवन करना हानिकारक है। यहां तक की जो लोग इसकी ओवरडोज लेते हैं, उनके लिए यह किसी जहर से कम नहीं है। आयरन हीमोग्लोबिन का भी जरूरी हिस्सा है। हीमोग्लोबिन रेड ब्लड सेल्स में पाया जाने वाला एक प्रोटीन है। यह बॉडी के सभी सेल्स तक ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए जिम्मेदार है। एनसीबीई की एक रिपोर्ट के अनुसार, जिन लोगों को अपने आहार में आयरन नहीं मिलता, उनमें आयरन की कमी होने का खतरा बढ़ जाता है। खासतौर से महिलाओं में आयरन की कमी बहुत देखी जाती है।

आयरन को नियंत्रित क्यों करना चाहिए

अपनी बॉडी में आयरन लेवल को नियंत्रित करने के दो कारण हैं। पहला, जरूरी पोषक तत्व होने के कारण आयरन शरीर के कई कामों में बुनियादी भूमिका निभाता है। इसलिए हमें थोड़ी मात्रा में ही इसे लेना चाहिए। वहीं अधिक मात्रा में आयरन जहरीला होता है, इसलिए बहुत अधिक मात्रा में इसके सेवन से बचना भी चाहिए।

कब बन जाता है आयरन जहरीला

आयरन धीरे-धीरे या कभी-कभी अचानक जहरीला हो सकता है। आयरन इसके जरूरत से ज्यादा सेवन के कारण जहरीला हो सकता है खासतौर से तब जब लोग आयरन सप्लीमेंट का ओवरडोज लें या फिर व्यक्ति क्रॉनिक आयरन ओवरलोड डिसऑर्डर से ग्रसित हो। बता दें कि इससे आयरन पॉइजनिंग, हैरिडेट्री हैमोक्रोमेटोसिस जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती है। एक स्टडी के अनुसार, 40 मिग्रा से ज्यादा आयरन का सेवन करने पर आपको मेडिकल हेल्प की जरूरत पड़ सकती है।

आयरन और कैंसर का संबंध

एक स्टडी के अनुसार, आयरन की अधिक मात्रा से जानवर और मनुष्यों दोनों में कैंसर हो सकता है। नियमित रूप से ब्लड डोनेट करने से इस रिस्क को कम करने में मदद मिल सकती है।

बढ़ सकता है इंफेक्शन का खतरा

स्टडी के अनुसार, आयरन ओवरलोड और आयरन की कमी दोनों ही संक्रमण को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार हैं। कई अध्ययन बताते हैं कि आयरन सप्लीमेंट से भी संक्रमण की गंभीरता बढ़ सकती है। जिन लोगों में इंफेक्शन का रिस्क ज्यादा है, उन्हें बहुत सोच समझकर इसका सेवन करना चाहिए। अधिक मात्रा में आयरन हानिकारक हो सकता है। हालांकि, आयरन सप्लीमेंट उन लोगों के लिए फायदेमंद हे, जो आयरन की कमी से पीड़ित हैं। लेकिन उन लोगों के लिए जहर है, जिन्हें आयरन की कमी नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, बिना डॉक्टर की सलाह के आयरन सप्लीमेंट कभी नहीं लेना चाहिए।

मौसमी बीमारियों का रामबाण इलाज है गिलोय

निरोगी काया के लिए गिलोय एक चमत्कारी पौधा है, यह कई बीमारियों को दूर करने में कारागार होता है। इसके पत्ते पान के पत्तों की जैसे होते हैं और इसके सेवन से शरीर स्वस्थ्य रहता है। आइए आज हम आपको यहां बता रहे हैं कि गिलोय किन-किन बीमारियों को दूर करने में मददगार होता है। बता दें कि गिलोय सबसे ज्यादा लाभकारी डायबिटिज के रोगियों के लिए होता है। इसमें हाइपोग्लैसेमिक होता है जो शरीर में शुगर की मात्रा को संतुलित बनाये रखता है। इसी कारण से डायबिटीज के रोगियों को शुगर कंट्रोल करने के लिए गिलोय का सेवन करने की राय दी जाती है। हालांकि बिना डॉक्टर के परामर्श के इसका सेवन नहीं करना चाहिए। अगर गिलोय के पत्तों को पानी में उबालकर आंखों पर रखा जाए तो इससे नेत्र रोग दूर होते हैं और आंखों की रोशनी बढ़ती है। गिलोय में रोगप्रतिरोधक क्षमता होती है इसी कारण से ये छोटी-छोटी बीमारियों को शरीर से दूर रखता है। इसका सेवन करने से सर्दी-जुकाम, गैस, कब्ज और अन्य बीमारियों से बचा जा सकता है।

उम्र बढ़ते ही क्यों होती है पेट में सूजन और भारीपन की समस्या

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है वैसे-वैसे शरीर में कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। चेहरे पर झुर्रियां, सफेद बाल, त्वचा का मुरझाना जैसे बढ़ती उम्र के आम लक्षण हैं। इसी के साथ-साथ लोगों को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी होने लगती हैं। उम्र के एक पढ़ाव पर लोगों को मोतियाबिंद, मांसपेशियों में दर्द, पीठ दर्द, गर्दन दर्द, मधुमेह सहित न जाने कितने ही विकारों का सामना करना पड़ता है। वृद्धावस्था में लोगों की सेहत को प्रभावित करने वाली हेल्थ कंडीशन की एक लंबी लिस्ट में ब्लोटिंग यानी पेट फूलना की भी एक बड़ी समस्या है। आमा भाषा में इसे इसे पेट की सूजन भी कहते हैं। पेट की सूजन को गेस्ट्राइटिस भी कहते हैं और इसके कई बार कोई लक्षण दिखाई नहीं देते लेकिन महसूस होते हैं। यहां हम आपको इस विकार के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

ब्लोटिंग का क्या कारण है?

आमतौर पर सभी एज ग्रुप के लोग समय-समय पर अपने पेट को फूला हुआ महसूस करते हैं। लेकिन एक उम्र के साथ ये समस्या बार-बार होने लगती है। पेट में सूजन तब होती है जब गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट हवा या कहें गैस से भर जाता है। यही गैस हमारे पेट को भरा हुआ, तंग या सूजा हुआ महसूस कराती है। अत्यधिक पेट फूलना और पेट में गड़गड़ाहट सूजन के कुछ अन्य सामान्य लक्षण हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं जिनके बारे में यहां जिक्र है। वृद्ध लोगों के मामलों में इन्हीं फैक्टर्स के कारण बार-बार सूजन होती है।

- बहुत तेजी से भोजन करना
- एक साथ ढेर सारा पानी पी जाना
- धूम्रपान करना
- देर तक च्युइंग गम चबाना
- इरिटेटेड बाउल सिंड्रोम
- कब्ज
- गैस बनना
- फूड सेंसिटिविटी

कुछ विशिष्ट फलों और सब्जियों में फाइबर की मात्रा काफी अधिक होती है जिसे पचा पाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। पेट में फाइबर को पचाने में थोड़ी मुश्किल होती थी, जिससे अक्सर पेट फूलने या सूजन की समस्या हो जाती है। यही वजह है कि वृद्ध लोगों के लिए ठीक से पका हुआ हल्के भोजन करने की सलाह दी जाती है, जिसे वे आसानी से निगल सकें। यदि ये समस्या गंभीर है तो उन्हें ऐसे खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए जो अक्सर सूजन का कारण बनते हैं।

पेट के एसिड में कमी

उम्र बढ़ने के साथ ही पेट में भोजन पचाने वाले एसिड की भी कमी हो जाती है जिससे बुजुर्गों का पेट फूलने लगता है। बता दें कि बुजुर्गों में उम्र बढ़ने के साथ ही फूड को डाइजेस्ट करने वाले एसिड पेप्सिन का उत्पादन लगभग 40 प्रतिशत कम हो जाता है। पेप्सिन की कमी से शरीर के लिए प्रोटीन को तोड़ना मुश्किल हो जाता है, जिससे लोग फूला हुआ महसूस करते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए लोगों को प्रोटीन के एनिमल बेस्ड सोर्स का सेवन कम करना चाहिए। साथ ही उन्हें अपनी डाइट में प्लांट बेस्ड प्रोटीन को शामिल करना चाहिए।

दवाओं का सेवन

कुछ दवाएं भी आपके पाचन संबंधी समस्या के लिए भी जिम्मेदार हो सकती हैं। ब्लोटिंग एस्पिरिन, फाइबर सप्लीमेंट्स और कुछ दर्द निवारक जैसी दवाओं का साइड इफेक्ट हो सकता है। यदि आपको कोई नई दवा दी गई है जिससे पेट फूल रहा है या आप इसे खाने से काफी असहज महसूस कर रहे हैं तो अपने डॉक्टर से सलाह लें।

दूसरी हेल्थ कंडीशन्स

कुछ अन्य स्वस्थ्य स्थितियां जो ज्यादातर बुढ़ापे में उभरती हैं, जो सूजन और बैचेनी का कारण बन सकती हैं।

- इरिटेबल बॉएल सिंड्रोम
- सीलिएक रोग
- क्रोहन रोग
- गैस्ट्रोएसोफेगल प्रतिवाह रोग
- पेट दर्द
- बड़ी आंत में सूजन
- इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज
- मधुमेह

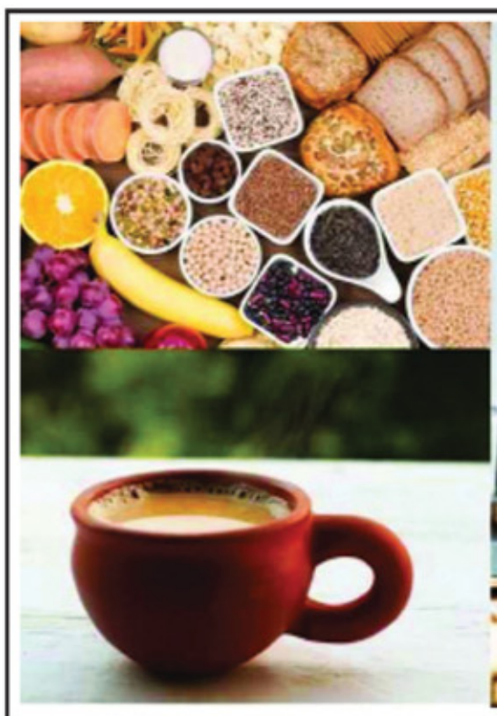

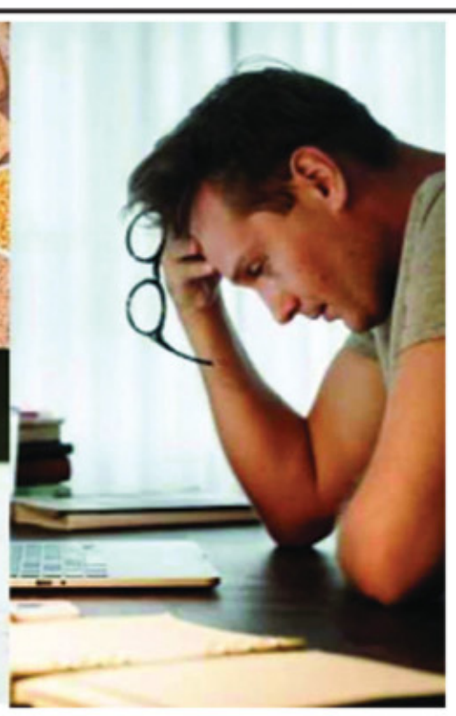

टेंशन और डिप्रेशन बढ़ाते हैं डेली खाए जाने वाले ये फूड

मौजूदा दौर में तनाव, चिंता और अवसाद जैसी मानसिक समस्याएं होना कोई नई बात नहीं है। आधुनिक युग में ये परेशानियां काफी प्रचलित हो गई हैं, खुशी से ज्यादा लोग अब टेंशन में डूबे दिखते हैं। वास्तव में चिंता और तनाव का कोई इलाज नहीं है। क्योंकि ऐसे तमाम लोग हैं जिन्होंने थेराप्यूटिक यानी चिकित्सा का सहारा भी लिया, लेकिन अपने मानसिक स्वस्थ्य को बनाए रखने में असफल हैं। ऐसे में हमें इस समस्या का समाधान खुद से ही खोजना होगा। बहुत कम लोगों को पता है कि डेली रूटीन में खाए जाने वाले फूड आइटम्स भी टेंशन और स्ट्रेस का कारण होते हैं। लिहाजा उन खाद्य पदार्थों के बारे में जानकर चौंकें नहीं, जो तनाव को बढ़ावा देते हैं या मानसिक स्थिति को खराब करते हैं; जिनका आप रोजाना सेवन करते हैं। यहां हम इन ऐसे ही खाद्य पदार्थों की सूची जारी कर रहे हैं जिनके सेवन से आपकी टेंशन और तनाव को बढ़ावा मिलता है।

रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट

हृदय की समस्याओं, मधुमेह या मोटापे के बढ़ते जोखिम का एक सॉलिड रीजन रिफाइंड कार्बोहाइड्रेड है। मानसिक स्वास्थ्य संगठन के एक शोध ने साबित किया कि रिफाइंड चीनी सहित रिफाइंड कार्ब्स के सेवन से चिंता और अवसाद दोनों का खतरा बढ़ जाता है। अगर आप इस समस्या से छुटकारा पाना चाहते हैं तो जल्द ही सफेद आटा, सफेद ब्रेड, सफेद चावल, एगेव चीनी, सिरप, कन्फेक्शनरी प्रोडक्ट्स प्रोसेप्ड स्नैक्स, पास्ता आदि के उपयोग को छोड़ने का प्रयास करें। इनकी बजाए आप हेल्दी आहार के तौर पर ओट्स, ब्राउन राइस, क्विनोआ, अनाज, साबुत ब्रेड या अंकुरित गेहूं के आटे का प्रयोग करें।

चीनी युक्त खाद्य पदार्थ

मीठे खाद्य पदार्थ रक्त शर्करा यानी ब्लड शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव का कारण बन सकते हैं जो हमारे एनर्जी लेवल को भी प्रभावित करते हैं। यहां तक कि मूड को भी इंबैलेंस कर सकते हैं जिससे टेंशन बढ़ती है। इसलिए आपको ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन भी बंद करना चाहिए जिनमें चीनी की अत्यधिक मात्रा हो। प्राकृतिक चीनी के विकल्प में आप एरिथ्रिटोल और याकॉन सिरप से बने प्रोडक्ट्स का उपयोग करने का प्रयास करें। प्राकृतिक फलों और सब्जियों का रस चीनी से बने खाद्य पदार्थों से कहीं बेहतर हैं।

कैफीनयुक्त पेय पदार्थ

कैफीन युक्त ड्रिंक के सेवन से भी चिंता, तनाव और अनिद्रा की समस्या होती है। थोड़ी मात्रा में कैफीन का सेहत पर कोई असर नहीं पड़ता, लेकिन अगर आप इसे अधिक मात्रा में लेते हैं तो जल्द ही चिंता, तनाव का शिकार हो सकते हैं। यह मत भूलिए कि सामान्य चाय, कुछ चॉकलेट और यहां तक कि फ्लेवर्ड केक में भी कैफीन होता है। इसके बजाय आपको हर्बल टी, पुदीना, नींबू या नारियल पानी का विकल्प चुनना चाहिए।

ट्रांस फैट

हर बार जब आप चिप्स या चिकन नगेट्स का पैकेट खोलते हैं, तो याद रखिए इससे आपकी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ सकती हैं। तेल से तले खाद्य पदार्थों की बजाए आपको घी, मक्खन जैसे संतृप्त वसा से बने स्नैक्स का सेवन करना चाहिए।

शराब

शराब लिवर ही नहीं बल्कि पूरे स्वास्थ्य को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। बहुत से लोग ब्रेकअप, मिजाज या गुस्से को दूर करने के लिए शराब का सहारा लेते हैं। वे इसे मूड ठीक करने का एक बढ़िया सोर्स मानते हैं लेकिन इसके विपरीत हमारी सेहत को खराब कर देती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि शराब दिमाग में सेरोटोनिन और न्यूरोट्रांसमीटर की एक्टिविटी को बदल देती है जिससे चिंता बढ़ जाती है। इसकी बजाए आपको मोजितो या मॉकटेल या गैर-अल्कोहल बियर का सेवन करना चाहिए।

अधिक मात्रा में नमक

शरीर में अतिरिक्त सोडियम गुर्दे के साथ-साथ तंत्रिका तंत्र को भी हानि पहुंचा सकता है। नमक मूड विकारों जैसे मूड स्विंग, टेंशन, तनाव और अवसाद, यहां तक कि थकान को भी जन्म दे सकता है। इसलिए नमक का सेवन कम से कम करें।

भारतीय महिला टीम जर्मनी से 2-4 से हारी, एफआईएच प्रो लीग में लगातार सातवीं हार

एजेंसी

लंदन । भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग में लगातार छह हार का क्रम यहां जर्मनी के खिलाफ 2-4 से मैच गंवा कर रोकने में विफल रही। भारतीय टीम दो गोल की बढ़त को बरकरार नहीं रख सकी जिससे उसे प्रो लीग में लगातार सातवीं हार का सामना करना पड़ा। सुनिलिता टोप्पो (नौवें मिनट) और दीपिका (15वें मिनट) ने शुरुआती क्वार्टर में बेहतरीन मैदानी गोल करके हरेंद्र सिंह की टीम के लिए अच्छा मौका बनाया था लेकिन जर्मनी की विक्टोरिया हस (23वें और 32वें मिनट) ने दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर स्कोर बराबर कर दिया।इसके बाद स्टिन कुर्ज (51वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया और फिर 55वें मिनट में जूल ब्लूएल ने मैदान गोल दाग कर जर्मनी की जीत पक्की कर दी। भारत पिछले महीने एंटवर्प में बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ अपने सभी चार मैच हार गया था। टीम को बीते सप्ताहांत यहां जर्मनी (1-3) और ग्रेट ब्रिटेन (2-3) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम रविवार को इस दौरे का आखिरी मैच ब्रिटेन के खिलाफ खेलेगी।

फाइनल में 21 साल की पहलवान से हारीं अंशु मलिक, रजत पदक से करना पड़ा संतोष

एजेंसी

नई दिल्ली। नई भारतीय महिला पहलवान अंशु मलिक फाइनल में अपनी 21 वर्षीय चीनी प्रतिद्वंद्वी केक्सिन होंग के कौशल की बराबरी नहीं कर सकीं और यहां बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज़ के 57 किग्रा वर्ग में रजत पदक से हार गईं। नंबर एक रैंक वाले चीनी खिलाड़ी के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हुए, अंशु 53 किग्रा वर्ग में हांगझोऊ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 1-12 से हारीं। अंशु ने मोल्दोवा की अनास्तासिया निचिता के खिलाफ 6-5 से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में जगह पक्की की थी। जब निचिता 5-4 से आगे थी और घड़ी में केवल 19 सेकंड शेष थे, तब अंशु ने किनारे पर टेकडाउन करके 6-5 की बढ़त हासिल कर करीबी मुकाबला जीता था। इसके बाद उन्होंने विश्व चैंपियन झांग क्यूई को 2-1 से हराकर एक अन्य चीनी खिलाड़ी के साथ खिताबी मुकाबला पक्का किया था। हालांकि, हांग अंशु के खिलाफ बेहतर साबित हुईं। उन्होंने शुरुआती राउंड में 4-1 की बढ़त ले ली और दूसरे राउंड में अपनी क्लास कायम की और 11 सेकंड शेष रहते हुए अजेय बढ़त ले ली। भारत की अंतिम पंघाल ने इससे पहले 53 किग्रा वर्ग में रजत पदक हासिल करने के लिए कड़ा संघर्ष किया था, जबकि स्टार पहलवान विनेश फोगाट 50 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में चीन की जियांग झू से 0-5 से हार गई थीं। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने वाले भारत के एकमात्र पुरुष पहलवान अमन सहरावत ने पहले दिन जापान के री हिगुची से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 1-11 से हारकर रजत पदक जीता था।भारतीय महिला पहलवान अंशु मलिक फाइनल में अपनी 21 वर्षीय चीनी प्रतिद्वंद्वी केक्सिन होंग के कौशल की बराबरी नहीं कर सकीं और यहां बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज़ के 57 किग्रा वर्ग में रजत पदक से हार गईं। नंबर एक रैंक वाले चीनी खिलाड़ी के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हुए, अंशु 53 किग्रा वर्ग में हांगझोऊ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 1-12 से हारीं।

अर्कादियुज़ मिलिक चोट के कारण पोलैंड की टीम से बाहर

एजेंसी

पोलैंड। पोलैंड अपने यूरो 2024 अभियान के लिए अर्कादियस मिलिक के बिना होगा, प्रबंधक मिशल प्रोबिएरज़ ने पुष्टि की कि यूक्रेन पर 3-1 की जीत में स्ट्राइकर को चोट लगी थी। (अधिक फुटबॉल समाचार)जुवेंटस के स्ट्राइकर को घुटने की चोट के कारण स्टेडियम नारोडोवी में अपने मुकाबले के दूसरे मिनट में ही कार्रवाई से हटना पड़ा और मेडिकल स्टाफ द्वारा पिच से बाहर ले जाया गया।ईगल्स बॉस ने पुष्टि की कि 30 वर्षीय खिलाड़ी टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे, पोलिश एफए ने खुलासा किया कि मिलिक मेनिस्कस की समस्या से पीड़ित होने के कारण आर्थोस्कोपिक सर्जरी से गुजरेंगे।स्ट्राइकर पहले भी खुद को इस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति में पा चुके हैं, 2020-21 लीग 1 अभियान के मार्सिले के अंतिम मैच में चोट लगने के कारण यूरो 2021 से चूक गए थे। वह मार्च में एस्टोनिया और वेल्स के खिलाफ पोलैंड के प्ले-ऑफ क्वालीफायर में भी शामिल नहीं थे।पोलैंड अपने यूरो 2024 अभियान के लिए अर्कादियस मिलिक के बिना होगा, प्रबंधक मिशल प्रोबिएरज़ ने पुष्टि की कि यूक्रेन पर 3-1 की जीत में स्ट्राइकर को चोट लगी थी। (अधिक फुटबॉल समाचार)जुवेंटस के स्ट्राइकर को घुटने की चोट के कारण स्टेडियम नारोडोवी में अपने मुकाबले के दूसरे मिनट में ही कार्रवाई से हटना पड़ा और मेडिकल स्टाफ द्वारा पिच से बाहर ले जाया गया।ईगल्स बॉस ने पुष्टि की कि 30 वर्षीय खिलाड़ी टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे, पोलिश एफए ने खुलासा किया कि मिलिक मेनिस्कस की समस्या से पीड़ित होने के कारण आर्थोस्कोपिक सर्जरी से गुजरेंगे।स्ट्राइकर पहले भी खुद को इस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति में पा चुके हैं, 2020-21 लीग 1 अभियान के मार्सिले के अंतिम मैच में चोट लगने के कारण यूरो 2021 से चूक गए थे। वह मार्च में एस्टोनिया और वेल्स के खिलाफ पोलैंड के प्ले-ऑफ क्वालीफायर में भी शामिल नहीं थे।

वेस्टइंडीज ने 134 रन से दर्ज की बड़ी जीत

12 ओवर में 39 रन बनाकर सिमटी युगांडा की टीम

एजेंसी

न्यूयार्क। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के ग्रुप-सी के एक मुकाबले में वेस्टइंडीज ने युगांडा को 134 रन से हराकर बड़ी जीत दर्ज की। बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर युगांडा को महज 39 रन पर समेट दिया। यह टी20 वर्ल्ड कप में सयुक्त रूप से पहला सबसे कम टीम स्कोर है। वहीं, टी20 में वेस्टइंडीज ने अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की।

वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 173 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए जॉनसन चार्ल्स ने 42 गेंद पर 44 रन बनाए। पूरन 22 रन ही बना सके। कप्तान रोवमैन पावेल ने 23 रन योगदान दिया, जबकि अंत के ओवरों में रसेल ने 17 गेंद पर छह चौकों की मदद से नाबाद 30 रन की

पारी खेली। युगांडा की तरफ से मसाबा ने दो विकेट झटके। इसके जवाब में युगांडा की पूरी टीम 12 ओवर में महज 39 रन पर सिमट गई। मात्र एक बल्लेबाज जुमा मियागी ने नाबाद रहते हुए 13 रन की पारी खेली। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई के अंक तक नहीं पहुंच सका।

तीन खिलाड़ी अपना खाता तक नहीं खोल सके। अकील हुसैन ने पांच विकेट झटके। टी20 वर्ल्ड कप में युगांडा ने संयुक्त रूप से पहला सबसे कम स्कोर बनाया।

दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज की टीम

बता दें कि दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज ने टी20 वर्ल्ड कप की शानदार शुरुआत की है। टीम ने अपने दोनों मैच जीते हैं। वेस्टइंडीज की टीम चार अंक लेकर अफगानिस्तान के बाद ग्रुप-सी में दूसरे स्थान पर है, जबकि युगांडा की टीम तीन मैचों में एक जीत और दो हार के साथ दो अंक लेकर तीसरे स्थान पर मौजूद है।

ब्रिक्स गेम्स 2024 में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे हरदा के कराटे खिलाड़ी विशाल

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के हरदा के रहने वाले कराटे खिलाड़ी विशाल विश्नोई ने रूस के कजान में होने वाले ब्रिक्स गेम्स 2024 के लिए भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की कर लिया है। इस प्रतियोगिता का आयोजन 11 जून से 24 जून तक किया जाएगा।

विशाल के कोच रोहित चौहान ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता के लिए विशाल का चयन भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा कराये गए ट्रायल के जरिये किया गया। विशाल-84 किलोग्राम भार वर्ग में हिस्सा लेंगे। वह 11 जून को रूस के लिए भारतीय टीम के साथ दिल्ली से रवाना होंगे। बता दें कि विशाल किसान परिवार से हैं और पहले से ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में पदक जीत चुके हैं। वर्तमान में वह भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) में कार्यरत हैं।

इगा स्विएटेक ने रचा इतिहास, लगातार तीसरी बार जीता फ्रेंच ओपन का खिताब

एजेंसी

पेरिस। विश्व की नंबर 1 महिला टेनिस खिलाड़ी इगा स्विएटेक ने 12वीं वरीयता प्राप्त और पहली बार मेजर फाइनलिस्ट जैस्मीन पाओलिनी को 6-2, 6-1 से हराकर लगातार तीसरा फ्रेंच ओपन और कुल मिलाकर पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीता।

स्विएटेक ने रिकॉर्ड बुक में दर्ज कराया अपना नाम;-

स्विएटेक ने 1 घंटे और 8 मिनट के दौरान दबदबा बनाए रखा और 2007-09 में जस्टिन हेनिन के बाद लगातार तीन बार फ्रेंच ओपन जीतने वाली पहली महिला बन गई।इसके अलावा स्विएटेक की हैट्रिक उन्हें 2012-14 में सेरेना विलियम्स द्वारा यूएस ओपन जीतने के बाद किसी भी मेजर में लगातार तीन ट्रॉफी जीतने वाली पहली महिला बनाती है। इस खिताबी जीत के साथ ही स्विएटेक ने पीआईएफ डब्ल्यूटीए रैंकिंग के शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है, लेकिन

सोमवार को वह एक और उपलब्धि हासिल करेंगी, जब वह शीर्ष स्थान पर अपना 107वां सप्ताह शुरू करेगी। वहीं अमेरिकी खिलाड़ीकोको गॉफ अपने करियर की सर्वोच्च विश्व नंबर 2 पर पहुंचने के लिए तैयार है, जबकि पाओलिनी विश्व नंबर 7 पर पहली बार शीर्ष 10 में जगह बनाएगी। 28 वर्षीय पाओलिनी फ्रांसेस्का शियावोन, फ्लाविया पेनेटा, सारा एरानी और रॉबर्टा विंसी के बाद ओपन एरा में दुनिया के शीर्ष 10 में स्थान बनाने वाली पांचवीं इतालवी खिलाड़ी होंगी।

अंतर मंडलीय प्रदेश स्तरीय फुटबाल चैम्पियनशिप के खिलाड़ियों का चयन 10 जून को

एजेंसी

मुरादाबाद। जिला फुटबाल एसोसिएशन मुरादाबाद के महासचिव मुहम्मद नासिर कमाल ने बताया कि 19 से 26 जून तक अंतर मंडलीय प्रदेश स्तरीय फुटबाल चैम्पियनशिप का आयोजन उत्तर प्रदेश फुटबाल संघ व खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश के समन्वय से अंडर-19 जूनियर बालक व बालिका वर्ग में दो अलग-अलग मंडलों में आयोजित है। जिसमें बालिका वर्ग का आयोजन सहारनपुर में व बालक वर्ग का मऊ मण्डल मे आयोजित किया जाएगा। दोनों वर्गों की टीम हेतु जिले स्तर का चयन 10 जून को व मण्डल स्तर का चयन 12 जून को पारकर इंटर कालेज मुरादाबाद में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बालक वर्ग की प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ी की जन्म तिथि 1 जनवरी 2009 से 31 दिसम्बर 2010 के मध्य की होनी चाहिए तथा जन्म प्रमाण पत्र नगर निगम द्वारा जन्म तिथि से एक वर्ष के भीतर जारी या पंजीकृत किया गया

हो। बालिका वर्ग में प्रतिभाग करने वाली खिलाड़ी का जन्म 1 जनवरी 2008 से 31 दिसम्बर 2010 के मध्य का हो। जन्म प्रमाण पत्र नगरनिगम द्वारा जन्म तिथि से एक वर्ष के भीतर जारी या पंजीकृत किया गया हो। चयन का समय दोपहर तीन बजे से रहेगा। अधिक जानकारी के लिए बालिका वर्ग से सम्बंधित महिला विंग की सचिव माधुरी देवी से 8899588008 पर बालक वर्ग के सम्बन्ध मे मुहम्मद नासिर कमाल से 9456770786 पर सम्पर्क कर जानकारी कर सकते हैं।

रिद्धि वापस लौटे, बंगाल प्रो टी20 लीग में खेलेंगे

एजेंसी

कोलकाता। रिद्धिमान साहा की वापसी होने जा रही है क्योंकि यह Wicketkeeper-batsman मंगलवार से शुरू हो रही बंगाल प्रो टी20 लीग में रश्मि मेदिनीपुर विजार्ड्स का प्रतिनिधित्व करेगा। 15 साल की सेवा के बाद, सिलीगुड़ी के इस लड़के ने 2 जुलाई, 2022 को औपचारिक रूप से क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) से नाता तोड़ लिया, जब एक अधिकारी ने बंगाल क्रिकेट के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया। साहा दो साल तक त्रिपुरा की सीनियर टीम के खिलाड़ी-सह-संरक्षक के रूप में काम कर चुके हैं। लेकिन पिछले महीने के अंत में उन्होंने बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली से बातचीत के बाद बंगाल की जर्सी पहनने का फैसला किया।

साहा, जो बंगाल प्रो टी20 लीग की शुरुआती ड्राफ्ट सूची में नहीं थे, उन्हें मार्की खिलाड़ी अभिमन्यु ईश्वरन की जगह लिया गया था। सलामी बल्लेबाज चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। बंगाल के पूर्व खिलाड़ी सुदीप चटर्जी, जो दो सत्रों तक त्रिपुरा के लिए खेलने के बाद वापसी कर रहे हैं, विजार्ड्स का नेतृत्व करेंगे। बंगाल को रणजी ट्रॉफी 2024-25 सीजन के लिए मध्य प्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा, केरल, उत्तर प्रदेश, पंजाब और बिहार के साथ एलीट ग्रुप %सी% में रखा गया है। सैयद मुश्ताक अली (टी 20) मीट में, लक्ष्मी रतन शुक्ला द्वारा प्रशिक्षित पक्ष ग्रुप ए में पंजाब, हैदराबाद, राजस्थान, एमपी, बिहार, मिजोरम, मेघालय से भिड़ेगा। विजय हजारे ट्रॉफी (50 ओवर) टूर्नामेंट में, बंगाल ग्रुप ई में केरल, त्रिपुरा, एमपी, दिल्ली, बड़ौदा और बिहार से खेलेगा। रणजी ट्रॉफी 11 अक्टूबर से शुरू होगी, इसके बाद 23 नवंबर से मुश्ताक अली और 21 दिसंबर से विजय हजारे होंगे वर्तमान में इलेक्ट्रिक ट्रकों का पंजीकरण कम है, लेकिन राज्य चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश कर रहा है। चुनाव आयोग ने रिटर्निंग अधिकारियों और पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर बारासात और मथुरापुर लोकसभा क्षेत्रों में एक-एक बूथ पर सोमवार को पुनर्मतदान कराने का आदेश दिया है।

एंटोनी ग्रिज़मैन ने ओलिवियर गिरौड को 'आदर्श टीम खिलाड़ी' बताया

एजेंसी

नई दिल्ली। एंटोनी ग्रिज़मैन ने रविवार को 37 वर्षीय खिलाड़ी के अंतिम घरेलू अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले फ्रांस के टीम साथी ओलिवियर गिरौद को आदर्श टीम खिलाड़ी बताया है।

(अधिक फुटबॉल समाचार) लेस ब्लेस ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ ग्रुप डी के अपने पहले मैच के लिए जर्मनी जाने से पहले बोर्डो में कनाडा के खिलाफ एक दोस्ताना मैच के साथ यूरो 2024 की अपनी तैयारियों का समापन किया। आर्सेनल के पूर्व स्ट्राइकर ने पुष्टि की है कि वह प्रतियोगिता के अंत में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लेंगे, जिसके बाद यह टूर्नामेंट गिरौद के लिए अपने देश के लिए अंतिम मैच होगा। वह अपने 57 गोलों में और गोल जोड़ने की उम्मीद कर रहे होंगे, जिसके कारण वह वर्तमान में फ्रांस के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर हैं। 2018 विश्व कप विजेता के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका जाने की संभावना है, 18 जुलाई को MLS की स्थानांतरण विंडो खुलने पर वह आधिकारिक रूप से LAFC में शामिल होंगे, मिलान को छोड़कर तीन साल के कार्यकाल के बाद 132 मैचों में 48 गोल किए हैं, जो गनर्स के बाद किसी एक क्लब के लिए उनके द्वारा किए गए दूसरे सबसे अधिक गोल हैं।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में श्रीलंका के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हसरंगा

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंकाई कप्तान और लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा महान सीमर लसिथ मलिंगा को पीछे छोड़ते हुए खेल के सबसे छोटे प्रारूप में श्रीलंका के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि शनिवार को बांग्लादेश के खिलाफ आईसीसी टी 20 विश्व कप मुकाबले के दौरान हासिल की।

श्रीलंका और बांग्लादेश की प्रतिद्वंद्विता एक बार फिर दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरी, बांग्लादेशी टीम ने चल रहे टी 20 विश्व कप में ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में श्रीलंका को दो विकेट से हराया। इस मैच में, हसरंगा ने चार ओवरों के अपने स्पेल में दो विकेट लिए, जिसमें उन्होंने 32 रन दिए।इन दो विकेटों के साथ, उन्होंने टी20आई क्रिकेट में 108 विकेट पूरे किए और मलिंगा को पीछे छोड़ दिया, जिनके नाम इस प्रारूप में 107

विकेट हैं। श्रीलंका के लिए टी20आई में सबसे अधिक विकेट लेने वाले अन्य खिलाड़ी नुवान कुलसेकरा (66), अजंता मेंडिस (66) और दुष्मंथा चमीरा (55) हैं। मैच की बात करें तो, इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की टीम ने 9 विकेट पर 124 रन बनाए। बांग्लादेश ने 125 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

डेविड मिलर ने नीदरलैंड को हराया, दक्षिण अफ्रीका बड़े अंतर से बचा

एजेंसी

न्यूयॉर्क। डेविड मिलर ने शानदार अर्धशतक लगाकर दक्षिण अफ्रीका को बड़े खतरे से बचाते हुए न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में नीदरलैंड्स पर चार विकेट से जीत हासिल की। ??टी20 विश्व कप के एक तनावपूर्ण मैच में मिलर की 51 गेंदों पर 59 रनों की पारी ने दक्षिण अफ्रीका को मुश्किल स्थिति से उबारने और दो गेंद शेष रहते जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। 104 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने 12 विकेट पर 4 विकेट खोकर खुद को बड़ी मुश्किल में पाया, क्योंकि एडिलेड और धर्मशाला में पिछले मैचों के पतन का भूत मंडराने लगा था। शीर्ष क्रम के जल्दी ढहने से उन कुख्यात पिछले मैचों की यादें ताजा हो गईं, लेकिन डेविड मिलर ने 51 गेंदों पर 59 रनों की नाबाद और शांतचित्त पारी खेलकर उन भूतों को भगा दिया। ट्रिस्टन स्टब्स के समर्थन से, जिन्होंने 37 गेंदों पर 33 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया, मिलर ने 65 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की जिसने दक्षिण अफ्रीका को रसातल से बाहर निकाला। नीदरलैंड्स ने ऐतिहासिक उलटफेर को भांपते हुए देर से दो विकेट लेकर अपनी उम्मीदों को फिर से जगाया। हालांकि, उनके प्रयास विफल रहे क्योंकि दक्षिण अफ्रीका ने नई-नई दृढ़ता दिखाते हुए कुछ ओवर शेष रहते जीत हासिल करते हुए फिनिश लाइन पार कर ली। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को नासाउ में टी20 विश्व कप ग्रुप डी के मुकाबले में नीदरलैंड को नौ विकेट पर 103 रन पर रोक दिया। ओटनील बार्टमैन इस शो के स्टार रहे, जिन्होंने चार विकेट चटकाए।

बार्टमैन ने अपने चार ओवरों में 4-11 के असाधारण आंकड़े के

साथ South African bowling आक्रमण की अगुआई की, जिसने डच बल्लेबाजों को कभी जमने नहीं दिया। बार्टमैन का साथ देते हुए मार्को जेनसन और एनरिक नॉर्टजे ने दो-दो विकेट लिए, जिससे नीदरलैंड पूरी पारी में बैकफुट पर रहा। नीदरलैंड के लिए मैच की शुरुआत बेहद खराब रही, जेनसन ने पहले ओवर में ही आउट हो गए। माइकल लेविट शून्य पर आउट हो गए, जबकि रिव्यू में उनके आउट होने की पुष्टि हुई, जिससे डच पारी की शुरुआत हुई। दक्षिण अफ्रीका का दूसरा विकेट मैक्स ओ'डॉड के रूप में आया, जिन्होंने बार्टमैन की गेंद पर पीछे की ओर किनारा लिया, जबकि जेनसन ने पहली स्लिप में एक हाथ से शानदार डाइविंग कैच लिया, जिससे नीदरलैंड चार ओवर के बाद 15-2 के स्कोर पर संघर्ष कर रहा था। अगले ओवर में स्थिति और खराब हो गई, जब जेनसन ने विक्रमजिस्ट सिंह के स्टंप उखाड़ दिए, जिससे नीदरलैंड का स्कोर 17-3 हो गया। बास डी लीडे के छह रन पर आउट होने से उनकी मुश्किलें और बढ़ गईं, जब गेंद ने विकेट से ऊपर की ओर उछाल लिया।दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम की शानदार फील्डिंग के कारण 12वें ओवर में स्कॉट एडवर्ड्स 10 रन पर रन आउट हो गए। इसके ठीक तीन गेंद बाद, नोर्टजे ने फिर से स्ट्राइक किया, तेजा निदामनुरु की गेंद डीप थर्ड मैन पर हेनरिक क्लासेन के हाथों में जा लगी, जिससे स्कोर 48-6 हो गया। साइब्रांड एंजेलब्रेचट और लोगान वान बीक (जिन्होंने क्रमशः 40 और 23 रन बनाए) की संक्षिप्त वापसी के बावजूद, बार्टमैन ने वापसी करते हुए पुछल्ले बल्लेबाजों को ढेर कर दिया, जिससे अंतिम ओवरों में दक्षिण अफ्रीका का नियंत्रण पुनः मजबूत हो गया।

पहले तूफानी बल्लेबाजी फिर गेंदबाजी में फंसाया, ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को कहीं का नहीं छोड़ा, 36 रन से हराया

एजेंसी

ब्रिजटाउन। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 का 17वां मैच केंसिंग्टन ओवल बारबाडोस में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेला गया। इस मैच में कंगारुओं ने दमदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने बल्ले और गेंद दोनों से ही इंग्लैंड पर दबदबा बनाय। ऑस्ट्रेलिया 36 रन से मैच जीतने में सफल रही। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, जोकि काफी गलत साबित हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 201 रन ठोक डाले। इसके जवाब में इंग्लैंड 20 ओवर में 6 विकेट पर 165 रन ही बना पाई और 36 रन से मैच हार गई।

अच्छी शुरुआत के बाद भी हारी इंग्लैंड

202 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लैंड टीम को फिल सॉल्ट और जोस बटलर ने शानदार शुरुआत दिलाई। 73 रन पर जब सॉल्ट के रूप में अंग्रेजों की पहली

विकेट गिरी। उसके बाद से वह संभल ही नहीं पाए। एक के बाद एक विकेट गिरने का सिलसिला लगा रहा। इंग्लैंड की तरफ से सर्वाधिक 42 रन बटलर ने बनाए। वहीं सॉल्ट ने 37 रन की तूफानी पारी खेली। इसके अलावा मोईन अली ने भी 25 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पैट कमिंस और एडम जाम्पा ने 2-2 विकेट लिए। इसके अलावा जोश हेजलवुड और मार्कस स्टोइनिस को भी 1-1 सफलता मिली।

इंग्लैंड के गेंदबाजों की जमकर हुई धुनाई

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने कोहराम मचा दिया। उन्होंने इंग्लिश गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। डेविड वॉर्नर ने 243 के स्ट्राइक रेट से 16 गेंद में 36 रन बनाए। ट्रेविस हेड ने भी 18 गेंद में 34 रन ठोके। इसके अलावा कप्तान मिचेल मार्श ने भी 35 रन की अच्छी पारी खेली। मिडिल ऑर्डर में मार्कस स्टोइनिस ने भी तेजी से 30 रन बनाए। मैथ्यू वेड 17 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड की ओर से क्रिस जॉर्डन ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। वहीं मोईन अली, जोफा आर्चर, आदिल राशिद और लियम लिविंगस्टोन ने 1-1 विकेट झटका।

किसान के बेटे सरबजोत सिंह ने विश्वकप के फाइनल में चीन को हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले गोल्ड लिस्ट शूटर सरबजोत सिंह ने एक बार फिर रिकॉर्ड बनाया है. ओलिंपिक से करीब 50 दिन पहले सरबजोत सिंह ने देशवासियों को खुशी का पल दिया. धिन गांव के सरबजोत का लक्ष्य जर्मनी के म्यूनिख में चल रहे आईएसएसएफ पिस्टल विश्व कप में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक पर है। प्रतियोगिता के फाइनल में भाग लेने वाले विभिन्न देशों के 8 प्रतिभागियों में से सरबजोत ने 242.7 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। सरबजोत सिंह ने चीन के बू शुआई होंग को 0.2 अंकों से हराकर स्वर्ण पदक जीता। सात घंटे ट्रेनिंग करती हैं सरबजोत- सरबजोत के कोच अभिषेक राणा ने कहा कि ओलंपिक में सरबजोत का लक्ष्य देश के लिए स्वर्ण पदक लाना है. इसके लिए सरबजोत दिन में सात घंटे ट्रेनिंग करते हैं। सरबजोत सिंह ने 24 अक्टूबर, 2023 को कोरिया में 2023 एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में व्यक्तिगत कांस्य पदक जीतकर पिस्टल शूटिंग में भारत का पहला ओलंपिक कोटा हासिल किया।

48 दिन तक ठीक नहीं... कैरेक्टर के लिए ट्रॉन्सफॉर्मेशन

अदा शर्मा

को पड़ा भारी, हो गई ये बीमारी

साउथ और बॉलीवुड की फिल्मों में काम कर चुकी एक्ट्रेस अदा शर्मा को अपने करियर में करीब 10 साल का वक्त हो चुका है. लेकिन इसमें कोई दोराय नहीं है कि मौजूदा समय में वे अपने करियर की पीक पर हैं. एक्ट्रेस को बैक टू बैक अच्छे रोल्स मिल रहे हैं और वे अपने कैरेक्टर के लिए काफी एफर्ट्स भी लगा रही हैं. एक्ट्रेस की फिल्म द केरल स्टोरी काफी चर्चा में रही थी. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा कलेक्शन किया और सभी को चौंका दिया. लेकिन इसके बाद उनकी फिल्म बस्तर अ नक्सल स्टोरी रिलीज हुई. इस फिल्म में अपने रोल के लिए एक्ट्रेस ने काफी सेक्रिफाइज किया. एक्ट्रेस को इस दौरान एंडोमेट्रिऑसिस नाम की बीमारी का शिकार होना पड़ा. एक्ट्रेस ने हालिया इंटरव्यू में अपने स्ट्रगल पर बात की.एक्ट्रेस ने कहा- हाल में मैंने जो फिल्में कीं उसमें मैंने अलग-अलग कैरेक्टर्स प्ले किए. केरल स्टोरी फिल्म में फर्स्ट हाफ के लिए मुझे पतला और कॉलेज स्टूडेंट की तरह लगना था. कमांडो फिल्म के लिए मुझे मस्कुलर लगना था, सनफ्लॉवर सीरीज के लिए मुझे एक बार डांसर का रोल प्ले करना था मतलब थोड़ा एक्जपोजिंग लगना था. और बस्तर के लिए मुझे थोड़ा वेट गेन करना था ताकि मैं एक टास्क मास्टर की तरह लग सकूं.एक्ट्रेस ने बस्तर फिल्म में अपनी प्रिपरेशन के बारे में बात करते हुए कहा- मैं हर दिन शुरुआत में 10-12 केले खाती थी. ऐसा इसलिए क्योंकि मेकर्स का ऐसा कहना था कि फिल्म के लिए मुझे अपना वेट बढ़ाना होगा. साथ ही इस बात का भी ध्यान रखना था कि मेरा वजन बहुत ज्यादा न बढ़े. ऐसा इसलिए क्योंकि फिल्म में कई सारे एक्शन सीन्स भी करने थे. साथ ही मुझे काफी स्ट्रॉन्ग भी रहना था क्योंकि फिल्म में मैंने रियल बंदूक उठाई थी जिसका वजन करीब 8-10 किलो था और बंदूक साथ में लिए पहाड़ों और चट्टानों की लॉकेशन्स पर चलना था. इसके लिए मैं कई तरह की सीड्स, लड्डू और ड्राए फ्रूट्स खाती थी. मुझे नियमत रूप से सोने से पहले ये सब खाना होता था ताकि शरीर में ताकत रहे.

48 दिन तक ठीक नहीं हुई

अदा ने आगे अपनी बीमारी के बारे में बात करते हुए कहा- अगर आप असल जिंदगी में वेट ट्रेनिंग करते हैं तो इस दौरान काफी अवेयर रहने की जरूरत होती है. मेरा पिल्विस शिफ्ट हो गया और मुझे काफी दर्द होने लगा. इस वजह से मुझे बैक प्रॉब्लम भी हो गई. मैं बचपन से ही एक जिमनास्ट रही हूं और मुझे अपनी फ्लेक्सिबिलिटी पर हमेशा घमंड रहा है. जब से ये दिक्कत शुरू हुई और मेरे लिए सबकुछ स्ट्रेसफुल हो गया. मुझे नहीं पता कि किसी रोल को अगर आप प्ले कर रहे हैं तो आप उसे अपनी रियल लाइफ से कैसे अलग रखेंगे ये मुझे नहीं आता. मैं पूरी तरह से इन्वॉल्व हो जाती हूं. इन सबका असर ऐसा पड़ा कि मैं एंडोमेट्रिऑसिस का शिकार हो गई और 48 दिनों तक स्ट्रेस में रही.

आमिर खान की ऑनस्क्रीन मां का खुलासा, बताया क्यों फ्लॉप हुई सुपरस्टार की 200 करोड़ी फिल्म

बॉलीवुड इंडस्ट्री में आमिर खान का अलग ही रुतबा है. उन्हें बड़े सुपरस्टार्स में गिना जाता है और साथ ही एक्टर को मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से भी जाना जाता है. आमिर खान ने अपने करियर में कई सारी फिल्में की हैं और ऐसा माना जाता है कि उन्हें फिल्म मेकिंग के प्रॉसेस के अलावा फिल्म प्रोमोशन्स और फिल्म मार्केटिंग की भी अच्छी खासी समझ है. लेकिन उनके करियर में पिछले कुछ सालों में दो फिल्में ऐसी आई हैं जिसने एक्टर को बैकफुट पर लाकर खड़ा कर दिया है. ये फिल्में थीं ठग्स ऑफ हिंदोस्तान और लाल सिंह चड्ढा.

हॉलीवुड सुपरस्टार टॉम हैंक्स की फिल्म फॉरेस्ट गंप का ऑफिशियल रीमेक थी लाल सिंह चड्ढा. फिल्म को लेकर बहुत शोर था लेकिन जब ये मूवी सिनेमाघरों में आई तो कुछ खास कमाल नहीं कर सकी और बुरी तरह से धाराशाई हो गई. फिल्म का बजट 180 करोड़ रुपये के करीब था और ये मूवी बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ का कलेक्शन कर पाने में भी सफल नहीं हो सके थे. अब फिल्म में आमिर खान की मां का रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस मोना सिंह ने इसपर रिएक्ट किया है और बताया है कि इतनी बड़ी फिल्म के न चल पाने की असली वजह आखिर क्या थी.मोना सिंह ने इसपर कहा- जब आप लोगों की नजरों में आने लग जाते हैं और लोग आपको रिकगनाइज करने लग जाते हैं, जब लोग आपकी तरफ इस वजह से देखने लगते हैं क्योंकि उन्हें ऐसा लगता है कि आप कोई पर्टिकुलर कैरेक्टर प्ले कर सकते हैं. मुझे ये वेलिडेशन तब मिली जब मैंने जस्सी का रोल प्ले किया. वैसे ही जब ये फिल्म ओटीटी में आई जब कोरोना काल में लोगों ने अपने परिवार वालों को खोया तो कई लोग अलग-अलग माध्यम से हमारे पास आए और उन्होंने कहा कि वे लाल सिंह चड्ढा के उस कैरेक्टर से रिलेट कर पा रहे हैं. फिल्म में मेरे किरदार को सभी ने पसंद किया.

फिल्म न चलने पर क्या कहा ?

फिल्म के बारे में बात करते हुए लाल सिंह चड्ढा ने कहा- मैं इसपर बहुत खास उदाहरण देने जा रहा हूं. मौजूदा समय में मुझे जितने भी काम मिल रहे हैं लाल सिंह चड्ढा फिल्म की वजह से ही मिल रहे हैं. भले ही फिल्म अच्छी कमाई नहीं कर सकी लेकिन मुझे इस फिल्म की वजह से और भी काम मिला. एक एक्टर के तौर पर मैं कहूं तो टैलेंट कभी भी वेस्ट नहीं होता है. भले ही फिल्म थिएटर पर नहीं चली लेकिन जब ये फिल्म ओटीटी पर आई तो इसे खूब देखा गया. लेकिन सच तो यही है कि ये फिल्म करने के बाद ही मुझे और अवसर मिल पाए.

अनिल कपूर के शो में नजर आएंगी कृति सेनन की बहन!

'बिग बॉस ओटीटी सीजन 3' जल्द जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होने जा रहा है. अनिल कपूर के इस शो का प्रीमियर एपिसोड 22 जून को ऑन एयर होगा. इस एपिसोड के बाद शो के लाइव टेलीकास्ट की शुरुआत की जाएगी. अब तक कई टीवी एक्टर्स और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को इस शो में शामिल होने के लिए फाइनलाइज किया गया है. लेकिन इस बार मेकर्स को ऐसे कंटेस्टेंट की तलाश है, जिन्हें देखने के लिए ऑडियंस 29 रुपये खर्च कर जियो का प्रीमियम सब्सक्रिप्शन खरीदे. यही वजह है कि मेकर्स ने अनुषा दांडेकर के बाद कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन को शो में शामिल होने के लिए अप्रोच किया है.एक एक्ट्रेस होने के साथ-साथ नूपुर सेनन एक अच्छी सिंगर भी हैं. उन्होंने पिछले साल यानी साल 2023 में टाइगर नागेश्वर राव के साथ एक तेलुगु फिल्म की थी.

अक्षय कुमार के साथ आए उनके गाने 'फिलहाल' को भी लोगों ने खूब पसंद किया. कुछ समय पहले नुपूर 'पॉप कौन' नाम के टीवी शो का हिस्सा बनी थीं. नूपुर को 'बिग बॉस ओटीटी सीजन 3' ऑफर जरूर हुआ है. लेकिन उन्होंने अब तक इस शो में शामिल होने के लिए हां नहीं की है. अगर वो इस शो के लिए हां कहती हैं, तो उनके साथ इस शो में नई ऑडियंस जुड़ सकती है.

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स नहीं जोड़ सकते सब्सक्राइबर्स

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के कंटेंट को अक्सर लाखों-करोड़ो में व्यूज आते हैं. लेकिन ये कंटेंट पूरी तरह से फ्री होता है. अब तक इन इन्फ्लुएंसर के साथ शुरू किए हुए किसी भी ओटीटी प्रोजेक्ट को ऑडियंस का सही रिस्पांस नहीं मिल पाया है और यही वजह है कि इस बार बिग बॉस ओटीटी के मेकर्स सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से ज्यादा मशहूर सेलिब्रिटीज को अपने शो में शामिल करना चाहते हैं. अनुषा दांडेकर, नूपुर सेनन के साथ शहजादा धामी, प्रतीक्षा होनमुखे, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा जैसे टीवी के कुछ बड़े एक्टर्स को भी 'बिग बॉस ओटीटी 3' में शामिल होने के लिए शॉर्ट लिस्ट किया गया है.

'एनिमल' ने 900 करोड़ कमाए, इधर एक झटके में

तृप्ति डिमरी

ने खरीद लिया करोड़ों का बंगला

संदीप रेड्डी वांगा की 'एनिमल' के चर्चे थमने का नाम ही नहीं ले रहे हैं. ये फिल्म पिछले साल रिलीज हुई थी और कई महीने गुजर जाने के बाद भी फिल्म और उसके स्टार्स की तारीफों का सिलसिला कम नहीं हुआ है. 'एनिमल' की शानदार सक्सेस के बाद फिल्म में मौजूद कई सितारों की किस्मत के तो ताले ही खुल गए हैं. विलेन बनकर जहां बॉबी देओल छा गए, वहीं रणबीर कपूर ने तो धमाका ही कर दिया. अमिल कपूर और रश्मिका मंदाना ने भी अपना-अपना रोल बखूबी निभाया. लेकिन तृप्ति डिमरी ने अपने किरदार से लोगों के जहन पर अपनी छाप छोड़ दी.तृप्ति को 'एनिमल' से काफी फेम मिला है. उनके लिए ये फिल्म काफी लकी साबित हुई है. इस पिक्चर के बाद उनकी फैन फॉलोइंग में भी काफी इजाफा हो गया.अब उनके हाथ में कई बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स में भी मौजूद हैं. लेकिन इन सब चीज़ों के अलावा अब एक्ट्रेस ने मुंबई में अपने लिए एक घर भी खरीद लिया है. एक रिपोर्ट की मानें तो तृप्ति डिमरी का नया पता अब बांद्रा पश्चिम इलाके में कार्टर रोड पर होगा, जहां उन्होंने एक ग्राउंड प्लस दो मंजिला बंगला खरीद लिया है.वहीं तृप्ति डिमरी के इस नए घर की कीमत को लेकर दावा किया जा रहा है कि ये करीब 14 करोड़ रुपये का है. खबरों की मानें तो 70 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी चुकाई गई है. 3 जून को एक्ट्रेस ने सारी फॉर्मेलिटी पूरी भी कर दी है. लेनदेन का सारा काम भी निपट चुका है. अब मुंबई जैसे बड़े शहर में तृप्ति के पास खुद सपनों का घर है. जिस एरिया में तृप्ति ने अपना नया घर लिया है, वहां कई बड़ी-बड़ी हस्तियां रहती हैं.

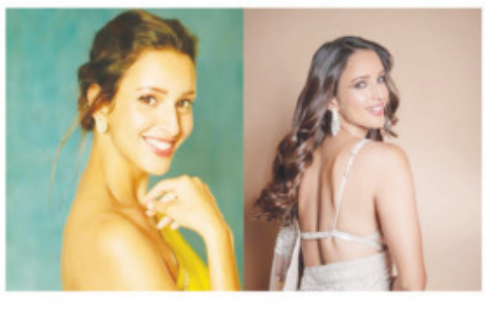

ये एक पॉश एरिया है, इस इलाके में शाहरुख खान से लेकर सलमान खान और रेखा से लेकर रणबीर कपूर-आलिया भट्ट तक रहते हैं. तृप्ति डिमरी को उनके चाहने वाले बधाई दे रहे हैं. तृप्ति के काम की बात करें तो वह जल्द ही भूल भुलैया 3 में नजर आने वाली हैं. फिल्म के सेट से उनकी कई तस्वीरें भी लीक हो चुकी हैं. इसके अलावा उनके पास 5 फिल्में पाइपलाइन में हैं.